९३२४१७६७६९ | ▶वर्षः ३२, अंक १२९, मुंबई, सोमवार १ जुलाई २०२४ ▶पेज १६ ▶मूल्यः ₹ ३ | एम.सी.डब्ल्यू/१६६/२०१८-२०

दोपहर का

संस्थापक संपादक : बाल ठाकरे

सामना

मानसून मस्ती से सावधान!

मुंबई के टॉप ५ डेंजरस डैम!

■ बरसात में कभी भी हो सकता है हादसा
■ पानी का बहाव अचानक हो जाता है तेज

सामना संवाददाता / मुंबई

मानसून आते ही मुंबईकर आसपास के डैम और झरने पर मस्ती के लिए निकल पड़ते हैं। मगर इनमें से कई डैम और झरने काफी खतरनाक हैं और थोड़ी-सी भी लापरवाही लोगों की जान ले लेती है। मुंबई से थोड़ी दूरी पर स्थित भुशी डैम के पास कल एक ऐसे ही हादसे में एक ही परिवार के ५ लोग बह गए। पुलिस और प्रशासन के मना करने के बावजूद लोग नहीं मानते और हादसे के शिकार हो जाते हैं। मुंबई के पास ऐसे ५ टॉप के डेंजरेस डैम हैं, जहां नहाते वक्त हादसे का खतरा बना रहता है।

वसई के चिंचोटी में मानसून के मौसम में काफी पर्यटक आते हैं। मानसून में वहां पानी का बहाव काफी खतरनाक हो जाता है। बदलापुर के पास भी पिछले हफ्ते डैम के पास कोंडेश्वर में नहाते वक्त एक युवक के पानी में बहने से मौत हो गई थी। पनवेल का गाडेश्वर डैम का पानी भी काफी डेंजरस है और वहां भी अतीत में कई हादसे हो चुके हैं। टिटवाला का कालू डैम भी काफी खतरनाक है। इगतपुरी के पास स्थित वैतरणा डैम भी काफी खतरनाक है। इनके अलावा भी मुंबई के आसपास दर्जनों डैम हैं, जो मानसून में काफी खतरनाक हो जाते हैं।

डैम ने लील ली ५ जिंदगियां!

-पेज २

अचानक बढ़ता है जलस्तर

मानसून के वक्त डैम और वॉटरफॉल से दूर रहना चाहिए। इस मामले में पुलिस और प्रशासन खतरनाक जगहों पर पर्यटकों के लिए अलर्ट का बोर्ड भी लगाता है, जिस पर उस क्षेत्र में जाने की मनाही होती है। पर लोग उसकी अनदेखी करते हैं, जिससे हादसे होते हैं। मानसून में पहाड़ी नदी या झरने का स्तर अचानक तीव्र गति से बढ़ जाता है इसलिए वहां जाना खतरनाक है।

छत्रपति संभाजीनगर में
7 जुलाई को शिवसंकल्प सम्मेलन

शिवसेनापक्षप्रमुख उद्धव ठाकरे करेंगे मार्गदर्शन

शिवसेनापक्षप्रमुख उद्धव ठाकरे के प्रमुख मार्गदर्शन में ७ जुलाई की सुबह ११ बजे छत्रपति संभाजीनगर में शिवसंकल्प सम्मेलन होगा। इस सम्मेलन में शिवसेना कार्यकर्ताओं को तकनीकी, सामाजिक और राजनीतिक तौर पर मार्गदर्शित किया जाएगा।

पेज 3

मुंबई तक पहुंची नीट की आंच

रातों-रात फरार हुआ क्लासेस का मालिक

नीट परीक्षा की आंच अब मुंबई तक पहुंच गई है। साकीनाका के एक कोचिंग क्लास के संचालक के फरार होने से यह संदेह काफी बढ़ गया है।

पेज 5

कैसे लगे बढ़ती आबादी पर लगाम?
२५ साल में हिंदुस्थान में हुए

20 करोड़ बाल विवाह!

हिंदुस्थान में पिछले २५ वर्षों में २० करोड़ बाल विवाह हुए हैं। यह चौंकानेवाली रिपोर्ट संयुक्त राष्ट्र से आई है।

पेज 2

सामना एंकर

ड्रैगन ने 2,000 वर्ग किमी भारतीय भूमि पर कर रखा है कब्जा फिर भी

अडानी मांगे चीनी इंजीनियर!

■ ३० को लाने के लिए केंद्र से मांगी मंजूरी
■ कांग्रेस ने मोदी सरकार को घेरा

सामना संवाददाता / नई दिल्ली

गलवान कांड के बाद चीन ने हिंदुस्थान की २,००० वर्ग किलोमीटर भूमि पर कब्जा कर रखा है पर मोदी सरकार इस बात को मानने के लिए तैयार नहीं है। एक तरफ जहां मोदी सरकार दिखावे के लिए चीन का विरोध करती है, वहीं उसके समर्थक चीनी समान के विरोध का ड्रामा करते हैं। ऐसे में मोदी के प्रिय उद्योगपति अडानी ने अपने प्रोजेक्ट के लिए ३० चीनी इंजीनियरों की मांग की है। इसके लिए उन्होंने मोदी सरकार से मंजूरी मांगी है। कांग्रेस ने इस मामले में मोदी सरकार को घेरा है।

बता दें कि अडानी समूह ने अपने सोलर मैन्युफैक्चरिंग प्रोजेक्ट में सहायता के लिए आठ चीनी कंपनियों का चयन किया है। इस खबर का हवाला देते हुए कांग्रेस ने सवाल किया कि क्या करदाताओं के पैसे का लाभ चीनी कंपनियों को मिलना चाहिए?

करोड़ों बहे पानी में!

फिर फेल हुई मोदी की गारंटी

रामपथ के बाद अयोध्या के अस्पताल में भी भरा पानी

एनडीए सरकार के राज में रामनगरी अयोध्या पानी-पानी हो रही है। पहली बारिश में ही शहर की पोल खुल गई है। मंदिर चू रहा है और पूरे शहर में पानी भर गया है।

पेज 9

दोपहर का सामना
९३२४१७६७६९
सोमवार १ जुलाई २०२४

मौज-मस्ती में लापरवाही पड़ी भारी
डैम ने लील ली ५ जिंदगियां!

● एक ही परिवार में ५ मौतों से मातम
● लोनावला में मनाने गया था पिकनिक

● दो के शव बरामद
● ३ की तलाश जारी

सामना संवाददाता / मुंबई

बारिश के मौसम में मौज-मस्ती में लापरवाही काफी भारी पड़ सकती है। लोनावला के मशहूर भुशी डैम में पिकनिक मनाने गए ५ लोगों की जिंदगियों को पानी के तेज बहाव ने डस लिया। खबर लिखे जाने तक बचाव दल ने दो शव बरामद कर लिए थे। दो को बचा लिया गया था, जबकि तीन लापता थे।

कल भुशी डैम के बैकवाटर के पास स्थित झरने में यह हादसा हुआ। इस घटना में ४० वर्षीय महिला और एक १३ वर्षीय लड़के की मौत हो गई। यह परिवार बारिश के दिन का आनंद ले रहा था तभी वे भुशी डैम में बह गए। बताया जा रहा है कि ४-९ वर्ष के तीन बच्चे लापता हैं, जिनकी तलाश की जा रही है।

बता दें कि भुशी डैम ओवरफ्लो हो गया है और पर्यटकों की भीड़ उमड़ रही है, तभी ये चौकानेवाली घटना सामने आई है। स्थानीय पुलिस ने कहा कि अंसारी परिवार डैम में बह गया है। अंसारी परिवार भुशी डैम के ऊपर जंगल में स्थित बैक वॉटर पर बरसात के दिन का आनंद ले रहा था। लोनावला पुलिस ने जानकारी दी कि पांच लोग भुशी डैम में बह गए। बारिश का आनंद लेने के लिए काफी पर्यटक लोनावला आ रहे हैं। इस बीच यह घटना रविवार दोपहर १.३० बजे हुई, जिसके बाद बचावकर्मी घटनास्थल पर पहुंचे।

पुणे ग्रामीण पुलिस अधीक्षक पंकज देशमुख ने बताया कि घटना में ६ वर्षीय दो लड़कियां और ४ वर्षीय एक लड़का लापता हैं, वहीं ४० वर्षीय महिला और १३ वर्षीय लड़के का शव बरामद कर लिया गया है। स्थानीय एसपी ने एक बयान में बताया कि ऐसा लगता है कि वे एक ही परिवार के सदस्य हैं और भुशी बांध से लगभग दो किलोमीटर दूर झरने में फिसल गए, जहां वे डूब गए। इस घटना में बच्चे लापता हैं, जिनकी खबर लिखे जाने तक तलाश जारी थी।

गुजरात लॉबी का घटा कद
मनोज कुमार सिंह बने यूपी के मुख्यसचिव!

मनोज श्रीवास्तव /लखनऊ

मनोज सिंह को यूपी का नया मुख्यसचिव बनने के बाद सात वर्षों से मुख्यमंत्री पद पर आसीन योगी आदित्यनाथ ने पहली बार टीम गुजरात के राजनैतिक दबाव से मुक्ति का संकेत दिया है। इसका असर यूपी के भविष्य की राजनीति और सरकार के काम-काज में तेजी आने की संभावना के रूप में देखा जा रहा है। योगी सरकार ने वर्ष १९८८ बैच के वरिष्ठ आईएएस अधिकारी मनोज कुमार सिंह को प्रदेश का नया मुख्य सचिव बनाया है। पूर्व मुख्यसचिव दुर्गाशंकर मिश्र को चौथी बार सेवा विस्तार नहीं मिला। जबकि योगी के पसंदीदा २००६ में पीसीएस से आईएएस बने अफसर अरुणवीर सिंह को छठी बार सेवा विस्तार दिया गया।

यह संयोग ही है कि लोकसभा चुनाव २०२४ में भाजपा को यूपी में आशातीत सफलता न मिलने और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की त्यौरी चढ़ने के बाद इन निर्णयों पर योगी का बढ़ते प्रभाव से जोड़कर देखा जा रहा है। योगी आदित्यनाथ के विश्वसनीय और काबिल अफसर के रूप में पहचान बनाने वाले मनोज सिंह ने रविवार की शाम को कार्यभार ग्रहण किया। वह प्रदेश के ५५ वें मुख्य सचिव बने। मनोज कुमार सिंह मुख्य सचिव के साथ ही औद्योगिक विकास आयुक्त, अध्यक्ष पिकप और सीईओ यूपीईडा फिलहाल अभी बने रहेंगे। सिंह के मुख्य सचिव बनने के बाद डॉ. देवेश चतुर्वेदी को अपर मुख्य सचिव नियुक्ति एवं कार्मिक, कृषि, कृषि शिक्षा के साथ कृषि उत्पादन आयुक्त (एपीसी) का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। मुख्य सचिव के बाद यह पद काफी महत्वपूर्ण माना जाता है। नरेंद्र भूषण को प्रमुख सचिव विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग से पंचायती राज विभाग की जिम्मेदारी दी गई है। उनके पास ऊर्जा विभाग अतिरिक्त प्रभार है।

बीमा की रकम हड़पने के लिए
दो बार मर गई महिला!

■ तीन कंपनियों से परिवार ने वसूले ७० लाख रुपए
■ फ्रॉड खुलासे के बाद डॉक्टर के साथ परिवार भी फरार
■ दो नामों से बनाए थे दो आधार कार्ड, ली थीं ५ पालिसीज्
■ भायंदर पुलिस कर रही है आरोपियों की तलाश

सामना संवाददाता /भाईंदर

भाईंदर में एक धोखाधड़ी का बड़ा मामला सामने आया है, जिसमें बीमा की राशि हड़पने के लिए एक महिला दो बार मर गई। उसके परिवार ने महिला का फर्जी डेथ सर्टिफिकेट बनाकर बीमा कंपनियों से ७० लाख रुपए भी वसूल लिए। अब इस फ्रॉड का भांडा फूटने के बाद यह महिला परिवार समेत फरार हो गई है। इसके साथ ही सर्टिफिकेट देनेवाला डॉक्टर के भी फरार होने की खबर है।

बता दें कि इस फ्रॉड का मामला सामने आने के बाद इस मामले में पुलिस ने एक डॉक्टर समेत तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। मामला दर्ज होते ही चारों आरोपी फरार हो गए। फिलहाल पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी है।

मिली जानकारी के अनुसार, दस्तावेजों की जांच के दौरान यह मामला सामने आने के बाद एक बीमा कंपनी ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत के मुताबिक, भाईंदर के राई गांव के आरोपी परिवार ने महिला के नाम पर कई बीमा कंपनियों से पॉलिसी खरीदी थी। आरोपियों ने कंपनी से पैसे ऐंठने के लिए महिला की फर्जी मौत की साजिश रची। इसके लिए उन्होंने एक परिचित डॉक्टर की मदद भी ली। इस डॉक्टर ने महिला की मौत के फर्जी दस्तावेज तैयार किए। इसी दस्तावेज के आधार पर आरोपी परिवार ने महिला की मौत का फर्जीवाड़ा किया। इसके बाद इस परिवार के लोगों ने फर्जी दस्तावेजों के आधार पर विभिन्न बीमा कंपनियों में कुल १ करोड़ १० लाख रुपए का दावा किया। इन कंपनियों ने भी दस्तावेजों पर विश्वास कर आरोपी परिवार को करीब ७० लाख रुपए का भुगतान कर दिया। बाकी रकम उन्हें कुछ ही दिनों में मिलनेवाली थी, लेकिन इनमें से एक कंपनी को इस परिवार पर शक हुआ।

जब इस कंपनी ने दस्तावेजों की दोबारा जांच की तो कंपनी को संदेह हुआ कि सभी दस्तावेज फर्जी हैं। कंपनी ने तुरंत पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद जब भाईंदर पुलिस ने महिला की मौत और उसके दस्तावेजों की जांच की तो पता चला कि सब कुछ फर्जी था।

इस मामले में पुलिस ने फर्जी डेथ सर्टिफिकेट जारी करने वाले डॉक्टर समेत महिला, उसके पति व बेटे के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। मामला दर्ज होते ही डॉक्टर समेत सभी आरोपी फरार हो गए। फिलहाल पुलिस द्वारा उनकी तलाश की जा रही है।

मोदी सरकार का चीनी विरोध सिर्फ दिखावा!

सामना संवाददाता / नई दिल्ली

मोदी सरकार का चीनी विरोध सिर्फ दिखावा है। मोदी सरकार के प्रिय उद्योगपति अडानी अपने सोलर प्रोजेक्ट के लिए चीन से इंजीनियरों को मंगाने जा रहे हैं। इसकी मंजूरी देने के लिए अडानी ने मोदी सरकार से गुहार लगाई है। इस मामले में कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर एक पोस्ट लिखकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए 'भारत को चीन पर निर्भरता से मुक्त करने के लिए' एक रणनीति बनाने का आह्वान किया।

रमेश ने कटाक्ष करते हुए लिखा, 'नॉन-बायोलॉजिकल प्रधानमंत्री ने १९ जून, २०२० को गलवान झड़पों के बाद कहा था कि न कोई हमारी सीमा में घुस आया है, न ही कोई घुसा हुआ है। हालांकि, वह अपने एक 'टेम्पोवाले' दोस्त की मदद करने के लिए चीनी श्रमिकों को वीजा जारी करने में कोई हिचकिचाहट नहीं दिखाते हैं।' इसके साथ ही कांग्रेस नेता ने अडानी सोलर द्वारा चीन से कुछ इंजीनियरों को हिंदुस्थान लाने के लिए केंद्र से मांगी गई अनुमति की खबर को शेयर करते हुए ये बातें लिखी हैं। उन्होंने एक व्यवसायिक अखबार की एक रिपोर्ट के आधार पर पीएम मोदी को घेरा है। उक्त रिपोर्ट में लिखा है, 'ऐसा माना जा रहा है कि अडानी समूह ने सोलर मैन्युफैक्चरिंग प्रोजेक्ट के लिए चीन से करीब ३० इंजीनियरों को लाने के लिए केंद्र सरकार से मंजूरी मांगी है। ये इंजीनियर अडानी समूह को सौर उपकरणों की एक मजबूत और स्वदेशी वितरण व्यवस्था बनाने में मदद कर सकते हैं। कंपनी ने अपने प्रस्तुतिकरण में वीजा के लिए आठ विदेशी नागरिकों का उल्लेख किया है। सभी चीन से हैं।' इस मामले में जयराम रमेश ने कहा है, 'प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव पीएलआई स्कीम के तहत करदाताओं के पैसों का बड़ा हिस्सा पाने वाले अडानी समूह ने कथित तौर पर अपने सोलर मैन्युफैक्चरिंग प्रोजेक्ट में मदद के लिए आठ चीनी कंपनियों का चयन किया है और ३० चीनी श्रमिकों के लिए वीजा जारी करने की विशेष अनुमति मांगी है।' कांग्रेस नेता रमेश ने तंज कसते हुए कहा कि ये सहयोग आत्मनिर्भरता के नाम पर हो रहे हैं। उन्होंने कहा, 'भारत को चीन पर निर्भरता से मुक्त करने के लिए उचित रणनीति बनाने का समय आ गया है, और यह सुनिश्चित करने का समय आ गया है कि करदाताओं के पैसे से चीनी कंपनियों को लाभ न पहुंचे। राष्ट्रीय हित से ज्यादा अपने दोस्तों को प्राथमिकता देना प्रधानमंत्री का यह स्वभाव हो सकता है, लेकिन इसे राष्ट्रीय नीति नहीं बनने दिया जा सकता है।'

कैसे लगे बढ़ती आबादी पर लगाम?

२५ साल में हिंदुस्थान में हुए २० करोड़ बाल विवाह!

● संयुक्त राष्ट्र की सनसनीखेज रिपोर्ट
● दुनिया के एक तिहाई मामले भारत में

सामना संवाददाता / नई दिल्ली

कहने को तो हिंदुस्थान में बाल विवाह के मामले काफी कम हो गए हैं पर हकीकत में यह रुकने का नाम नहीं ले रहे। संयुक्त राष्ट्र की एक सनसनीखेज रिपोर्ट के अनुसार, पिछले २५ वर्षों में हिंदुस्थान में बाल विवाह के करीब २० करोड़ मामले सामने आए हैं। ये पूरी दुनिया के एक तिहाई मामले हैं।

यूएन की रिपोर्ट के अनुसार, हिंदुस्थान में २० करोड़ से ज्यादा महिलाए ऐसी हैं, जिनकी शादी बचपन में ही हो गई थीं। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार, पूरी दुनिया में करीब ६४ करोड़ लड़कियों और महिलाओं की शादी उनके १८ साल पूरे होने से पहले ही हो गई थी।

सतत विकास लक्ष्य रिपोर्ट २०२४ के मुताबिक, हर ५ में से एक लड़की की शादी उसके बालिग होने से पहले ही हो जाती है। २५ साल से पहले शादी करने की संख्या २५ फीसदी थी। समय से पहले शादी करने को लेकर कई तरह के सुधार किए गए और इस दौरान ६८ करोड़ बाल विवाहों को रोका गया। संयुक्त राष्ट्र ने दुख जताते हुए कहा है कि इन प्रगतियों के बावजूद दुनिया लैंगिक समानता में पीछे रह गई है। महिलाओं के खिलाफ हिंसा जैसे कई मामले सामने आए हैं। कई महिलाओं को यौन उत्पीड़न और प्रजनन स्वास्थ्य के मामले में अभाव जैसे मुद्दे आज भी झेलने पड़ते हैं। मौजूदा हालातों को देखते हुए पुरुषों और महिलाओं में समानता लाने में १७६ साल लग जाएंगे। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि पूरे विश्व में स्थितियों के सुधार के लिए संयुक्त राष्ट्र द्वारा निर्धारित १६९ टारगेट में से केवल १७ फीसदी ही २०३० तक पूरे हो पाएंगे। २०१५ में पूरे विश्व के नेताओं द्वारा जो लक्ष्य तय किए गए थे, उनका उद्देश्य था गरीबी को समाप्त करना, लैंगिक समानता प्राप्त करना और ऐसे कई मुद्दों को हल करना, लेकिन इन लक्ष्यों की ओर आगे बढ़ने की जो हमारी रफ्तार है वह लगभग न के बराबर है।

संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के मुताबिक, इस रिपोर्ट को देखकर कुछ उम्मीदें लगाई जा रही हैं कि २०३० तक एजेंडा पूरा कर लिया जाएगा, लेकिन उसके लिए हमारे प्रयासों पर और जोर देने की जरूरत है।

दोपहर का सामना
www.hindisaamana.com
epaper.hindisaamana.com
सोमवार १ जुलाई २०२४ 3

छत्रपति संभाजीनगर में 7 जुलाई को शिवसंकल्प सम्मेलन

शिवसेनापक्षप्रमुख उद्धव ठाकरे करेंगे मार्गदर्शन

सामना संवाददाता / मुंबई

किसानों को न्याय देंगे और गद्दारों को गाड़ेंगे, इस घोष वाक्य के तहत शिवसेनापक्षप्रमुख उद्धव ठाकरे के प्रमुख मार्गदर्शन में रविवार, ७ जुलाई की सुबह ११.०० बजे छत्रपति संभाजीनगर के बीड बायपास रोड पर सूर्य लांस में शिवसंकल्प सम्मेलन होगा। इस तरह की जानकारी शिवसेना नेता व विरोधी पक्ष नेता अंबादास दानवे ने कल पत्रकार परिषद में दी।

इस सम्मेलन में छत्रपति संभाजीनगर जिले के शिवसेना कार्यकर्ताओं का तकनीकी, सामाजिक और राजनीतिक तौर पर मार्गदर्शन किया जाएगा। पदाधिकारियों को चुनाव के दौरान प्रचार, प्रसार और कार्यक्रम किस तरीके से आयोजित किए जाने चाहिए, इसे लेकर प्रशिक्षण शिविर भी आयोजित किया गया है। दानवे ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर कार्यकर्ताओं में उत्साह का निर्माण करना ही इसका मुख्य उद्देश्य है।

शिवसेनापक्षप्रमुख उद्धव ठाकरे ने लोकसभा चुनाव की तैयारी के लिए जनवरी महीने से ही प्रचार करने की शुरुआत कर दी थी। प्रचार के दौरान उन्होंने कुल १०५ सभाएं की थी, उसका परिणाम हम सभी के सामने है। अंबादास दानवे ने घोषणा करते हुए कहा कि ठीक उसी तर्ज पर विधानसभा चुनाव को लेकर पूर्व तैयारी की शुरुआत छत्रपति संभाजी नगर से की जाएगी।

शामिल होंगे ५,००० शिवसैनिक

अंबादास दानवे ने कहा कि इस सम्मेलन में जिले के ५,००० शिवसैनिक शामिल होंगे। उन्होंने यह भी कहा कि पिछले दो-ढाई सालों में घटित हुई घटनाओं को भूलकर एक बार फिर से नए जोश के साथ पदाधिकारी अपने काम में जुट जाएं, इसके लिए ही यह संकल्पना चलाई जा रही है। दानवे ने कहा कि पिछले विधानसभा चुनाव में छत्रपति संभाजी नगर जिले से शिवसेना ने छह विधानसभा सीटें जीती थी, लेकिन दो साल पहले इनमें से पांच लोगों ने न केवल गद्दारी की, बल्कि शिवसेनापक्षप्रमुख उद्धव ठाकरे के साथ विश्वासघात भी किया। अंबादास दानवे ने कहा कि जिले में फिर से छह की छह सीटों पर कब्जा करने के लिए संकल्प लिया जाएगा।

पूर्व तैयारी को लेकर बैठक

इस सम्मेलन का नियोजन करने के लिए अंबादास दानवे ने कल शिवसेना पदाधिकारी, महिला आघाड़ी और युवासेना पदाधिकारियों की बैठक क्रांति चौक स्थित मातृभूमि प्रतिष्ठान कार्यालय में ली। इस दौरान अंबादास दानवे ने सभी पदाधिकारियों को नई मतदाता सूची, पुराने मतदाताओं के नाम को दुरुस्त करना और मतदाता पहचान पत्र बनवाने के लिए वार्ड स्तर पर शिविर आयोजित करने का सुझाव दिया।

विधानसभा में मविआ 180 सीटें जीतेगी

संजय राऊत का दावा

सामना संवाददाता / मुंबई

घातियों का भविष्य मात्र दो से तीन महीने

महाविकास आघाड़ी का चेहरा कौन? इस पर हमारे बीच कोई मतभेद नहीं है। लोकसभा में जब तीनों ने मिलकर चुनाव लड़ा तो नतीजा सबने देखा है इसलिए विधानसभा चुनाव में भी हम महाराष्ट्र में एक साथ चुनाव लड़ने जा रहे हैं। महाविकास आघाड़ी आगामी विधानसभा चुनाव में कम से कम १७५ से १८० सीटें जीतेगी, ऐसा विश्वास शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) नेता व सांसद संजय राऊत ने जताया है।

उन्होंने पुणे में पत्रकारों से बातचीत के दौरान एनसीपी अध्यक्ष शरदचंद्र पवार के बयान का समर्थन करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के रूप में हमारा चेहरा ही हमारी महाविकास आघाड़ी है। पवार सही कह रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगर लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी को प्रधानमंत्री का चेहरा चुना जाता तो इंडिया गठबंधन की देश में कम से कम २५ से ३० सीटें बढ़ जाती। हमें इसमें कोई संदेह नहीं है कि विधानसभा चुनाव में महाविकास आघाड़ी को पूर्ण बहुमत मिलेगा। कोई भी सरकार या संस्था चेहराविहीन नहीं होनी चाहिए। लोगों को पता होना चाहिए कि वे किसे वोट दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि आगामी दिनों में हम इस मुद्दे पर बैठकर चर्चा करेंगे और फैसला लेंगे।

फडणवीस को गंभीरता से लेने की जरूरत नहीं

देवेंद्र फडणवीस को गंभीरता से लेने की जरूरत नहीं है। राज्य की जनता ने उनकी पार्टी और उनके नेतृत्व को खारिज कर दिया है। फडणवीस स्वयं को नाना फडणवीस का बड़ा भाई मानते थे, लेकिन ऐसा कुछ नहीं है। नाना फडणवीस चालाक लोगों में से एक थे, लेकिन फडणवीस का इसमें कोई स्थान नहीं है।

-संजय राऊत, शिवसेना नेता व सांसद

जनता फिर नकारेगी

शिवसेना को धोखा देने के बाद सत्ता में आई 'घाती' सरकार के दो साल पूरे हो रहे हैं। यह धोखाधड़ी के दो साल हैं और 'घाती' सरकार का भविष्य अब बस दो-तीन महीने है। लोकसभा चुनाव में जनता ने इस सरकार को लात-मारी और नकार दिया। सांसद संजय राऊत ने दृढ़ विश्वास व्यक्त किया कि विधानसभा चुनाव में भी घातियों की भारी हार ही एकमात्र पर्याय है। तटस्थ माने- जानेवाले विधानसभा अध्यक्ष ने पक्षपातपूर्ण निर्णय देकर इस सरकार को बचा लिया। पहले ही हम जो कह रहे थे कि इस देश का संविधान खतरे में है, महाराष्ट्र सरकार, नरेंद्र मोदी, अमित शाह, देवेंद्र फडणवीस, राहुल नार्वेकर द्वारा संविधान की हत्या का ज्वलंत उदाहरण है।

हमारा एक ही फोकस 'मछली की आंख'

- शरद पवार ने बताया विधानसभा चुनाव का प्लान
- छोटे दल भी बनेंगे सीट शेयरिंग का हिस्सा

सामना संवाददाता / मुंबई

लोकसभा चुनाव के बाद अब विधानसभा चुनाव सिर पर हैं। किसी भी वक्त विधानसभा चुनाव की घोषणा हो सकती है। लोकसभा की तरह विधानसभा चुनाव भी महाविकास आघाड़ी मिलकर लड़ेगी। इस संबंध में राकांपा अध्यक्ष शरद पवार ने एक सांकेतिक बयान दिया है। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव में तीन महीने का समय है। हम वास्तव में इस बीच कड़ी मेहनत कर मविआ को फायदा दिलाने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज महाराष्ट्र में बदलाव की जरूरत है और लोगों की उस जरूरत को पूरा करना हमारा कर्तव्य है। शरद पवार ने यह भी कहा कि हम उस संबंध में पूरी मेहनत करेंगे।

विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बारे में पूछे जाने पर शरद पवार ने कहा कि अभी हमारा एक ही फोकस है। जैसे अर्जुन का ध्यान मछली की आंख पर था, वैसे ही हम महाविकास आघाड़ी के सभी दलों का ध्यान विधानसभा चुनाव पर है। इस चुनाव का सामना तीनों पार्टियां एनसीपी, कांग्रेस और शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) मिलकर करेंगी। लोकसभा चुनाव में महाराष्ट्र की जनता ने महाविकास आघाड़ी को अच्छा सहयोग किया। इस चुनाव में सीटों का बंटवारा तीन पार्टियों के बीच हुआ था, लेकिन महाविकास आघाड़ी में लेफ्ट, राइट कम्युनिस्ट, फार्मर्स लेबर पार्टी और अन्य छोटी पार्टियां भी पूरा सहयोग कर रही थीं।

> साथ मिलकर चुनाव लड़ने की कोशिश है। सीट शेयरिंग को लेकर हमारी तीनों पार्टियों के साथ अभी तक कोई बातचीत नहीं हुई है। हम जल्द ही चर्चा करेंगे और सीटें साझा करेंगे। उसके बाद हर पार्टी प्राप्त सीटों पर अपना उम्मीदवार तय करेगी और काम में लग जाएगी।
>
> **-शरद पवार, अध्यक्ष- राकांपा**

खोके और फीसदी का रहा राज्य सरकार का दो साल

गर्त में ले गए महाराष्ट्र

अंबादास दानवे का तंज

सामना संवाददाता / मुंबई

दो साल तक जो महाविकास आघाड़ी के मंत्रिमंडल में रहे, उन्होंने ही शिवसेना को तोड़ने और गद्दारी का काम किया। वर्तमान सरकार के दो साल खोके, फीसदी और महाराष्ट्र को गर्त में ले जाने का काम किया है। इस तरह का तंज विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष अंबादास दानवे ने कसा है।

मीडिया से बात करते हुए नेता प्रतिपक्ष अंबादास दानवे ने कहा कि लाडली बहना योजना की घोषणा की गई, लेकिन नियमों और शर्तों के कारण कुछ चुनिंदा महिलाओं को ही योजना का लाभ मिलेगा। किसानों के लिए घोषणाएं की गईं, लेकिन १५ हजार करोड़ रुपए किसानों को देना बाकी है। राज्य में २५ हजार करोड़ रुपए के घाटे का बजट होते हुए भी घोषणाओं का क्रियान्वयन कैसे होगा, यह सवाल है। महाराष्ट्र में अन्य राज्यों की तुलना में बिजली दरें अधिक हैं। ग्रामीण इलाकों में २ से ४ घंटे तक बिजली नहीं मिलती है। दानवे ने कहा कि राज्य में बिजली की कमी है। बिजली नहीं मिल रही है।

'राज्य में हो रही जुमलों की बारिश'

सामना संवाददाता / मुंबई

विधानसभा चुनाव नजदीक आने के साथ ही राज्य सरकार को प्रिय बहन-भाई सब याद आने लगे हैं। फिलहाल राज्य में जुमलों की बारिश हो रही है। इस तरह का तंज सांसद सुप्रिया सुले ने राज्य सरकार की कड़ी आलोचना करते हुए कसा है। उन्होंने कहा कि पिछले करीब छह महीने से राज्य के गृह विभाग का प्रशासन खराब हो गया है। राज्य में कानून व्यवस्था की समस्या गंभीर हो गई है। पुणे में पोर्शे कार दुर्घटना मामले में काफी गड़बड़ी देखी गई है। सुप्रिया सुले ने राज्य सरकार के प्रशासन की आलोचना करते हुए कहा कि बीड में तनावपूर्ण स्थिति गृह विभाग की विफलता है।

उल्लेखनीय है कि सुप्रिया सुले ने कल अपने पति के साथ तुकाराम महाराज के दर्शन किए, इसके बाद वे मीडिया से बात कर रही थीं।

अजीत पवार के किले की दीवार लगी ढहने!

- 16 नगरसेवकों ने शरद पवार से की मुलाकात
- 06 विधायकों ने भी घर वापसी की दर्शाई थी तैयारी

सामना संवाददाता / मुंबई

लोकसभा चुनाव में बारामती सीट से सुनेत्रा पवार की हार को अजीत पवार गुट के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। हालांकि, रायगढ़ में सुनील तटकरे की जीत से अजीत पवार खेमा भारी संकट से बच गया है। विधानसभा चुनाव में क्या हो सकता है, इसे लेकर राजनीतिक हलके में कई तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। फिलहाल, अजीत पवार गुट में असहज माहौल है। रोहित पवार लगातार दावा कर रहे हैं कि अजीत पवार गुट के विधायक हमारे संपर्क में हैं। इसका प्रमाण भी धीरे-धीरे सामने आने लगा है। अजीत पवार के करीबी नेताओं ने अब शरद पवार खेमे में जाने की तैयारी दर्शाई है। अजीत पवार के गढ़ पिंपरी-चिंचवड़ के १६ नगरसेवकों ने लोकसभा चुनाव से पहले शरद पवार से मुलाकात कर घर वापसी की इच्छा व्यक्त की है। इससे पहले अजीत पवार गुट के ६ विधायकों ने एनसीपी (शरदचंद्र पवार) अध्यक्ष जयंत पाटील से मुलाकात कर घर वापसी की तैयारी दर्शाई थी। अब इन नगरसेवकों के साथ छोड़ने से अजीत पवार के किले की दीवार ढहने लगी है। ऐसे में अजीत पवार को बड़ा झटका लग सकता है। अजीत पवार को अब अपनी पार्टी संभालना एक चुनौती बनता जा रहा है।

बता दें कि अजीत पवार ने अपने राजनीतिक करियर की अपना गढ़ माने-जानेवाले पिंपरी-चिंचवड़ से ही शुरुआत की थी, लेकिन अब उन्हें वहां से चुनौती मिल रही है। पिंपरी-चिंचवड़ के एनसीपी शहर अध्यक्ष अजीत गव्हाणे समेत १६ नगरसेवकों ने शनिवार देर रात पुणे के मोदी बाग में शरद पवार से मुलाकात की। समझा जाता है कि अजीत पवार गुट से भोसरी के पूर्व विधायक विलास लांडे भी शरद पवार से मिलनेवाले हैं। इससे अजीत गुट में काफी हलचल देखी जा रही है। शरद पवार से मुलाकात करनेवाले ८ नगरसेवकों के नाम भी सामने आए हैं।

पहले दादा से की मुलाकात, फिर पहुंचे साहब के पास

शरद पवार से मुलाकात से पहले पिंपरी-चिंचवड़ के पूर्व नगरसेवक और पदाधिकारियों ने अजीत पवार से मुलाकात की थी। महायुति में एक फॉर्मूला तय हो गया है कि जिस विधानसभा में जिसका विधायक है, उसी के खाते में वह सीट जाएगी। इससे साफ है कि भोसरी विधानसभा सीट भाजपा के खाते में जानेवाली है, जबकि इस सीट पर अजीत पवार गुट से शहर अध्यक्ष अजीत गव्हाणे खुद चुनाव लड़ने के इच्छुक हैं। अगर अजीत गव्हाणे चुनाव लड़ने में असमर्थता जताते हैं तो पूर्व विधायक विलास लांडे चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं।

दोपहर का सामना
९३२४१७६७६९
सोमवार १ जुलाई २०२४
8

शिंदे सरकार में विकास की हकीकत

पक्की सड़क के अभाव में नहीं पहुंची एंबुलेंस!

- गर्भवती महिला को स्ट्रेचर से पहुंचाया गया
- किसी तरह से बची महिला की जान

धीरेंद्र उपाध्याय / मुंबई

महाराष्ट्र में जब से शिंदे सरकार सत्ता में आई है, तभी से स्वास्थ्य विभाग के साथ तमाम व्यवस्थाएं राम भरोसे चल रही हैं। आए दिन कोई न कोई कारनामा संज्ञान में आ रहा है। इसी क्रम में एक ताजा -तरीन मामला मुख्यमंत्री के जिले ठाणे के एक गांव में सामने आया है। बताया जा रहा है कि ठाणे जिले के एक गांव में पक्की सड़क न होने के कारण एक गर्भवती महिला को परिजनों को ही स्ट्रेचर पर एंबुलेंस तक ले जाना पड़ा। इसके बाद एंबुलेंस महिला को लेकर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंची, तब कहीं जाकर महिला की जान बच सकी है।

घर तक नहीं जा पाई एंबुलेंस

यह घटना ठाणे जिले की मुरबाड तहसील के आदिवासी क्षेत्र कातकरी वाड़ी से सामने आया है। जहां अंबरनाथ की वांगणी डोणे निवासी चित्रा संदीप पवार १९ जून को मुरबाड के कातकरवाडी स्थित अपने मायके गई हुई थी। २४ जून की सुबह ५.३० बजे अचानक उसे लेबर पेन शुरू हो गया। इसी बीच ओजीवले की आशा सेविका नंदा लहू पवार को खबर की गई। उन्होंने तुरंत धसई प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा अधिकारी से सुबह ६.३० बजे फोन कर अस्पताल से एंबुलेंस की मांग की। साथ ही गर्भवती महिला को प्रसव के लिए अस्पताल ले जाने की तैयारी शुरू कर दी।

कई गांवों में नहीं है पक्की सड़क

मुरबाड तालुका में धसई प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के तहत आनेवाले ओजीवले गांव से एक किलोमीटर दूर कातकरीवाड़ी है। इस गांव में कुल सात घर हैं, जबकि इसकी कुल जनसंख्या ४२ है। गांव के लोगों का आरोप है कि यह स्थिति अकेले केवल हमारे ही गांव की नहीं है, बल्कि राज्य में ऐसे कई गांव हैं, जो पक्की सड़कों की बाट जोह रहे हैं।

डिलीवरी के बाद भी महिला को गांव के बाहर छोड़ा

इस बीच एंबुलेंस ओजीवले गांव की कातकरी वाड़ी की पक्की सड़क तक तो पहुंच गई, लेकिन आगे कोई सड़क न होने के कारण एंबुलेंस को वहीं रुकना पड़ा। गर्भवती महिला को एंबुलेंस तक पहुंचाने के लिए परिजनों को एंबुलेंस में रखा स्ट्रेचर दिया गया। परिजनों ने किसी तरह से महिला को एंबुलेंस तक पहुंचाया। इसके बाद एंबुलेंस की मदद से प्रसव के लिए स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां सुबह ७.५६ बजे उसकी डिलीवरी हुई, साथ ही २६ जून की शाम मां और बच्चे को एंबुलेंस से वापस कातकरी वाड़ी छोड़ दिया गया।

मीरा-भायंदर न्यायालय शुरू करो नहीं तो होगा आंदोलन

सामना संवाददाता / मीरा रोड

मीरा-भायंदर शहर का स्वतंत्र न्यायालय बनकर तैयार है। अब जब भवन बनकर तैयार हो गया है तो राज्य सरकार इसकी कोई सुध नहीं ले रही है। जिसके बाद न्यायालय जल्द से जल्द शुरू हो अन्यथा १५ अगस्त के बाद हम भूख हड़ताल करेंगे, ऐसी चेतावनी 'भायंदर एडवोकेट एसोसिएशन' ने दी। ज्ञात हो कि मीरा-भायंदर के लिए एक स्वतंत्र न्यायालय की मांग काफी दिनों से चल रही थी। शहर की आबादी को देखते हुए कनकिया परिसर के साल २०१३ में न्यायालय भवन का निर्माण शुरू किया गया। हालांकि, कई अड़चनों के बाद लगभग ८ वर्ष में तीन मंजिला भवन बनकर तैयार हुआ, लेकिन पिछले दो वर्षों से न्यायालय उद्घाटन का इंतजार कर रहा है। एसोसिएशन का कहना है कि मीरा-भायंदर से प्रति वर्ष लगभग तीन से साढ़े तीन हजार अपराध के मामले एवं लगभग दो हजार सिविल के मामले ठाणे कोर्ट में ट्रांसफर किए जाते हैं। अगर यहां का न्यायालय शुरू हो जाता है तो आम लोगों, पुलिस व अधिवक्ता तीनों का समय का बचेगा।

गुटखा खरीदने के लिए नहीं दिए पैसे

नाबालिग की हत्या!

सामना संवाददाता / मुंबई

राज्य में गुटखाबंदी के बावजूद बड़ी संख्या में जगह-जगह धड़ल्ले से गुटखा बिक रहा है। इस बीच मुलुंड इलाके में एक चौंकानेवाली घटना घटी है, जहां गुटखा खरीदने के लिए पैसे न देने पर एक १७ साल के लड़के की हत्या कर दी गई। पुलिस ने इस मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। मृत युवक का नाम हुसैन ताज हुसैन खान था। हुसैन अपने एक १६ वर्षीय दोस्त के साथ इलाके में था। तभी तीन लोग उसके पास आए और गुटखे के लिए पैसे की मांग करने लगे। जब हुसैन ने पैसे देने से इनकार कर दिया तो तीन लोग झगड़े पर उतारू हो गए। झगड़े के दौरान ही एक युवक ने गुस्से में चाकू निकालकर हुसैन के सीने, हाथ और पैर पर वार कर दिया। इसके बाद तीनों वहां से भाग निकले। इस हमले में बुरी तरह से घायल हुसैन को इलाज के लिए अग्रवाल अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

अरविंद सावंत बने लोकसभा में पार्टी के गट नेता

अनिल देसाई को उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया

सामना संवाददाता / मुंबई

मुंबई-दक्षिण लोकसभा सीट से जीत की हैट्रिक लगाने वाले शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) पक्ष के सांसद अरविंद सावंत को लोकसभा में पार्टी का गट नेता नियुक्त किया गया है। सावंत लगातार तीसरी बार इसी चुनाव क्षेत्र से चुनाव जीतकर संसद पहुंचे हैं। सावंत ने एकनाथ शिंदे गुट की यामिनी जाधव को भारी मतों से शिकस्त दी थी। इसके बाद पार्टी ने उन्हें बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है, वहीं दक्षिण-मध्य मुंबई के नवनिर्वाचित सांसद अनिल देसाई को उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। देसाई इस चुनाव क्षेत्र से दो बार के सांसद रहे राहुल शेवाले को भारी मतों से हराकर संसद पहुंचे हैं। पार्टी ने वरिष्ठ शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) नेता व राज्यसभा सांसद संजय राऊत को राज्यसभा में पार्टी का गट नेता और दोनों सदनों के संसदीय दल के नेता के रूप में नियुक्त किया है। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) पक्षप्रमुख उद्धव ठाकरे ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर इन नियुक्तियों की जानकारी दी है। उद्धव ठाकरे ने पत्र की शुरुआत में लेकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला को पुनः लोकसभा अध्यक्ष चुने जाने पर बधाई दी। बता दें कि हाल ही में संपन्न हुए लोकसभा चुनाव में शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) पक्ष के ९ सांसद चुनकर संसद पहुंचे हैं और राज्यसभा में भी २ सदस्य हैं।

अवैध पब, हुक्का पार्लर और बारों पर

तीसरे दिन भी हुई तोड़क कार्रवाई

सामना संवाददाता / ठाणे

मादक पदार्थ बेचने वाले अवैध पबों, हुक्का पार्लरों, बार एवं अवैध निर्माण वाले होटलों पर ठाणे मनपा ने लगातार तीसरे दिन भी तोड़क कार्रवाई की। मनपा आयुक्त सौरभ राव के मार्गदर्शन में शनिवार को हुई इस तोड़क कार्रवाई में स्कूल-कॉलेजों के १०० मीटर के दायरे में मौजूद कुल १९ पान टपरियों को सील कर दिया गया, साथ ही अवैध होटलों, पबों, बारों हुक्का पार्लरों जैसी ११ जगहों पर बुलडोजर की मदद से करीब ९२ हजार वर्गफीट क्षेत्र के अवैध निर्माण को ढहाया गया। मनपा के अतिक्रमण विभाग ने घोड़बंदर रोड, नांगला बंदर इलाके में अनधिकृत हुक्का पार्लरों और रेस्ट्रो बारों पर छापेमारी की। २१ फ्लम्स, पिंक बाबा (सनशाइन) हुक्का पार्लर, फायर प्ले बार के खिलाफ कार्रवाई की गई। इसके अलावा वर्तक नगर में स्थित बार पर भी तोड़क कार्रवाई की।

अब ब्लड की नहीं होगी बर्बादी!

ब्लड बैंकों का समन्वय हुआ बेहतर

सामना संवाददाता / मुंबई

मुंबई में पिछले चार वर्षों में ब्लड बैंकों में रक्त की बर्बादी में ५० फीसदी की कमी आई है। आंकड़ों के अनुसार, बीते दस सालों में ४९,९७१ यूनिट खून की बर्बादी हुई है। हालांकि, बीते छह महीनों में केवल १,७९८ यूनिट ही खून बर्बाद हुआ है। इस तरह की जानकारी राज्य रक्त आधान परिषद द्वारा सूचना के अधिकार के तहत मांगी गई जानकारी में दी गई है। इसमें यह भी खुलासा हुआ है कि पिछले कई सालों से ब्लड बैंकों से राज्य रक्त आधान परिषद का समन्वय बेहतर हुआ है। इस कारण हर साल खून की बर्बादी कम हो रही है। फिलहाल, एक अधिकारी ने कहा है कि परिषद को सभी रक्त बैंकों पर नजर रखने और यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि हर साल रक्त की बर्बादी कम हो। एसबीटीसी का ओर से खून की हो रही बर्बादी को रोकने के लिए ब्लड बैंकों को सख्त दिशा-निर्देश जारी किए गए थे, जिस कारण इसके आंकड़ों में कमी आती जा रही है। इसके साथ ही ब्लड बैंकों के बीच समन्वय बेहतर हो रहा है और जिसके पास ज्यादा खून होता है, वे दूसरे ब्लड बैंकों को संपर्क करके पूछता है कि क्या उन्हें खून चाहिए। इसके अलावा रक्तदान शिविर भी आयोजित किए जा रहे हैं।

पालघर में नहीं थम रहा बाल विवाह

प्रशासन की विफलता से फिर बालिका बनी वधू!

- आदिवासी नाबालिग गर्भवती की मौत
- पुलिस ने दस लोगों पर किया केस दर्ज

योगेंद्र सिंह ठाकुर / पालघर

पालघर जिले के ग्रामीण इलाकों में रहनेवाले आदिवासियों में आज भी बाल विवाह एक बड़ी समस्या है। यहां कुछ दिन पहले ही एक बालिका को वधू बनाया गया था, जिसके गर्भवती होने पर मौत का सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां के मोखाड़ा इलाके में स्थित अस्पताल में एक गर्भवती आदिवासी किशोरी की मौत हो गई। यह किशोरी कातकरी समुदाय से थी। मौत के बाद पता चला कि यह लड़की सिर्फ १६ साल की थी। उसे गर्भवस्था से संबंधित परेशानियां आने के कारण मोखाड़ा के ग्रामीण अस्पताल में भर्ती किया गया था। पुलिस ने मृतका के पति सहित १० लोगों पर पॉक्सो अधिनियम सहित बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है।

लड़की को हुईं गर्भावस्था से जुड़ी परेशानियां

मिली जानकारी के मुताबिक, २१ वर्षीय जयेश रामदास नामक आरोपी दो साल से इस लड़की से संबंध बना रहा था। इस दौरान वह गर्भवती हो गई। जब लड़की के घर वालों को इस बात का पता चला तो उन्होंने इन दोनों की शादी करा दी। बताया जाता है कि यह लड़की कम उम्र में गर्भवती हुई थी इसलिए गर्भावस्था में उसे कई परेशानियां आ रही थीं। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने २२ जून को पति सहित उन सभी लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज की है, जो नाबालिग लड़की की शादी में उपस्थित थे।

ग्रामीण इलाकों में नहीं थम रहे मामले

बता दें कि पालघर जिले के कुछ आदिवासी समुदायों में बाल विवाह आम है, किशोर युवावस्था में पहुंचने पर एक साथ रहना शुरू कर देते हैं, जिससे बाल विवाह की समस्या अभी बनी हुई है। पालघर में बालिकाओं को वधू बनने से रोकने में सरकार और प्रशासन दोनों ही विफल हैं। इसके अलावा यह भी सवाल उठता है कि आदिवासी समुदाय आमतौर पर कस्टमरी लॉ से चलते हैं। इस मामले में लड़की के परिवार ने कोई शिकायत भी दर्ज नहीं कराई है, तो क्या अदालत में यह मामला टिक पाएगा?

दोपहर का सामना
www.hindisaamana.com
epaper.hindisaamana.com
सोमवार १ जुलाई २०२४ ५

हाई प्रोफाइल मामलों की सुनवाई अंतिम चरण में

मुंबई सत्र न्यायालय के जज रोकड़े का तबादला

शिखर बैंक, महाराष्ट्र सदन, भोसरी भूखंड घोटाला मुख्य केस

सामना संवाददाता / मुंबई

मुंबई सत्र न्यायालय के न्यायाधीश राहुल रोकड़े का तबादला कर दिया गया है, जबकि कई हाई प्रोफाइल मामलों की सुनवाई अंतिम चरण में है। ऐसे में अब इस तबादले को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। ऐसे कई हाई-प्रोफाइल मामले रोकड़े की अदालत के समक्ष शुरू थे। न्यायाधीश रोकड़े कई सत्तारूढ़ विधायकों और मंत्रियों के खिलाफ मामलों में न्यायाधीश थे। न्यायाधीश रोकड़े के समक्ष शिखर बैंक घोटाला, महाराष्ट्र सदन, भोसरी भूखंड घोटाला के मामले अपने अंतिम चरण में थे। इस बीच, रोकड़े को दिंडोशी के सत्र न्यायालय में स्थानांतरित कर दिया गया है। न्यायाधीश राहुल रोकड़े ने हाल ही में एक मामले में विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर पर ३,००० रुपए का जुर्माना लगाया था। साथ ही राज्य सेंट्रल लाइब्रेरी घोटाला मामले में मंत्री छगन भुजबल के खिलाफ वॉरंट जारी किया गया था। दिलचस्प बात यह है कि मुंबई पुलिस ने शिखर बैंक घोटाला मामले में अजीत पवार को क्लीन चिट दे दी है, लेकिन ईडी ने इसके खिलाफ कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। इस मामले में १२ जुलाई को सुनवाई होनी थी, लेकिन उससे पहले ही जज राहुल रोकड़े का ट्रांसफर हो गया है।

इस बीच राहुल नार्वेकर पर जुर्माना लगाने का मामला कुछ अलग था। महाविकास आघाड़ी सरकार के दौरान बिजली दरों में बढ़ोतरी के खिलाफ बीजेपी की ओर से विरोध प्रदर्शन किया गया था। इस विरोध प्रदर्शन के दौरान बेस्ट के महाप्रबंधक की पिटाई कर दी गई। इस पिटाई मामले में बीजेपी के २० पदाधिकारियों के खिलाफ मुंबई सेशन कोर्ट में केस चल रहा था। इस मामले में २० पदाधिकारियों में राहुल नार्वेकर का भी नाम था, लेकिन इस मामले की सुनवाई में राहुल नार्वेकर के लगातार अनुपस्थित रहने के कारण जज ने उन पर ३ हजार रुपए का जुर्माना लगाया।

03 हजार रुपए राहुल नार्वेकर पर लगाया था जुर्माना

12 जुलाई को शिखर बैंक घोटाले की होनी थी सुनवाई

हाई प्रोफाइल मामले

- न्यायाधीश राहुल रोकड़े के सामने सबसे महत्वपूर्ण मामला शिखर बैंक घोटाला मामला था। इस मामले में उपमुख्यमंत्री अजीत पवार का भी नाम है। इस केस की सुनवाई अब अपने अंतिम चरण में पहुंच चुकी थी। दिलचस्प बात यह है कि राहुल रोकड़े इस मामले की सुनवाई १२ जुलाई को करनेवाले थे। राहुल रोकड़े से पहले मंत्री छगन भुजबल पर भी मामला चल रहा था।
- भुजबल के खिलाफ महाराष्ट्र सदन घोटाला और कालीना सेंट्रल लाइब्रेरी घोटाला भी शामिल था। दिलचस्प बात यह है कि विधायक एकनाथ खडसे पर लगे आरोपों और भोसरी भूखंड घोटाले के जिस मामले में वह आरोपी थे, उस मामले की शुरुआत भी राहुल रोकड़े की ही बेंच के सामने हुई थी।
- पूर्व सांसद नवनीत राणा और विधायक रवि राणा के खिलाफ हनुमान चालीसा का मामला भी अभी लंबित था। यह मामला भी अब सुनवाई के अंतिम चरण में था।

जेजे अस्पताल में इमारत निर्माण पर

विपक्ष ने सवालों की लगाई झड़ी

जवाब देने में सरकार के छूटे पसीने ● कहा- समिति कर रही है जांच ● रिपोर्ट के बाद होगी कार्रवाई

सामना संवाददाता / मुंबई

राज्य सरकार द्वारा संचालित जेजे अस्पताल के रखरखाव और मरम्मत कार्य में भ्रष्टाचार का आरोप लगाकर विपक्ष ने सरकार को जोरदार तरीके से घेरते हुए सवालों की बौछार कर दी। जवाब देने में शिंदे सरकार के संबंधित मंत्री के पसीने छूट गए।

सार्वजनिक लोक निर्माण मंत्री रवींद्र चव्हाण ने विधान परिषद में कहा कि अस्पताल के परिसर में इमारतों के रखरखाव और मरम्मत के २०२३ से पहले के कार्यों में से ९० कार्यों का भुगतान किया जा चुका है। साथ ही शेष पूर्ण कार्यों के लिए निधि की उपलब्धता के अनुसार, भुगतान किया जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने लिखित जवाब में कहा कि भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच समिति कर रही है और रिपोर्ट मिलने के बाद कार्रवाई की जाएगी। उल्लेखनीय है कि शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) पक्ष के विधायक सुनील शिंदे ने विधान परिषद में न केवल लिखित, बल्कि मौखिक सवाल भी पूछा था कि जेजे समूह अस्पताल की इमारतों की देखभाल और रखरखाव के कागजातों को दिखाते हुए ३४ करोड़ रुपए की अदायगी प्रस्तुत की गई। इस काम को आवंटित करते समय कार्य का आवंटन मानकों के अनुसार ३३ फीसदी काम शिक्षित बेरोजगार इंजीनियरों को ३३ फीसदी काम मंजूर संस्थाओं और शेष काम को खुली निविदा द्वारा नहीं किया गया। इस प्रकार शासनादेश का एक तरह से उल्लंघन हुआ है। कोरोना के कारण साल २०२१ और २०२२ में निधि उपलब्ध नहीं हो सकी।

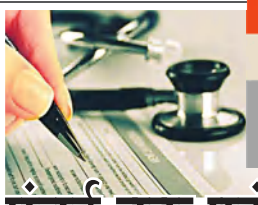

मुंबई तक पहुंची नीट की आंच

रातों-रात फरार हुआ क्लासेस का मालिक

कर्मचारियों का बढ़ा संदेह

सामना संवाददाता / मुंबई

पिछले कई दिनों से नीट परीक्षा को लेकर हंगामा मचा हुआ है। पूर्वी दिल्ली से होते हुए गुजरात, बिहार और महाराष्ट्र के लातूर तक पहुंची नीट की आग की आंच देश की आर्थिक राजधानी मुंबई तक पहुंच गई है। सूत्रों के मुताबिक, मुंबई के साकीनाका स्थित नीट परीक्षा की तैयारी करानेवाली एक कोचिंग सेंटर चालक के अचानक रातों-रात फरार होने से संदेह और बढ़ गया है। कंपनी में ताला लगाकर मालिक के फरार होने से कर्मचारियों में संदेह बढ़ने के साथ ही उनमें भारी नाराजगी व्याप्त है।

मुंबई के साकीनाका इलाके में कोचिंग चलाने वाले शख्स ने अचानक अपने स्टाफ को छुट्टी दे दी। इसके बाद दूसरे दिन जब स्टाफ ऑफिस पहुंचा तो सेंटर का मालिक फरार था। बता दें कि अद्वया विद्या प्रवेश मार्गदर्शक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में ६० से ज्यादा कर्मचारी काम करते हैं। ऑफिस के ४० से ज्यादा कंप्यूटर और लैपटॉप सहित अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण भी दफ्तर में नहीं हैं। स्टाफ का कहना है कि सेंटर के मालिक ने अपना नाम आदित्य देशमुख बताया था। अब स्टाफ को संदेह है कि आदित्य देशमुख असली नाम है या नहीं। यहां के कर्मचारियों को मासिक वेतन नहीं मिला है। इतना ही नहीं, बिना कोई कारण बताए कंपनी बंद करने पर कर्मचारी अपना गुस्सा जाहिर कर रहे हैं और जांच की मांग भी कर रहे हैं।

पुलिस कर रही जांच

बताया गया है कि उसने साकीनाका के एयरोसिटी में दो बड़े दफ्तर खोल रखे थे। मुंबई पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि इस केस का नीट धांधली मामले से कोई संबंध है या नहीं। पुलिस पता लगा रही है कि क्या कर्ज में डूबे काउंसलिंग सेंटर का मालिक पैसे की वजह से लापता है या महाराष्ट्र के लातूर नीट पेपर लीक केस की जांच सीबीआई को सौंपने के बाद से फरार शख्स का कोई संबंध है।

राज्य प्रशासन की कमान महिला के हाथ!

पहले पति फिर पत्नी ने संभाला मुख्य सचिव का पदभार

सामना संवाददाता / मुंबई

राज्य के मुख्य सचिव डॉ. नितीन करीर का कार्यकाल ३० जून को खत्म हो गया है। उनकी जगह सुजाता सौनिक को मुख्य सचिव का पदभार सौंपा गया है। सुजाता राज्य की वरिष्ठ आईएएस अधिकारी हैं। वर्ष १९८७ बैच की सुजाता पूर्व मुख्य सचिव मनोज सौनिक की पत्नी हैं। राज्य के इतिहास में पहली बार मुख्य सचिव के तौर पर किसी महिला अधिकारी को मौका दिया गया है। सुजाता सौनिक के साथ राजेश कुमार, इकबाल सिंह चहल का नाम भी चर्चा में रहा, लेकिन इन दोनों से वरिष्ठ सुजाता को मौका दिया गया है।

सुजाता सौनिक वर्तमान में गृह विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव हैं। वह १९८७ बैच की आईएएस अधिकारी हैं। वरिष्ठता के अनुसार, सौनिक सबसे आगे हैं इसलिए उन्हें मुख्य सचिव बनाया गया। वरिष्ठता के अनुसार, १९८७ बैच की अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह सुजाता सौनिक, अतिरिक्त मुख्य सचिव राजस्व राजेश कुमार (१९८८) और मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव इकबाल सिंह चहल (१९८९) मुख्य सचिव पद की रेस में थे।

कोस्टल रोड कनेक्ट का काम रखड़ा

- बांद्रा से मरीन ड्राइव का सफर बरसात बाद
- कंक्रीटीकरण और क्यूरिंग का काम थमा

सामना संवाददाता / मुंबई

मुंबई मनपा की महत्वाकांक्षी धर्मवीर स्वराज रक्षक छत्रपति संभाजी महाराज मुंबई कोस्टल रोड परियोजना का काम ९० प्रतिशत से अधिक पूरा हो चुका है और बचे हुए काम को भी तेज गति से पूरा किया जा रहा है। कोस्टल रोड की दोनों सुरंगों को यातायात के लिए खोलने के बाद मनपा अब बांद्रा-वर्ली सी-लिंक और कोस्टल रोड को शुरू करने की योजना बना रही है। इसके लिए दोनों तरफ बो स्ट्रिंग आर्च गर्डर का कनेक्शन पूरा हो चुका है, लेकिन बारिश के कारण इस रूट के शुरू होने में देरी होगी और १० जुलाई का शेड्यूल मिस हो जाएगा। माना जा रहा है कि कोस्टल परियोजना का पूरी तरह से आनंद उठाने के लिए मुंबईकरों को थोड़ा और इंतजार करना होगा।

बांद्रा-वर्ली सी-लिंक को कोस्टल रोड से जोड़ना इस परियोजना में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर माना जा रहा है। कोस्टल रोड द्वारा यात्री मरीन ड्राइव से वर्ली तक कुछ ही मिनटों में पूरा करने के बाद अब मरीन ड्राइव से बांद्रा तक की सीधी यात्रा कुछ ही मिनटों में करने की उम्मीद कर रहे हैं। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने इस सड़क के काम का निरीक्षण करते समय सुझाव दिया था कि दोनों चैनलों में से एक को जुलाई के अंत तक शुरू किया जाना चाहिए, लेकिन बारिश के कारण इस सड़क पर कंक्रीटिंग और क्यूरिंग के काम में बाधाएं आ रही हैं। यदि बारिश का पानी सड़क कार्यों के दौरान मटेरियल में चला जाता है तो कंक्रीट की गुणवत्ता खराब होने की संभावना रहती है इसलिए इसे पूरी तरह सूखने के लिए लगातार कम से कम २४ घंटे से अधिक की आवश्यकता होती है। फिलहाल, कुछ वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि बरसात के दिनों में यह काम पूरा करना संभव नहीं है।

12 मिनट में पूरा होगा डेढ़ घंटे का सफर

कोस्टल सड़क परियोजना को विभिन्न चरणों में पूरा किया जा रहा है। कुल १०.५८ किमी में से ४.५ किमी की कोस्टल सड़क शुरू हो गई है। बांद्रा-वर्ली सी-लिंक को जोड़नेवाले दोनों विशाल गर्डर स्थापित कर दिए गए हैं। अब जल्दी कंक्रीट और क्यूरिंग का काम होने के बाद इसे शुरू कर दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री की नाक के नीचे भ्रष्टाचार

अंधेरी आरटीओ में 125 करोड़ का घोटाला!

विधानसभा में विपक्ष के नेता विजय वडेट्टीवार का खुलासा

सामना संवाददाता / मुंबई

क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (आरटीओ) इन दिनों भ्रष्टाचार का अड्डा बन गया है। वैसे आरटीओ का घोटाला कोई नया नहीं है। लेकिन अब अंधेरी आरटीओ का सबसे बड़ा १२५ करोड़ का घोटाला सामने आया है। आश्चर्य की बात तो यह है कि यह विभाग राज्य के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के अधीन है। यह घोटाला मुख्यमंत्री के नाक के नीचे हो रहा है। यह आरोप लगते हुए विधानसभा में विपक्ष के नेता विजय वडेट्टीवार ने पूरे मामले की जांच कराने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

आरटीओ के लिए पैसा महत्वपूर्ण

दुपहिया वाहनों के ४१ हजार ३ ड्राइविंग लाइसेंस जारी किए गए, जबकि कारों पर ३५ हजार २६१ ड्राइविंग लाइसेंस जारी किए गए। उन्होंने कहा कि इस मामले की उच्चस्तरीय जांच होनी चाहिए। लोग मरें या जिएं आरटीओ को कोई फर्क नहीं पड़ता। बस हमें भुगतान करें। आरटीओ का साफ उद्देश्य है कि आपका जीवन हमारे लिए महत्वपूर्ण नहीं है। हमें सिर्फ पैसे की परवाह है, जो बहुत ही गलत है।

किए गए फर्जी ड्राइविंग परीक्षण

वडेट्टीवार ने कहा कि मुख्यमंत्री कार्यालय में व्याप्त भ्रष्टाचार दीपक तले अंधेरा जैसा है। विधानसभा में सूचना के मुद्दे के तहत वडेट्टीवार ने आरटीओ में भ्रष्टाचार का मुद्दा उपस्थित करते हुए सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। वडेट्टीवार ने कहा कि अंधेरी आरटीओ ने पिछले साल अनधिकृत वाहनों का उपयोग करके फर्जी ड्राइविंग परीक्षण किए और उसके आधार पर लगभग ७६ हजार ड्राइविंग लाइसेंस जारी किए। पुणे में हुई पोर्शे कार दुर्घटना जैसे मामले ऐसे फर्जी तरीके से लाइसेंस जारी होने के कारण ही हो रहे हैं।

दोपहर का सामना
९३२४१७६७६९
सोमवार १ जुलाई २०२४

नहीं सुधर रही उल्हासनगर की दशा!

आयुक्त के आदेशों की हो रही अनदेखी

सामना संवाददाता / उल्हासनगर

उल्हासनगर में असक्षम इंजीनियरों व लापरवाह ठेकेदारों के भरोसे किए जा रहे काम के चलते उल्हासनगर शहर की दशा नहीं सुधर रही है। उल्हासनगर में मूलभूत कार्यों पर मोटी रकम खर्च होने के बावजूद विकास की ऐसी की तैसी हो गई है। मानसून पूर्व सड़कों की खुदाई फिर उसकी मरम्मत का काम ठीक से न किए जाने के चलते सड़क पर गड्ढे हो गए हैं, जिसमें थोड़ी सी बारिश होने पर ही पानी जमा हो जाता है और हादसों की आशंका भी बढ़ जाती है। उल्हासनगर के जागरूक नागरिक राजन अंबावने ने बताया कि उल्हासनगर शहर अनियोजित व्यापारिक शहर है। यहां के ठेकेदार, नगरसेवक, समाजसेवक, अधिकारी सभी लोग मानो विकास कार्य को व्यापार समझ रहे हैं। एक बड़ी रकम कमीशन में बांटी जाती है। शहर में कई जगह ऐसी भी हैं, जहां गटर में ही पानी की पाइप बिछाई गई हैं। इन्हीं में से होकर पानी लोगों के घरों तक जाता है। कई बार लीकेज होने की वजह से इन पाइपों में गटर का पानी घुस जाता है, जो घरों तक पहुंचता है, और दूषित पानी के कारण लोग बीमार होते हैं। आयुक्त अजीज शेख ने मानसून से पहले सफाई, निर्माण, जलापूर्ति सहित सभी विभागों को इस बात की विशेष हिदायत दी थी कि शहर में कहीं भी कचरा न जमा होने पाए। साथ ही पानी निकासी की भी पूरी व्यवस्था की जाए, इसके बावजूद शहर में जगह-जगह पर जलजमाव हो रहा है। शहर के सपना गार्डन, शांति नगर श्मशान भूमि, गोल मैदान, बिरला गेट सहित अन्य जगहों पर होने वाले जलजमाव से यह साबित होता है कि संबंधित विभागों को आयुक्त के आदेशों की कोई परवाह नहीं है।

मनपा ने फूड स्टॉल्स पर शुरू की कार्रवाई!

सात दिनों में 3,000 सामानों को किया जप्त

सामना संवाददाता / मुंबई

मुंबई मनपा अनधिकृत खाद्य व पेय पदार्थों वाले स्टॉल्स पर सख्त कार्रवाई कर रही है। इसके तहत गठित विशेष टीम ने कार्रवाई करते हुए सात दिनों में ७१३ ठेलों, १,२४६ विभिन्न प्रकार के सामानों और १,०३७ सिलिंडरों समेत कुल ३,००० सामानों को जप्त किया है। इस कार्रवाई में मुंबई की सड़कों पर चलनेवाले चाइनीज फूड और अन्य अनधिकृत स्टॉल्स पर विशेष कार्रवाई की जा है। मुंबई हाई कोर्ट के आदेश के मुताबिक, अनधिकृत फेरीवालों, लावारिस वाहनों, फुटपाथों पर अतिक्रमण करनेवालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। सड़क किनारे खाना पकाना और बेचना कानून का खुला उल्लंघन है। इसके साथ ही मुंबई हाई कोर्ट ने हॉकरों पर गैस सिलिंडर का इस्तेमाल करने पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया है। इसके बावजूद कारोबार जारी रखने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। फेरीवालों का खाना खाने से बीमारियां के फैलने का खतरा रहता है। इसे ध्यान में रखते हुए मनपा आयुक्त भूषण गगरानी ने निर्देश दिए कि मुंबई को फेरीवालों से मुक्त करने और नागरिकों का रास्ता साफ करने के लिए फुटपाथों पर अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। इसी के तहत अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू की गई है।

लगातार की जाएगी कार्रवाई

उपायुक्त किरण दिघावकर ने कहा है कि यह सुनिश्चित करने के लिए उपाय किए जा रहे हैं कि मुंबई के नागरिक फुटपाथों का उपयोग आसानी से कर सकें। साथ ही सड़कों पर ट्रैफिक जाम से बचने के लिए फुटपाथ अतिक्रमण से मुक्त रहें। उन्होंने कहा है कि स्वास्थ्य के लिहाज से मुंबईकरों को गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध हो, खुले और अस्वच्छ भोजन विक्रेताओं को रोकने के लिए लगातार कार्रवाई की जाएगी।

मुंबई में दोगुने हुए साइबर क्राइम!

■ क्रेडिट कार्ड, कस्टम पार्सल महंगे गिफ्ट के नाम ठगी

सामना संवाददाता / मुंबई

साइबर क्राइम से जुड़े अपराधों को नियंत्रित करने और जागरूकता के लिए मुंबई पुलिस कई अभियान चला रही है। इसके बावजूद मीम्स, स्पूफिंग मेल, फेक कस्टम अधिकारी बनकर ठगी, महंगे गिफ्ट के नाम पर धोखाधड़ी, नौकरी, निवेश और क्रिप्टो-करंसी से जुड़े साइबर अपराधों में इस साल की पहली तिमाही में इजाफा देखा गया है।

मुंबई पुलिस के विश्लेषण से पता चलता है कि पिछले साल की तुलना में इस साल इन मामलों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। मुंबई पुलिस के अनुसार, वर्ष २०२३ में फिशिंग के १३ मामलों की तुलना में २०२४ में २२ मामले दर्ज किए गए, वहीं नौकरी के नाम पर धोखाधड़ी के साल २०२४ में १५८ मामले दर्ज किए गए हैं, जबकि २०२३ में मात्र ६५ मामले सामने आए थे। साथ ही निवेश धोखाधड़ी के भी २०२४ में १७० मामले सामने आए, जबकि २०२३ में २३ मामले दर्ज हुए थे।

'नीट मामले में बड़े मगरमच्छों को छोड़ा जा रहा'

कांग्रेस ने फिर बोला हमला

सामना संवाददाता / अमदाबाद

कांग्रेस ने नीट को लेकर एक बार फिर से केंद्र की मोदी सरकार पर हमला बोला है। गुजरात कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद शक्ति सिंह गोहिल ने आरोप लगाते हुए कहा कि मोदी सरकार को मेडिकल प्रवेश परीक्षा (नीट) पेपर लीक मामले की जानकारी थी और सारे सबूत होने के बावजूद झूठ बोलकर सुप्रीम कोर्ट को गुमराह किया गया, साथ ही इस घोटाले से जुड़े मामले के आरोपियों को बचाने की लगातार कोशिश भी केंद्र सरकार द्वारा की जा रही है।

शक्ति सिंह गोहिल ने आगे कहा कि आरिफ वोहरा भाजपा के अल्पसंख्यक विभाग का वाइस प्रेसिडेंट है। इसने पेपर लीक से जुड़ा अपना काम बड़ी ही सफाई से कर दिया था। जब कुछ लोगों ने कलेक्टर से धांधली की शिकायत की, तब मामले की जांच हुई जिसमें पता चला कि कई स्कूलों में नीट पेपर लीक की धांधली हुई है। इस बारे में उन्होंने आगे कहा कि गोधरा के पुलिस उपाधीक्षक ने सत्र न्यायालय में जो हलफनामा दाखिल किया है, उसमें कहा गया है कि पेपर लीक हुआ है, और इसके लिए पहले से ही सेटिंग की गई और उसके तहत छात्रों को गोधरा का एक खास परीक्षा केंद्र चुनने को कहा गया। परीक्षा होने के बाद स्कूल में उत्तर पुस्तिकाओं पर सही उत्तर लिखवाया गया, लेकिन अब तक स्कूल के चेयरमैन को गिरफ्तार नहीं किया गया है।

एमपी पुलिस की बर्बरता

पिलाया पेशाब, तोड़ा पैर!

सामना संवाददाता / भोपाल

भाजपा शासित सभी राज्यों में सुशासन के दावे बड़े ही जोर-शोर से किए जाते हैं, लेकिन हकीकत बिलकुल ही अलग होती है। ताजा मामला एक बार फिर मध्य प्रदेश से सामने आया है, जहां एक ऑटोचालक ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। ऑटो चालक ने अपनी शिकायत में बताया कि पुलिसवालों ने उसे पहले बेरहमी से पीटा। इसके बाद उन्होंने जबरदस्ती पेशाब पिलाया, फिर उसके पैर तोड़ दिए। ऑटोचालक की पहचान दीपक शिवहरे के रूप में हुई है। उसने बताया कि पुलिस उसे जबरन एक लूट के मामले में फर्जी रूप से फंसाना चाह रही है। यह मामला ग्वालियर जिले का बताया जाता है।

■ ऑटोचालक को बेरहमी से पीटा
■ झूठे मामले में फंसाने का आरोप

एसपी ने दिए जांच के आदेश

मामले के सामने आने के बाद ग्वालियर एसपी धर्मवीर सिंह ने जांच के आदेश दिए हैं। पुलिस का कहना है कि प्रथम दृष्टया कुछ सबूत शिवहरे को चोरी से जोड़ते हैं। हालांकि पुलिस के पास कुछ पुख्ता सबूत नहीं हैं। एक्स-रे रिपोर्ट में कथित तौर पर शिवहरे के पैर में फ्रैक्चर दिखाया गया है।

क्या है मामला?

बताया जाता है कि घटना १७ जून को हुई थी। शहर के एक सर्राफा व्यापारी की कार से १५ लाख रुपए के गहने चोरी हो गए थे। पुलिस ने कथित तौर पर सीसीटीवी फुटेज के आधार पर दीपक शिवहरे को हिरासत में लिया और उसी को अपराधी माना। सीसीटीवी फुटेज में दीपक का ऑटो कार के पास दिखा था। शिवहरे का आरोप है कि कोई आपराधिक रिकॉर्ड न होने के बावजूद पुलिस ने उसे पूछताछ के लिए हिरासत में लिया। दीपक ने आरोप लगाया है कि पूछताछ के लिए हिरासत के दौरान पुलिस ने उसे बेरहमी से पीटा और उसे पेशाब पीने को मजबूर किया। इतना ही नहीं पुलिस ने उसका पैर भी तोड़ दिया।

दोपहर का सामना
www.hindisaamana.com
epaper.hindisaamana.com
सोमवार १ जुलाई २०२४ ७

कोल्डड्रिंक पीना बना काल

नाखून उखाड़े, कान और होंठ पकड़कर खींचे

बाप ने बेटी के बॉयफ्रेंड की कर दी बेदम पिटाई

सामना संवाददाता / लखनऊ

कानपुर के बिठूर में नाबालिग बेटी को एक छात्र के साथ कोल्डड्रिंक पीते देख वकील ऐसा आगबबूला हुआ कि उसने अमानवीयता की सारी हदें पार कर दीं। अपने बड़े भाई और साथियों की मदद से छात्र को कार से अगवाकर फार्महाउस ले गया और बेरहमी से पिटाई की। रॉड और डंडे से पीट-पीटकर छात्र की पीठ लाल कर दी। प्लास से उसके पैर के नाखून उखाड़े, कान और होंठ पकड़कर खींचे।

सूचना पर परिजनों के साथ पहुंची पुलिस ने छात्र को मुक्त कराकर हैलट में भर्ती कराया है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर वकील और उसके बड़े भाई को गिरफ्तार कर लिया है। तनाव की स्थिति को देखते हुए गांव में पीएसी तैनात की गई है। उधर, गिरफ्तारी के विरोध में शनिवार सुबह वकीलों ने पुलिस कमिश्नर ऑफिस में हंगामा किया। बार एसोसिएशन ने कामकाज ठप कर दिया। बिठूर के एक मोहल्ले में रहने वाले लॉ यर्स एसो. के पूर्व उपाध्यक्ष ब्रज नारायण निषाद की १४ साल की बेटी सातवीं कक्षा में पढ़ती है। कल्याणपुर इलाके में कोचिंग पढ़ने जाती है। कोचिंग आने-जाने के दौरान उसकी दोस्ती दूसरे मोहल्ले में अपनी नानी के घर रहने वाले १७ साल के छात्र से हो गई। छात्र ने बैकुंठपुर के एक संस्थान में डी-फार्मा में प्रवेश के लिए हाल में काउसलिंग कराई थी।

बता दें कि शुक्रवार रात को छात्रा और छात्र ईश्वरीगंज बाजार में मिले और कोल्डड्रिंक पीने लगे। उसी दौरान वकील की नजर बेटी पर पड़ी। बेटी को फटकार कर घर भेज दिया और छात्र को बुरा-भला कहने लगा। छात्र के जवाब देने पर अधिवक्ता ब्रज नारायण ने अपने बड़े भाई तेज नारायण और साथियों के साथ उसे अपनी कार में जबरन बैठाकर फार्महाउस ले गया।

दिल्ली एयरपोर्ट संभालने वाली कंपनी

भाजपा को सर्वाधिक चंदा देने वाली डोनर!

- **2019** में हवाई अड्डे के विस्तार का काम किया था शुरू
- टर्मिनल-1 की कैनोपी गिरने से सुर्खियों में आई

सामना संवाददाता / नई दिल्ली

दिल्ली एयरपोर्ट इन दिनों टर्मिनल-१ की कैनोपी गिरने से सुर्खियों में है। इस घटना में १ व्यक्ति की मौत हो गई थी और करीब ६ लोग घायल हो गए थे। खबर है कि एयरपोर्ट का संचालन करनेवाला जीएमआर समूह २०१८ से एक चुनावी ट्रस्ट के माध्यम से सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को चंदा देता रहा है। यह चंदा अप्रत्यक्ष रूप से मुहैया कराया जाता रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, २०१८ से इसका नाम प्रूडेंट इलेक्टोरल ट्रस्ट में सबसे अधिक चंदा देने वालों में शुमार रहा है। यह ट्रस्ट अपने फंड का सबसे अधिक हिस्सा भाजपा को देता रहा है।

बता दें कि जीएमआर (एयरपोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड) के नेतृत्व वाली दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डीआईएएल) ने २०१९ में दिल्ली हवाई अड्डे के विस्तार का काम शुरू किया था।

चुनावी बॉन्ड और चुनावी ट्रस्ट के बीच मुख्य अंतर यह है कि इस साल की शुरुआत तक बॉन्ड को व्यक्तियों और कॉरपोरेट संस्थाओं द्वारा केवल विशिष्ट समय के दौरान गुमनाम रूप से खरीदा जा सकता था, जबकि चुनावी ट्रस्ट पूरे साल भर योगदान ले सकते हैं। ट्रस्ट उन्हें दिए गए दान के पैसे को राजनीतिक दलों को भेजते हैं। इस बात का भी सार्वजनिक रिकॉर्ड है कि किसने किस चुनावी ट्रस्ट को क्या योगदान दिया है। चुनावी बॉन्ड योजना नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा शुरू की गई थी।

हालांकि, जीएमआर का नाम चुनाव आयोग द्वारा जारी चुनावी बॉन्ड दानकर्ताओं की सूची में नहीं है, लेकिन सार्वजनिक रिकॉर्ड से पता चलता है कि कंपनी अप्रत्यक्ष रूप से भाजपा, जो चुनावी बॉन्ड योजना का भी सबसे बड़ा लाभार्थी थी, को प्रूडेंट इलेक्टोरल ट्रस्ट के माध्यम से वित्त पोषित कर रही है। १५ चुनावी ट्रस्टों में यह सबसे बड़ा और सबसे अमीर है।

एडीआर रिपोर्ट

एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) के चुनावी ट्रस्टों के साल-दर-साल विश्लेषण के अनुसार भी प्रूडेंट भाजपा का सबसे बड़ा चंदादाता है। एडीआर की चुनावी ट्रस्टों पर २०१८-१९ की रिपोर्ट में प्रूडेंट को एकमात्र ऐसे ट्रस्ट के रूप में उल्लिखित किया गया है, जिसने वित्तीय वर्ष २०१३-१४ से अपने योगदान की घोषणा चुनाव आयोग के समक्ष की थी। उस रिपोर्ट में कहा गया था कि २०१८-१९ में चुनावी ट्रस्टों को सभी कॉरपोरेट और व्यक्तिगत दानदाताओं द्वारा दिए गए चंदे में जीएमआर हैदराबाद इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड ने सबसे बड़ा योगदान (२५ करोड़ रुपए) दिया था। एडीआर के अनुसार, प्रूडेंट ने २०१८-१९ में भाजपा को ६७.२५ करोड़ रुपए और उससे पहले के वित्तीय वर्ष में १५४.३० करोड़ रुपए का दान दिया था। एडीआर के २०१९-२० के अध्ययन में भी भाजपा को चुनावी ट्रस्ट योजना का सबसे बड़ा लाभार्थी दिखाया गया था, जिसे ट्रस्टों द्वारा घोषित योगदान का ७६ फीसदी मिला। प्रूडेंट इलेक्टोरल ट्रस्ट ने २०१९-२० में भाजपा को २१७.७५ करोड़ रुपए का दान दिया था। प्रूडेंट को सबसे अधिक राशि देनेवालों में जीएमआर समूह, भारती एयरटेल, डीएलएफ और अपोलो टायर्स शामिल थे।

एडीआर के विश्लेषण के अलावा, २०१९ में भाजपा ने चुनाव आयोग को सौंपे अपने प्रस्तुतीकरण में भी प्रूडेंट को पार्टी का प्रमुख चंदादाता बताया था। उस समय एक रिपोर्ट में बताया गया था कि 'प्रूडेंट इलेक्टोरल ट्रस्ट के प्रमुख योगदानकर्ता भारती एंटरप्राइजेज, जीएमआर एयरपोर्ट डेवलपर्स और डीएलएफ लिमिटेड हैं।

टीम इंडिया को यूपी पुलिस ने बताया 'दोषी'

सामना संवाददाता / इंदौर

टी-२० वर्ल्डकप के फाइनल में भारत ने साउथ अफ्रीका को हराकर १७ साल बाद वर्ल्डकप का खिताब अपने नाम कर लिया। इस जीत के बाद देशभर में जश्न का माहौल शुरू हो गया और आतिशबाजी की जाने लगी। उधर, ब्रिजटाउन

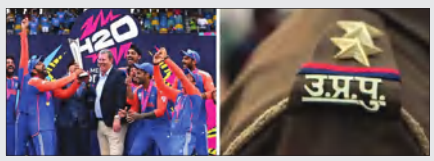

(बारबाडोस) के केंसिंग्टन ओवल मैदान में भी टीम इंडिया जश्न में डूबी थी, लेकिन विश्वकप से ही जुड़े एक मामले में उत्तर प्रदेश पुलिस ने टीम को 'दोषी' बताया। गौरतलब है कि टी-२० वर्ल्डकप में टीम इंडिया को दुनियाभर से बधाई मिल रही थी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी भारतीय टीम को जीत की बधाई दी थी। इसी बीच उत्तर प्रदेश पुलिस ने टीम इंडिया को 'दोषी' बता दिया। दरअसल, यूपी पुलिस ने अफ्रीका के करोड़ों लोगों का दिल तोड़ने के लिए भारतीय टीम को सजा सुनाई है। यूपी पुलिस ने अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट कर कहा, 'ब्रेकिंग न्यूज : भारतीय गेंदबाजों को दक्षिण अफ्रीका का दिल तोड़ने का दोषी पाया गया।

ये दोस्ती हम नहीं छोड़ेंगे...

बचपन के दोस्तों के हाथ में सेना की कमान

सामना संवाददाता / नई दिल्ली

भारतीय सेना के लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने सेना प्रमुख का अपना नया पदभार संभाल लिया है। इसमें खास बात यह है कि इतिहास में ऐसा पहली बार होने जा रहा है, जब दो क्लासमेट अपनी-अपनी सेनाओं के प्रमुख की जिम्मेदारी संभालेंगे। बता दें, लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी और एडमिरल दिनेश त्रिपाठी आर्मी और नेवी के चीफ होंगे। जानकारी के मुताबिक, नौसेना चीफ एडमिरल दिनेश त्रिपाठी और नामित सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी मध्य प्रदेश के सैनिक स्कूल रीवा में ५वीं क्लास में एक साथ पढ़ते थे। स्कूल टाइम से ही इन दोनों लोगों में काफी अच्छी दोस्ती हैं, वहीं सेना के अलग-अलग अंगों में जिम्मेदारी संभालने के बावजूद यह लोग हमेशा संपर्क में रहे।

गूगल ने कर दी गुगली

मैप ने मौत के मुहाने तक पहुंचाई कार

उफान मार रही नदी में फंसे, बची जान

सामना संवाददाता / मुंबई

आज लोगों की जिंदगी तकनीक के सहारे चल रही है, लेकिन कई बार इनका सहारा लेना लोगों को भारी पड़ जाता है। इसी तरह का एक मामला केरल में सामने आया है, जहां कार से चल रहे दो युवक अपना रास्ता तलाशने के लिए गूगल मैप का सहारा लेते हैं, लेकिन वह उन्हें गुगली दे देता है। साथ ही उन्हें मौत के मुहाने पर पहुंचा देता है। वे उफान मारती नदी में पहुंच गए। हालांकि, उनकी किस्मत बहुत अच्छी रही कि कार केरल के सुदूर उत्तरी कासरगोड जिले में एक पेड़ से फंस गई, जिस कारण वे बाल-बाल बच गए।

मुश्किल से बची जिंदगी

नदी में फंसी गाड़ी से वो दोनों किसी तरह कार का दरवाजा खोलने और वहां से बाहर निकलने में कामयाब रहे। इसके बाद दोनों फायर फोर्स कर्मियों से किसी तरह संपर्क करने में कामयाब रहे और उन्हें वहां का लोकेशन भेज दिया। जानकारी मिलने के बाद फायर फोर्स के कर्मी घटनास्थल पर पहुंचे और उन्होंने रस्सियों का इस्तेमाल करते हुए दोनों लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला।

मिली जानकारी के अनुसार, उत्तरी कासरगोड के पल्लंची में उफनती नदी में फंसी गाड़ी को सुरक्षित निकालने के लिए अग्निशमन कर्मियों को भारी मशक्कत करनी पड़ी। नदी में फंसी कार और घंटों तक चले बचाव अभियान के वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो गए। नदी में गिरने के बाद दोनों युवक इसलिए बाहर निकल पाए, क्योंकि पानी की धार में बहती उनकी कार एक पेड़ में फंस गई। कार से बाहर निकलकर उन्होंने अग्निशमन कर्मियों से संपर्क किया और बचाव अभियान शुरू किया।

जा रहे थे अस्पताल

नदी में फंसे दोनों युवकों ने बताया कि वे तड़के पड़ोसी राज्य कर्नाटक में एक अस्पताल के लिए जा रहे थे और इसके लिए वे गूगल मैप्स का इस्तेमाल कर आगे बढ़ रहे थे। दो युवकों में से एक अब्दुल रशीद ने कहा कि गूगल मैप्स ने एक संकरी सड़क दिखाई और उन्होंने अपनी कार को उसमें से निकाला। गाड़ी की हेडलाइट का इस्तेमाल करके हमने यह महसूस किया कि हमारे सामने कुछ पानी है, लेकिन हमने यह नहीं देख पाए कि दोनों तरफ नदी बह रही है और बीच में एक पुल भी है। पुल पर कोई साइडवॉल भी नहीं था। इस बीच कार अचानक पानी की तेज धाराओं में चली गई और अनियंत्रित होकर बहने लगी, लेकिन बाद में नदी के बीच एक पेड़ में फंस गई।

...क्योंकि गड्ढा भी कभी सड़क था

अमदाबाद में धंसी सड़क

सामना संवाददाता / अमदाबाद

गुजरात में बारिश ने कहर बरपा रखा है। कई इलाकों में रविवार को भारी बारिश हुई, जिससे अमदाबाद और सूरत सहित कुछ शहरों में जलभराव से सामान्य जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया। अमदाबाद के शेला एरिया में एक सड़क धंस गई, जिससे वहां बड़ा गड्ढा बन गया। बारिश से सूरत में कई जगह सड़कों पर तीन फीट तक पानी भर गया। सूरत जिले के पलसाना तालुका में पिछले दस घंटों में १५३ मिमी बारिश हुई, जो राज्य में सबसे अधिक है। भारी बारिश के कारण यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। मौसम विभाग के मुताबिक, गुजरात में अगले चार दिनों तक बारिश जारी रहने की संभावना है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र (एसईओसी) ने बताया कि रविवार सुबह छह बजे से शाम चार बजे के बीच मात्र १० घंटों में ४३ तालुकों में ४० मिमी से अधिक बारिश हुई, जबकि पलसाना में १५३ मिमी बारिश हुई।

दोपहर का सामना
९३२४१७६७६९
सोमवार १ जुलाई २०२४

कोई तो RO-KO!

विराट कोहली, रोहित शर्मा के बाद रविंद्र जडेजा ने भी लिया संन्यास

भारतीय क्रिकेट टीम के लिए २९ जून, २०२४ की तारीख एक बेहतरीन याद बन गई। लेकिन इस धुआंधार जीत के साथ इसी दिन टीम इंडिया के लिए डबल झटका भी देखने को मिला। जहां एक ओर टीम इंडिया के खिलाड़ी और फैंस जीत का जश्न मना रहे थे वहीं दूसरी ओर विराट कोहली के बाद रोहित शर्मा ने टी-२० इंटरनेशनल को अलविदा कह दिया, जो टीम इंडिया के लिए किसी झटके से कम नहीं था। कोहली ने जीत के बाद संन्यास का एलान कर दिया था, जबकि रोहित शर्मा ने मैच के बाद हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में संन्यास की घोषणा की। टी-२० इंटरनेशनल से संन्यास की घोषणा करते हुए रोहित शर्मा ने इस बात को कंफर्म किया कि वनडे और टेस्ट क्रिकेट खेलने जारी रखेंगे। टी-२० वर्ल्डकप २०२४ के पहले मुकाबले से लेकर सेमीफाइनल तक भले ही विराट कोहली के बल्ले ने रन न बरसाए हों लेकिन फाइनल मुकाबले में ५९ गेंदों पर ७६ रनों की बेहतरीन पारी खेलकर खुद को साबित किया। रोहित शर्मा भी इस टूर्नामेंट में अच्छे फॉर्म में दिखाई दिए। वह टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज रहे। हालांकि, कुछ लोग दोनों के संन्यास के फैसले को सही बता रहे हैं वहीं कुछ फैंस का कहना है कि दोनों अभी अच्छे फॉर्म में हैं ऐसे में इतने जल्दी इन्हें संन्यास नहीं लेना चाहिए था। खेल प्रेमियों का कहना है कि दोनों को हम अभी और खेलते देखना चाहते हैं। काश...दोनों को कोई संन्यास लेने से रोक सकता...!

एक और संन्यास

'वर्ल्ड कप जीतना उनके टी-२० करियर का सबसे बड़ा पड़ाव था। जडेजा ने कहा कि दिल में खुशियों को भरे हुए वो टी-२० इंटरनेशनल से विदा ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि वो हमेशा से देश के लिए अपना पूरा दम लगाकर योगदान देते रहे और बाकी फॉर्मेट में ऐसा करना जारी रखेंगे।'

रो पड़े पंड्या

'२०२६ में अभी बहुत समय है। मैं रोहित और विराट दोनों के लिए बहुत खुश हूं... भारतीय क्रिकेट के दो दिग्गज इसके पूरी तरह हकदार थे। इतने सालों तक उनके साथ खेलना बहुत शानदार रहा। हम सभी उन्हें याद करेंगे लेकिन साथ ही, यह सबसे अच्छी विदाई है जो हम उन्हें दे सकते हैं...'

हार्दिक चुंबन

पूरे फाइनल और उसके पुरस्कार समारोह के बीच जो एक वाकया हुआ उसने न केवल क्रिकेट दुनिया का दिल जीत लिया बल्कि वो भविष्य की जिम्मेदारी के लिए भी बहुत बड़ा प्यार साबित हुआ है। यह वो क्षण था, जब भावनाएं प्रमुख बनी थीं। वो सारी अफवाहें, विवाद जो आईपीएल में बनी उन सबका तिरोहित हो जाना था, क्योंकि बीच इंटरव्यू में आकर रोहित शर्मा द्वारा हार्दिक पंड्या को चूमना इस बात का संकेत था कि हार्दिक ही था, जिसने रोहित का असल में साथ दिया अन्यथा फाइनल का यह क्षण देखने को नहीं मिलता। रोहित जैसे कप्तान कभी नहीं मिलेंगे। पहला और एकमात्र ऐसा कप्तान है, जिसने खिलाड़ी सदस्यों के साथ-साथ दर्शकों को भी हाथ जोड़कर धन्यवाद अर्पित किया, जिसने अपने दोस्त, अपने जूनियर हार्दिक पंड्या को बीच मैदान जाकर चूम लिया। ये वाकया तब हुआ जब हार्दिक पंड्या मैच के बाद तिरंगा झंडा लिए एक इंटरव्यू दे रहे थे। जीत की खुशी में कप्तान रोहित शर्मा भी वहां जा पहुंचे और हार्दिक पंड्या को चूमते हुए गले से लगा लिया। ये वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। क्रिकेट फैंस इस वीडियो पर जमकर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। इससे बेहतर भावनाओं से भरा क्षण और कहां देखने को मिलेगा जिसमें बड़े भाई की तरह प्यार देखने को मिला।

क्लीन बोल्ड
अमिताभ श्रीवास्तव

Public Opinion

● डबल झटका

दोनों ही बेहतरीन खिलाड़ी हैं, दोनों को टी-२० मैचों में अभी और खेलना चाहिए था। भले ही विराट कोहली का बल्ला इस टूर्नामेंट में न चला हो लेकिन फाइनल में उन्हें रन बरसाते देखकर मजा आ गया। लेकिन दोनों के संन्यास वाले फैसले ने मुझे डबल झटका पहुंचाया है।

-सविता सिंह, भायंदर

● उन्हें मिस करेंगे

जीत की जितनी खुशी हुई उससे ज्यादा दुःख इस बात का रहा कि टीम इंडिया के दो बेहतरीन प्लेयर्स को अब हम टी-२० इंटरनेशन मैचों के दरम्यान नहीं देख पाएंगे। यह उनका फैसला है कि उन्हें आगे टी-२० में खेलना है या नहीं...लेकिन हम सभी डेफिनेटली उन्हें मिस करेंगे।

-पल्लवी कोंडे, कल्याण

● सही समय पर सही फैसला

'रोहित शर्मा और विराट कोहली का टी-२० इंटरनेशनल से संन्यास लेने का फैसला बिल्कुल सही है। दोनों ने सही समय पर सही फैसला लिया है। इससे नए-नए खिलाड़ियों को मौका मिलेगा, जो इस वक्त टीम इंडिया के लिए सही है।

-लक्ष्य वर्मा, स्टूडेंट

तिलंगों की विदाई

सैल्यूट के साथ विदा। यदि दो महान बल्लेबाज रोहित और विराट अंतर्राष्ट्रीय मैचों में नहीं दिखेंगे तो कोच राहुल द्रविड़ भी नहीं दिखेंगे। उन्होंने भी विदाई ले ली है, यानी तीन महान शख्सियतों का यह अद्भुत विदाई क्षण है, जब टीम और तिरंगा पूरे विश्व में लहरा रहा है। रोहित शर्मा के टी-२० इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा रन हैं। उन्होंने १५९ मैचों में ४,२३१ रन बनाए हैं। वह टी-२० में सबसे ज्यादा शतक जमानेवाले बल्लेबाज भी हैं। उन्होंने टी-२० इंटरनेशनल में पांच शतक लगाए हैं। रोहित ने दो बार टी-२० वर्ल्डकप जीता है। साल २०१० में जिम्बाब्वे के खिलाफ विराट कोहली ने हरारे में टी-२० डेब्यू किया था। वह अब तक १२४ टी-२० इंटरनेशनल मैच खेल चुके हैं और ४,११२ रन बनाए हैं। कोहली के नाम इस फॉर्मेट में एक शतक और ३७ अर्धशतक दर्ज हैं। कोहली इस दौरान ३१ बार नाबाद रहे हैं। टी-२० में उनका औसत ४८.२२ का रहा है। वह इस फॉर्मेट में ४ विकेट भी हासिल कर चुके हैं। द्रविड़ ने टीम इंडिया को २०२३ एशिया कप का चैंपियन बनवाया लेकिन बड़े आईसीसी टूर्नामेंट में हार ही मिली। टेस्ट विश्व चैंपियनशिप २०२३ का फाइनल, वनडे वर्ल्डकप २०२३ का फाइनल हारे, जबकि टी-२० वर्ल्डकप २०२२ के सेमीफाइनल में नाकाम रहे और इसी तरह एशिया कप २०२२ में भी फाइनल तक नहीं पहुंच सके थे। लेकिन राहुल द्रविड़ के कोचिंग कार्यकाल का आखिरी दिन कमाल रहा। टीम इंडिया टी-२० वर्ल्डकप जीती और अब वो वर्ल्ड चैंपियन कोच कहलाए जाएंगे।

भावनाओं की भाषा नहीं होती

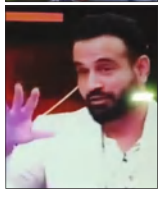

कहते हैं भावनाओं की कोई भाषा नहीं होती। मौका खुशी का हो या गम का... भावनाएं तो बस आंसू के सहारे बह जाती हैं। शनिवार का दिन इमोशंस से भरा हुआ था। टीम इंडिया की ऐतिहासिक जीत पर तो सभी जश्न मना रहे हैं, लेकिन ऐसे भी कई हैं जिनकी आंखों में खुशी के आंसू देखने को मिले। उनमें से सदी के महानायक हैं। हम सभी जानते हैं कि बिग बी क्रिकेट के कितने बड़े फैन हैं। लेकिन फाइनल मैच इसलिए नहीं देखा क्योंकि उन्हें लगता है कि जब वे ऐसा करते हैं, तो हम हारते हैं! बिग बी भारत की जीत से इतने खुश हुए कि वे अपने आंसू नहीं रोक सके। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा 'वर्ल्ड चैंपियन भारत! टी-२० वर्ल्डकप २०२४... एक्साइटमेंट और भावनाएं और आशंका...सब कुछ किया गया और खत्म हो गया। बस टीम की आंसुओं के साथ आंसू बह रहे हैं।' जहां एक ओर इस जीत पर बिग के आंसू छलक पड़े, वहीं इरफान पठान लाइव टीवी पर रो पड़े। उन्होंने फाइनल में जीत दिलाने वाले हर खिलाड़ी को धन्यवाद कहा। उनका एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। पठान ने रोते हुए कहा कि मैं बुमराह का शुक्रगुजार हूं, मैं रोहित शर्मा और हार्दिक पंड्या का शुक्रगुजार हूं। इसके अलावा इरफान पठान ने कहा, 'सूर्यकुमार यादव का कैच तो मुझे जिंदगी भर नहीं भूलना। आखिरी सांस चल रही होगी, तब भी मैं सूर्यकुमार यादव का कैच याद रखूंगा।'

तुनक-तुनक...

टी-२० विश्वकप की जीत का जश्न हो और विराट कोहली का डांस न हो, ऐसा कभी हो सकता है? नहीं न...! साउथ अफ्रीका को फाइनल में ७ रनों से मात देने के बाद भारतीय खिलाड़ियों की खुशी सातवें आसमान पर देखने को मिली। जहां एक ओर मैच जीतने के बाद रोहित-विराट से लेकर हार्दिक तक प्लेयर्स इमोशनल नजर आए। वहीं दूसरी ओर जीत की खुशी भी प्लेयर्स के चेहरे पर साफ झलकी। सोशल मीडिया पर भारत के चैंपियन बनने के बाद वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें विराट कोहली, अर्शदीप सिंह, मोहम्मद सिराज और अक्षर पटेल दलेर मेहंदी के मशहूर गाने 'तुनक-तुनक' पर जमकर डांस करते हुए नजर आ रहे हैं। दरअसल, वायरल वीडियो में भारतीय प्लेयर्स को चैंपियन बनने के बाद जीत का जश्न मनाते हुए देखा। सबसे पहले अर्शदीप सिंह ने भांगड़ा की शुरुआत की और फिर विराट कोहली भी उनके रंग में रंग गए। विराट-अर्शदीप को भांगड़ा करता हुआ देख रिंकू सिंह भी खुद को रोक नहीं पाए और वह भी अक्षर के साथ मिलकर डांस करने लगे। ये वीडियो फैंस को काफी पसंद आ रहा है।

किसकी वजह से जीते?

जबसे हिंदुस्थान विश्वकप फाइनल जीता है क्रिकेट जगत में तरह-तरह की बातें हो रही हैं। कोई कह रहा इंडिया सूर्यकुमार के कैच से जीता है तो कोई कह रहा है अक्षर के उन ४७ रनों से जीता जो विराट कोहली के साथ बनाए थे। कोई कह रहा रोहित की कप्तानी के कारण जीता तो कोई कह रहा बुमराह की गेंदबाजी के कारण जीता। कोई यह भी कह रहा है कि विराट के रहते जीत दर्ज हो पाई तो कोई कह रहा अर्शदीप के १९वें ओवर के कारण फाइनल जीते। कोई कोच राहुल द्रविड़ के कारण विजयश्री बता रहा है तो कोई हार्दिक पंड्या के आखिरी ओवर को दिमागी ओवर बता रहा है। दरअसल, टीम इंडिया किसी एक कारण से नहीं जीती है बल्कि पूरी टीम इसकी हकदार है। अब्बल किसी भी जीत के लिए जो जरूरी एलिमेंट होता है वो है कप्तान को टीम सदस्यों का साथ। रोहित शर्मा ने जब यह कहा कि लड़कों ने मेरा साथ दिया तो कई सारी बातें खुलकर सामने आ खड़ी हुईं। ये जो साथ देने की बात है वो होती है जीतने की इच्छा शक्ति से, जिद से और अपना शत-प्रतिशत देने से। टीम के हर एक खिलाड़ी ने अपना पूरा योगदान दिया है। पंत को भूल नहीं सकते, कोहली को नजरअंदाज किया ही नहीं जा सकता। शिवम दुबे की आलोचना भले हो मगर फाइनल में उनकी भागीदारी अहम रही। कुलदीप यादव को परे रख ही नहीं सकते। जडेजा को कैसे भूल सकते हैं। कुल मिलाकर टीम का कोई एक खिलाड़ी महत्वपूर्ण बनकर नहीं निकला बल्कि पूरी टीम महत्वपूर्ण बनी और विजेता ऐसे ही बना जा सकता है।

(लेखक वरिष्ठ खेल पत्रकार व टिप्पणीकार हैं।)

कैच ने पलटी मैच

भारत ने दक्षिण अफ्रीका को हराकर आईसीसी टी-२० विश्वकप २०२४ का खिताब अपने नाम किया है। भारत ने साल २००७ में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आईसीसी टी-२० विश्वकप का खिताब अपने नाम किया था और उसके बाद से टीम इंडिया कोई खिताब नहीं जीत पाई थी। लेकिन अब रोहित शर्मा की अगुवाई में भारतीय टीम ने १७ साल का लंबा इंतजार खत्म करते हुए टी-२० विश्वकप का खिताब अपने नाम किया है। भारतीय टीम को जीत के लिए आखिरी ओवर में १६ रन डिफेंड करने थे और हार्दिक पंड्या ने सिर्फ ८ रन दिए। इस दौरान उन्होंने ओवर की पहली ही गेंद पर डेविड मिलर को अपना शिकार बनाया। हालांकि, यह विकेट सूर्यकुमार यादव के खाते में जाना चाहिए, ऐसा कहना गलत नहीं होगा क्योंकि उन्होंने आखिरी ओवर की पहली गेंद पर बाउंड्री लाइन पर एक शानदार कैच लपककर पूरा मैच ही पलट दिया। सूर्या कैच के दौरान अपना बेलेंस खो चुके थे, लेकिन उन्होंने उसी को देखते हुए अंदर गेंद को उछाला और दोबारा खुद अंदर आते हुए कैच को पूरा किया। भारत के लिए यह कैच काफी अहम साबित हुआ।

९३२४१७६७६९ | ▶वर्षः ३२, अंक १२९, मुंबई, सोमवार १ जुलाई २०२४ ▶पेज १६ ▶मूल्यः ₹ ३ | एम.सी.डब्ल्यू/१६६/२०१८-२०

दोपहर का

संस्थापक संपादक : बाल ठाकरे

सामना

करोड़ों बहे पानी में!

फिर फेल हुई मोदी की गारंटी

रामपथ के बाद अयोध्या के अस्पताल में भी भरा पानी

सामना संवाददाता / नई दिल्ली

देश में जब से एनडीए सरकार सत्ता में आई है, सब कुछ चौपट हो रहा है। पहले नवनिर्मित राम मंदिर के गर्भगृह में बारिश के पानी का रिसाव हुआ। अब दो दिन पहले रामनगरी अयोध्या के अस्पताल पहुंचने के लिए श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों को घुटने भर पानी से होकर गुजरना पड़ा, ऐसे में यह कहना गलत नहीं होगा कि रामनगरी का विकास दरक रहा है और इसपर खर्च किए करोड़ों रुपए पानी में बह गए हैं। ये कोई पहला ऐसा मामला नहीं है जहां मोदी की गारंटी फेल हुई हो। मोदी सरकार के आते ही कहीं अस्पताल में पानी जमा हो रहा है तो कहीं एयरपोर्ट पर छत गिर रही है। दिल्ली के इंदिरा गांधी एयरपोर्ट और जबलपुर एयरपोर्ट की छत गिरने के बाद गुजरात के राजकोट एयरपोर्ट पर हादसा हो गया। एक के बाद एक हो रहे इन हादसों से सवाल उठ रहा है कि आखिर इस देश में हो क्या रहा है? और ऐसे देश का 'विकास' कैसे होगा?

लखनऊ के टर्मिनल टी-३ से टपका पानी

१० मार्च को पीएम मोदी ने टर्मिनल-३ का किया था उद्घाटन

लखनऊ के चौधरी चरण सिंह अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट के नए टर्मिनल-३ की छत पहली बारिश में ही टपकने लगी, जिससे यात्री परेशान हुए। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। एयरपोर्ट प्रवक्ता का दावा है कि यात्रियों को कोई असुविधा नहीं हुई। बता दें कि लखनऊ के चौधरी चरण सिंह अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट को करोड़ों रुपए की लागत से बनाया गया है और यहां विदेशों जैसी सुविधाएं देने का वादा किया गया है। लेकिन शुक्रवार की रात राजधानी में हुई मूसलाधार बारिश ने एयरपोर्ट की छत की गुणवत्ता की पोल खोल दी। टर्मिनल-३ के चेकिंग काउंटर के पास पानी टपकने लगा, जिससे वहां बैठे यात्रियों को दूसरी जगह जाना पड़ा क्योंकि सीटों पर भी पानी गिर रहा था। एक यात्री ने छत टपकने का वीडियो वायरल कर बताया कि इस दौरान यात्री काफी परेशान हुए। इस वीडियो के सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद यूपी कांग्रेस ने भी अपने ट्विटर हैंडल से इस वीडियो को पोस्ट करते हुए प्रतिक्रिया दी है। वीडियो के वायरल होने के बाद लोग तमाम प्रतिक्रियाएं देते हुए सवाल खड़े कर रहे हैं।

गड्ढों की जांच क्यों नहीं की गई?

फैजाबाद से समाजवादी पार्टी के सांसद अवेधश प्रसाद ने २९ जून को अयोध्या में रामपथ, श्रीराम चिकित्सालय का निरीक्षण किया। इस दौरान राम पथ को देखने पहुंचे सांसद अवेधश प्रसाद ने कहा कि रामपथ पर गड्ढे क्यों हुए, इसकी जांच की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार डंका पीटती है, अयोध्या में बहुत विकास किया। कितना विकास किया वो दिख रहा है। मैंने आज देखा, अभी रात में सड़क बनी है। जिनके हाथ में पावर है, वो इन गड्ढों के लिए जिम्मेदार हैं। राम के नाम की सड़क है। राम के नाम पर भाजपा ने वोट मांगा। ये मामूली सड़क नहीं है। पता नहीं कितना पैसा लगा इस सड़क को बनाने में। ६ इंजीनियर सस्पेंड करने से नहीं चलेगा। इसकी उच्चस्तरीय जांच की जानी चाहिए।

'न्यायपालिका का मजाक बना रही सीबीआई

'आप' का आरोप

सामना संवाददाता / नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने रविवार को कथित आबकारी नीति घोटाले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी को लेकर केंद्र पर निशाना साधा और दावा किया कि संघीय एजेंसी ने केंद्र सरकार के निर्देश पर गिरफ्तारी की है। बता दें कि २६ जून को अरविंद केजरीवाल को अब समाप्त कर दी गई। दिल्ली आबकारी नीति से संबंधित भ्रष्टाचार के एक मामले में गिरफ्तार करने के कुछ ही घंटों बाद सीबीआई की हिरासत में भेज दिया गया था। संजय सिंह ने कहा, 'आपने न्यायपालिका का मजाक उड़ाया है, आपने कानून और व्यवस्था का मजाक उड़ाया है, आपने इस देश के संविधान का मजाक उड़ाया है।' उन्होंने केंद्र पर दो साल बाद अरविंद केजरीवाल के खिलाफ फर्जी मामला दर्ज करने का आरोप लगाया।

बिहार सीएम की डिमांड से डरे पीएम!

जदयू की तीन मांगें बढ़ाएंगी मोदी की मुश्किलें

सामना संवाददाता / नई दिल्ली

ये बात तो तय है कि बैसाखी वाली मोदी ३.० सरकार कभी भी गिर सकती है। हो सकता है आगामी कुछ दिनों में भाजपा के सहयोगी दल अपनी हाई डिमांड करें और मोदी सरकार को मुश्किल में डाल दें। ऐसा इसलिए कहा जा रहा है कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक ली सीएम नीतीश कुमार ने राज्यसभा सांसद संजय झा को पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया है। इसके अलावा पार्टी ने ३ डिमांड रखी हैं। पहली बिहार को विशेष राज्य का दर्जा, दूसरी बिहार को विशेष लाभ मिले और तीसरा ६५ प्रतिशत आरक्षण को ९वीं अनुसूची में शामिल किया जाए। पीएम नरेंद्र मोदी की केंद्र में बतौर प्रधानमंत्री तीसरी पारी जेडीयू और टीडीपी के सहारे चल रही है। ऐसे में नीतीश कुमार की ये ३ बड़ी मांगें पीएम मोदी की मुश्किलें बढ़ा सकती हैं।

'जरूरी नहीं कि हर रामभक्त बीजेपी को वोट दे'

ये क्या बोल गईं उमा भारती?

सामना संवाददाता / नई दिल्ली

लोकसभा २०२४ के चुनाव के परिणाम भाजपा के मनमुताबिक नहीं आए। यूपी में भाजपा की करारी हार की पड़ताल अभी भी पार्टी और आलाकमान कर रहे हैं। इसी बीच भाजपा की वरिष्ठ नेता उमा भारती ने कहा कि उत्तर प्रदेश के नतीजों का मतलब यह नहीं है कि भगवान राम के प्रति लोगों की भक्ति कम हो गई है। हमें ये अहंकार नहीं रखना चाहिए कि हर राम भक्त बीजेपी को वोट देगा। हमें ये नहीं सोचना चाहिए कि जो हमें वोट नहीं देगा वो राम भक्त नहीं है। चुनाव परिणाम केवल कुछ लापरवाही का नतीजा है और कुछ नहीं। उमा भारती ने 'अहंकार' वाली बात करके एक बार फिर ये ये साबित कर दिया है कि लोकसभा चुनाव परिणाम के पूर्व भाजपा को अहंकार आ गया था, जो परिणाम आने के बाद चकनाचूर हो गया है।

सामना एंकर

संसद की रिपोर्टिंग करनेवाले

पत्रकारों से हटाएं पाबंदियां!

कांग्रेस सांसद की लोकसभा अध्यक्ष से मांग

सामना संवाददाता / नई दिल्ली

कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने रविवार को कहा कि उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर उनसे संसद की कार्यवाही की रिपोर्टिंग करने वाले पत्रकारों पर कोविड पाबंदियां हटाने का अनुरोध किया। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में बिरला को २७ जून को लिखे अपने पत्र की एक प्रति साझा की। टैगोर ने पोस्ट में कहा, 'संसद की कार्यवाही की रिपोर्टिंग करने वाले पत्रकारों पर कोविड पाबंदियां हटाने के लिए माननीय लोकसभा अध्यक्ष को पत्र लिखा। प्रतिष्ठित पत्रकारों को पाबंदियों के नाम पर रोका जा रहा है। मीडिया की पहुंच बहाल करने और उन्हें उनका उचित स्थान देने का वक्त आ गया है।'

बिरला को लिखे एक पत्र में उन्होंने कहा कि एक दशक से अधिक समय से संसद की कार्यवाही की रिपोर्टिंग कर रहे कई पत्रकार कोविड-१९ संबंधी प्रोटोकॉल के नाम पर पाबंदियों का सामना कर रहे हैं। कांग्रेस सांसद ने पत्र में कहा, 'उन्हें संसद तक पहुंचने से रोकने से न केवल उनके पेशेवर कर्तव्यों में बाधा आती है, बल्कि जनता तक सटीक जानकारी पहुंचाने में भी समस्या होती है। हमारे देश के लोकतांत्रिक लोकाचार को संरक्षित करने के लिए यह जरूरी है कि सभी मान्यता प्राप्त पत्रकारों को बिना किसी बाधा के कार्यवाही को कवर करने की अनुमति दी जाए।'टैगोर ने कहा, ''मैं आपसे मौजूदा पाबंदियों पर पुनर्विचार करने और सभी मान्यता प्राप्त पत्रकारों को संसद की कार्यवाही कवर करने देने का अनुरोध करता हूं। ऐसा कोई भी कदम स्वतंत्र प्रेस की हमारी प्रतिबद्धता को मजबूत करेगा और यह सुनिश्चित करेगा कि हमारा लोकतंत्र मजबूत तथा पारदर्शी बना रहे।'

दोपहर का सामना
९३२४१७६७६९
सोमवार १ जुलाई २०२४ १०

संपादकीय

श्रेय की सेंधमारी

'सत्ता की बारी' आखिरी है!

लाखों वैष्णवों का मेला बड़े ही भक्तिभाव में पंढरी की ओर आगे बढ़ रहा है और यहां राज्य में सत्तारूढ़ दल बजट के प्रावधानों का श्रेय ले रहे हैं। दरअसल, कोई भी बजट सरकार का होता है, जिसका पार्टी श्रेय न लेने के ही संकेत होते हैं; लेकिन जो पार्टी सारी शर्तों और नीति-नियमों को ताक पर रखकर सत्ता में आई है, उससे हम संसदीय संकेतों, परंपराओं और राजनीतिक नैतिकता का पालन करने की उम्मीद कैसे कर सकते हैं? राज्य का कामकाज संभालने के बाद से 'तिघाड़ी सरकार' सभी संकेतों को कुचल रही है। सदन के सार्वभौम अधिकारों का घोर उल्लंघन कर रही है। (जैसे उनके गुरु मोदी दिल्ली में व्यवहार कर रहे हैं, वैसे ही उनके असंवैधानिक सरकारी चेले महाराष्ट्र में व्यवहार कर रहे हैं।) एक सरकार के रूप में लिए गए निर्णयों पर पार्टी श्रेय का लेबल लगाने के लिए जबरदस्त खींच-तान चल रही है। राज्य के बजट के प्रावधानों और योजनाओं के संदर्भ में भी 'बिगाड़ी' सरकार की 'तिघाड़ी' में यही खेल शुरू हो गया है। जो योजनाएं मुख्यमंत्री के नाम पर हैं, वे जैसे 'मिंधे' गुट की ही हैं, इस तरह की प्रसिद्धि पाने की छटपटाहट शुरू है। इस बजट ने किस तरह जनहित को साधा है, इसका पहाड़ा भाजपावाले ही कहते हैं कि १० जुलाई तक जनता के सामने पढ़ा जाएगा। सत्ता का तीसरा गुट भी 'जीत' भी मेरी 'पट' भी मेरी के जोश में जनता को इसकी जानकारी देगा कि कैसे उनके नेताओं ने वित्त मंत्री के रूप में लोकाभिमुख फैसले लिए। बजट खोखला है, तब भी तीनों सत्ताधारी दल ये हमारा ही श्रेय है, ऐसा कहते हुए एक-दूसरे पर ताल ठोक रहे हैं। ये सभी योजनाएं जनहित की हैं, लोगों को सीधे लाभ पहुंचाने वाली हैं, ऐसा इन मंडलियों का खोखला दावा है। क्या वो सचमुच वैसी हैं? उनका सीधा फायदा लोगों को क्या सच में मिलेगा? ऐसे कई प्रश्न अनुत्तरित हैं, फिर भी उसे लेकर खोखली खनखनाहट शुरू है। मूलतः बजट में हुई कई घोषणाओं की स्थिति 'कुएं में पानी नहीं, तो घड़े में कैसे आएगा' वाली है। राज्य के आधे जिलों में अभी तक बारिश नहीं हुई है; लेकिन बजट में सूखी घोषणाओं की वर्षा की गई। जुमलों की बाढ़ और झूठे आश्वासनों की अतिवृष्टि की गई। इन्हीं झूठे और जुमलेबाज आश्वासनों के गुब्बारों में श्रेय की हवा भरने का उद्योग सत्तापक्ष में चल रहा है। पिछले ढाई साल में राज्य की 'लाड़ली बहनों' को यह सरकार भूल गई थी। लेकिन लोकसभा चुनाव के झटके से उन्हें अचानक 'बहनों' की हिचकी (याद) आ गई। यहीं से 'मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिण' (मुख्यमंत्री मेरी लाडली बहना) के नाम से एक योजना की बजट में घोषणा की गई। अच्छा, प्यारी बहनों की चिंता किसे करनी चाहिए? तो जिस भाई ने बारामती में प्यारी बहन की प्रतिष्ठा मिट्टी में मिल जाए इसके लिए कोई भी कसर नहीं छोड़ी उसने? फिर, इन प्यारी बहनों के हजारों भाई पुणे-नासिक में नशे के दलदल में पाए गए हैं। कई किसान भाइयों के आज भी आत्महत्या करने के कारण उन भाइयों के लिए बहनें आक्रोश कर रही हैं। उन भाइयों को तो सरकार ने बेसहारा ही छोड़ दिया है। फिर भी बहनों के नाम पर यह जुमलेबाजी करने का दुस्साहस सत्ताधारी कर रहे हैं। हालांकि 'मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिण' योजना आकर्षक है, लेकिन राज्य की लाखों बहनें अनगिनत नियमों और शर्तों की उलझन को कैसे सुलझा पाएंगी? यह प्रश्न है। इसके अलावा महंगाई की आग आपने ही भड़काई है। ऐसे में आपकी बमुश्किल डेढ़ हजार की 'फूंक' बहनों को कितनी राहत दे पाएगी? ये भी एक सवाल है। इन सवालों का जवाब देने के बजाय सत्ताधारी दल श्रेय ले रहे हैं और अपनी छाती पीट रहे हैं। लोकसभा की ही तरह कल के विधानसभा चुनाव में भी जनता आपको हमेशा के लिए सत्ता से 'अनाथ' करनेवाली है। बजट की योजनाओं का कितना भी श्रेय ले लें, आपकी ये 'सत्ता की बारी' आखिरी ही है।

सम-सामयिक

लोकमित्र गौतम

सुरक्षित अमरनाथ यात्रा मोदी ३.० सरकार की पहली प्राथमिकता हो

पाकिस्तान के आतंकी गुट द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) की अमरनाथ यात्रियों पर हमले की खुली धमकियों तथा खुफिया एजेंसियों को हाथ लगे डरावने इनपुट्स के बीच २९ जून २०२४ से १९ अगस्त २०२४ तक यानी कुल ५२ दिनों की अमरनाथ यात्रा-२०२४ शुरू हो चुकी है। सीआरएफ की २३१ गाड़ियों में सवार होकर ४,६०३ तीर्थयात्रियों का पहला जत्था जब २९ जून को बालटाल और पहलगाम बेस कैंप पहुंचा तो स्थानीय वालंटियरों और सुरक्षाबालों का उत्साह देखने लायक था, लेकिन चुनौती यह है कि यह उत्साह अगले दो महीनों तक लगातार बना रहना चाहिए। क्योंकि पवित्र अमरनाथ यात्रा को आतंकी अपने कुत्सित इरादों के चलते छिन्न-भिन्न करना चाहते हैं, इसलिए इस बार की यात्रा पर आत्मघाती हमलों की आशंकाएं मंडरा रही हैं। दरअसल साल २०१९ में जम्मू-कश्मीर से धारा ३७० हटाने के बाद यह पहला ऐसा साल है, जब अमरनाथ यात्रा डर और दहशत के माहौल में हो रही है।

इसकी वजह है, जिस तरह से जम्मू-कश्मीर में हाल के लोकसभा चुनावों के दौरान मतदाताओं ने मतदान में बढ़-चढ़कर हिस्सेदारी की थी, उससे आतंकी चिढ़ गए हैं। उनकी यह चिढ़ इसलिए भी है क्योंकि जल्द ही जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव भी होने वाले हैं और आतंकियों को पता लग चुका है तब मतदाता और भी ज्यादा उत्साह से मत डालेंगे। इसलिए आतंकी चाहते हैं कि वह तुरत-फुरत में ऐसा कुछ कर दें कि जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव ही न हो। इसके लिए वो अमरनाथ यात्रियों पर कोई आत्मघाती हमला कर सकते हैं। क्योंकि कश्मीर में सफल लोकसभा चुनाव के बाद प्रदेश में सक्रिय आतंकी ही नहीं पड़ोस में बैठे उनके आका भी अंदर तक हिल गए हैं। ऐसे में वह किसी भी कीमत पर जम्मू-कश्मीर में दहशत का ऐसा माहौल बनाना चाहते हैं, जिससे दुनिया मान ले कि जम्मू-कश्मीर में शांति नहीं है।

यह आतंकियों की किस तरह मजबूत योजना का हिस्सा है, इसका पता इसी बात से लगता है कि जिस समय मोदी सरकार ३.० का राजधानी दिल्ली में औपचारिक रूप से गठन हो रहा था, ठीक उसी समय जम्मू में आतंकी दहशतगर्दी का माहौल बनाने के लिए आम लोगों विशेषकर तीर्थयात्रियों पर हमले कर रहे थे। मोदी ३.० सरकार के गठन के ७२ घंटों के भीतर जम्मू-कश्मीर में ३ जबरदस्त आतंकी हमले हुए। साल २०१७ के बाद यह पहली बार है, जब रियासी जिले में श्रद्धालुओं से भरी एक बस पर हमला किया गया, जिसमें १० श्रद्धालुओं की मौत हो गई। वैसे सुरक्षा तैयारियों के लिहाज से इस साल अमरनाथ यात्रा कहीं ज्यादा चाक-चौबंद है, लेकिन खुफिया एजेंसी को जिस तरह के इनपुट्स हाल में मिले हैं, उसके बाद से ही जम्मू क्षेत्र में सुरक्षा की ऐसी कवायद देखी गई है, जैसे हाल के दिनों में नहीं थी।

इससे जाहिर है कि इस साल की यात्रा पर जबरदस्त खतरा मंडरा रहा है, इसलिए मोदी सरकार को अतिरिक्त सतर्कता बरतते हुए आशंका के मुकाबले कहीं ज्यादा निपटने का इंतजाम करना होगा। वैसे देखा जाए तो ऐसे इंतजाम हुए भी हैं। यह पहला ऐसा मौका है, जब अमरनाथ यात्रा पर जाने वाले यात्रियों के बेस कैंप की सुरक्षा की जिम्मेदारी आईजी रैंक के अधिकारी संभालेंगे। इससे पहले एसएसपी रैंक के अधिकारी बेस कैंप की सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालते थे। वास्तव में पिछले दिनों जम्मू संभाग में ताबड़तोड़ हुए तीन आत्मघाती हमलों सहित रियासी जिले में तीर्थयात्रियों पर किए गए हमले ने आतंकियों के मसूबों का सुराग दे दिया है, इस कारण सुरक्षा व्यवस्था को जबरदस्त मजबूत बनाया गया है। यह पहला मौका है जब पूरे यात्रा मार्ग पर ड्रोन तैनात रहेंगे और पूरे यात्रा के दौरान १० सीसीटीवी सेंटर बनाए गए हैं, जहां पल-पल की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया जाएगा और जहां भी जरा सी खामी दिखेगी, तुरंत सीआरपीएफ की क्विक रिएक्शन टीम वहां मोर्चा संभालेगी। इस बार की अमरनाथ यात्रा के लिए सुरक्षा की तीन मजबूत लेयर बनाई गई है। जम्मू-कश्मीर पुलिस, फिर सेना और अंत में आतंकियों से निपटने वाली सीआरपीएफ की क्विक रिएक्शन टीम को तैनात किया गया है। यही नहीं पिछले एक महीने से विभिन्न स्तरों की सुरक्षा व्यवस्था में गहरा तालमेल बनाने के लिए लगातार आपातकालीन स्थितियों से निपटने हेतु मॉक ड्रिल हो भी रही है, जिससे यात्रियों की सौ फीसदी सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।

वैसे अमरनाथ यात्रा के लिए हमेशा सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रही है, इसके बावजूद १९९० से लेकर २०१७ तक यानी लगभग तीन दशकों में आतंकियों ने तीर्थयात्रियों पर ३६ बार हमले किए हैं और इन हमलों में ६७ लोग मारे गए हैं। तीर्थयात्रियों पर आतंकियों का सबसे बड़ा हमला अगस्त २००० में हुआ था, जब पहलगाम में आतंकियों ने तीर्थयात्रियों के पड़ाव पर हमला किया था और ३२ लोगों को मार डाला था। ६० लोग गंभीर रूप से घायल हुए थे। मगर इसके बाद से छोटी-मोटी घटनाएं तो होती रही हैं, वैसी बड़ी घटना नहीं हुई। अगर आंकड़ों के लिहाज से देखें तो २०१९ के बाद से आतंकियों के अरेस्ट होने और जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद की विभिन्न घटनाओं पर काफी कमी आई थी, लेकिन हाल के कुछ महीनों में जैसे कि आतंकी आत्मघात के जरिए दुनिया को यह संदेश देना चाहते हों कि जम्मू-कश्मीर में किसी तरह की शांति नहीं है, इसलिए पिछले चार महीनों में आतंकवादियों की आत्मघाती घटनाओं में काफी इजाफा हुआ है। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि आतंकियों के पास अब ऐसे उन्नत हथियार आ गए हैं, जिससे जरा सा मौका पाकर वे बहुत बड़ी दहशत फैला सकते हैं। खुफिया एजेंसियों के मुताबिक, इस समय जम्मू-कश्मीर में सक्रिय करीब २०० आतंकियों के पास छोटी मिसाइल सहित ४ तरह के घातक हथियार हैं, जिनमें छोटी मिसाइलें यानी हैंड ग्रेनेड के अलावा आईआईडी, चिपकने वाला बम और हमलावार ड्रोन भी उनके पास एक हथियार है, जिसकी बदौलत वो दूर से भी हमला कर सकते हैं।

मगर सरकार ने भी जबरदस्त सुरक्षा व्यवस्था बनाई है, इससे शायद ही आतंकी कुछ कर सकें। फिर भी यह यात्रा मोदी ३.० सरकार के लिए इसलिए अग्निपरीक्षा होगी, क्योंकि सुरक्षा व्यवस्था के ऐसे ही बड़े-बड़े दावों के बीच पिछले एक महीने के भीतर जम्मू-कश्मीर में ४ आतंकी हमले हो चुके हैं, इनमें से ३ हमले तो मौजूदा केंद्र सरकार की गठन प्रक्रिया शुरू होने के बाद से हुए हैं, महज ७२ घंटों के भीतर। इन ताबड़तोड़ हमलों के जरिए आतंकी पूरी दुनिया को यह संदेश देना चाहते हैं कि जम्मू-कश्मीर में कतई शांति नहीं, बल्कि उथल-पुथल का माहौल है। किसी भी कीमत में इन आतंकियों को अपने मंसूबों पर सफल नहीं होने देना चाहिए। इसके लिए सरकार को आशंका से कहीं ज्यादा सतर्क रहना होगा।

(लेखक विशिष्ट मीडिया एवं शोध संस्थान, इमेज रिफ्लेक्शन सेंटर में वरिष्ठ संपादक हैं)

(उपरोक्त आलेख में व्यक्त विचार लेखक के निजी विचार हैं। अखबार इससे सहमत हो यह जरूरी नहीं है।)

कॉलम 3

एम एम सिंह

कब होगी मछुआरों की रिहाई?

पिछले सप्ताह, २५ जून की सुबह श्रीलंकाई नौसेना ने जाफना के पास कांकेसंतुरई के पास श्रीलंकाई जलक्षेत्र में 'भारतीय अवैध शिकार करने वाले ट्रॉलरों के एक समूह को खदेड़ने' के लिए एक अभियान चलाया था। इस अभियान में एक ट्रॉलर-पोत जब्त कर लिया गया और १० मछुआरों को पकड़ लिया गया, जिनमें से आठ तमिलनाडु और बाकी आंध्र प्रदेश से थे। भारतीय (तमिलनाडु) मछुआरों के मरने के भी कई मामले सामने आए हैं। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने जहाज और लोगों को छुड़ाने के लिए विदेश मंत्री एस. जयशंकर से हस्तक्षेप की मांग की। गुरुवार को मुख्यमंत्री को भेजे अपने जवाब में जयशंकर ने कहा कि भारतीय उच्चायोग न्यायिक हिरासत में बंद ३४ मछुआरों और सजा काट रहे छह अन्य मछुआरों की शीघ्र रिहाई की मांग कर रहा है।

आश्चर्य की बात है कि विदेश मंत्री इस मौके को दोनों देशों के लिए बातचीत की प्रक्रिया को पुनर्जीवित करने के एक अवसर के तौर पर नहीं देख रहे हैं, जो विशेष रूप से मत्स्य पालन विवाद से निपटने के लिए, अपनी समुद्री सीमा रेखाओं के सीमांकन के लिए द्विपक्षीय समझौतों के मद्देनजर गंभीर हो गया था।

स्टालिन ने जयशंकर को संयुक्त कार्य समूह की बैठक बुलाने की याद दिलाकर अच्छा किया है, जो आखिरी बार, तकरीबन दो साल पहले आयोजित की गई थी। अंतर्राष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा को पार करने वाले भारतीय मछुआरों के सीमा लांघने के मामले पर पक्षपाती हुए बिना उनके आजीविका के अवसरों की सुरक्षा से संबंधित कारकों को समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण के महत्व से अलग नहीं किया जा सकता है। तमिलनाडु के मछुआरों द्वारा उपयोग किए जा रहे बॉटम ट्रॉलर को धीरे-धीरे बदलना जरूरी है। लेकिन मछुआरों को गहरे समुद्र में मछली पकड़ने, समुद्री पिंजरे में खेती, समुद्री शैवाल की खेती और प्रसंस्करण और समुद्री पशुपालन के विविधीकरण के लिए तैयारी करने के लिए समय की आवश्यकता होती है, उन्हें एक वक्त लगेगा। केंद्र द्वारा क्रियान्वित की जा रही गहरे समुद्र में मछली पकड़ने की परियोजना के अनुभव के चलते साफ तौर पर माना जा सकता है कि यह केंद्र सरकार की विफलता है। कार्यान्वयन के लगभग सात वर्षों के बाद, गहरे समुद्र में मछली पकड़ने वाले केवल ६१ जहाजों को लाभार्थियों को सौंपा गया है, जबकि १९ और निर्माणाधीन हैं। क्या नई दिल्ली और कोलंबो उत्तरी प्रांत के मछुआरों को नहीं चाहिए कि वे और भी अधिक मदद करने के लिए अतिरिक्त योजनाएं तैयार करें।

हमेशा की तरह केंद्र सरकार इस मामले में भी गंभीर नहीं दिख रही है। जो मछुआरे पहले से कैद में हैं और जो अभी-अभी पकड़े गए हैं उनको वापस लाने के लिए यह जरूरी है कि मामले की नजाकत को समझते हुए त्वरित निर्णय और कार्रवाई की जाए। साथ ही मछुआरों की तकलीफों को समझने की कोशिश की जाए कि आखिर क्यों वे उस इलाके में मछली पकड़ने जाते हैं, जहां पर उन्हें जान का खतरा होता है? यानी यह उनकी मजबूरी है! केंद्र सरकार और राज्य सरकार दोनों को मिलकर उनकी इस मजबूरी को दूर करना होगा। फिलवक्त उससे ज्यादा महत्वपूर्ण है मछुआरों की रिहाई।

(लेखक पत्रकार एवं स्तंभकार हैं।)

संपादक : **श्री उद्धव बालासाहेब ठाकरे** ■ निवासी संपादक (मुंबई) : **अनिल तिवारी*** ■ कार्यालय : **सद्गुरु दर्शन, नागू सयाजी वाड़ी, दैनिक सामना मार्ग, प्रभादेवी, मुंबई- ४०० ०२५** ■ मुद्रक -प्रकाशक : **विवेक कदम** द्वारा प्रबोधनकार ठाकरे संकुल, वाशी, नई मुंबई में मुद्रित एवं प्रकाशित। **टेलीफोन** : २४३७०५९१-९२ **टेलीफैक्स** : २४३११२७४ **email : dks.saamana@gmail.com आरएनआई पंजीकरण क्रमांक : ५४८७६/९३** *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार।

दोपहर का सामना
www.hindisaamana.com
epaper.hindisaamana.com
सोमवार १ जुलाई २०२४ ११

सियासतनामा

सैयद सलमान मुंबई

मजलूम बनाम जालिम

लोकसभा चुनाव के पहले इंडिया गठबंधन में शामिल दो राज्यों के मुख्यमंत्री जेल पहुंचा दिए गए। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल तो अभी भी जेल में हैं। निचली अदालत से जमानत मिलने के बावजूद जेल से रिहा होने से पहले ही उन्हें उच्च न्यायालय में अपील कर जेल से निकलने नहीं दिया गया। दूसरी तरफ झारखंड के मुख्यमंत्री रहते हुए हेमंत सोरेन भी केंद्रीय जांच एजेंसियों के रडार पर आए थे। हालांकि, उन्होंने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देकर चंपई सोरेन को मुख्यमंत्री पद सौंप दिया। आखिर उनकी गिरफ्तारी हुई और वो हाल ही में जेल से जमानत पर बाहर आए। विपक्ष का आरोप है कि अरविंद केजरीवाल और हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी बदले और राजनीतिक दुर्भावना से की गई। हेमंत सोरेन जमानत मिलने के बाद फिर से सक्रिय हो गए हैं। बहुत जल्द झारखंड में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। उनके बाहर आने से विपक्ष के हौसले बुलंद हुए हैं। विपक्ष को लग रहा है कि जल्द ही केजरीवाल को भी जमानत मिल जाएगी। सोरेन और केजरीवाल को अगर मजलूम बनाकर पेश करने में इंडिया गठबंधन कामयाब होता है तो भाजपा को जालिम होने का तमगा मिल जाएगा।

भीड़ का हिस्सा

बिहार में नीतीश कुमार को लेकर हमेशा संशय बना रहता है। उनकी राजनीतिक चालों को समझना आसान नहीं होता। कभी भाजपा और कभी राजद के साथ मिलकर सरकार बनाने का अनूठा रिकॉर्ड उनके नाम है। हालिया संपन्न हुए लोकसभा चुनाव में वो भाजपा के साथ थे। एनडीए सरकार के केंद्रीय मंत्रिमंडल में उन्हें ज्यादा महत्व मिलने की उम्मीद थी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ, फिर भी वो भाजपा के साथ बने हुए हैं। लेकिन उनका मन कचोट तो रहा ही होगा कि कहां वो कभी इंडिया गठबंधन के सूत्रधार थे और कहां एनडीए की भीड़ का हिस्सा बनकर रह गए हैं। अब उन्होंने बिहार को विशेष राज्य का दर्जा या विशेष पैकेज का मुद्दा उठाकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराने की कोशिश की है। जदयू की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में इस आशय का प्रस्ताव लाकर उन्होंने यह दिखाने का प्रयास किया है कि वो बिहार को लेकर गंभीर हैं। हालांकि, चर्चा है कि भाजपा अब उन्हें रास्ते से हटाकर किसी भाजपा नेता या चिराग पासवान को प्रोजेक्ट करने की रणनीति बना रही है। सुशासन बाबू की चतुराई की असल अग्निपरीक्षा अभी बाकी है।

अगला निशाना जेजेपी

जिन पार्टियों के साथ भी भाजपा पहले गठबंधन करती है उसे बाद में निपटा देती है। उसका अगला निशाना हरियाणा की जननायक जनता पार्टी (जेजेपी) है। हालांकि, जेजेपी ने लोकसभा चुनाव से पहले ही भाजपा से अलग होने का एलान कर दिया था। इसके बाद हरियाणा के तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर को इस्तीफा देना पड़ा था। तब भाजपा ने निर्दलीय विधायकों के समर्थन से सरकार बना कर अपनी साख बचाई थी। नायब सिंह सैनी को मुख्यमंत्री बनाया गया था। लेकिन लोकसभा चुनाव के नतीजों ने साबित कर दिया कि हरियाणा में सरकार के खिलाफ माहौल बन चुका है। खासकर किसान और जाटों का जबरदस्त विरोध है। ऐसे में भी भाजपा ने हरियाणा में अगला विधानसभा चुनाव अकेले लड़ने की घोषणा कर दिया है। यह किसी और को नहीं, बल्कि जेजेपी को खत्म करने का मंसूबा है। जेजेपी को अलग-थलग कर वह अपने राष्ट्रीय नेताओं की इमेज भुनाकर जेजेपी के वोट बैंक पर कब्जा करना चाहती है। अब जेजेपी की भूमिका पर सबकी निगाहें टिकी हुई हैं।

योगी और सहयोगी

नौकरियों में ओबीसी और एससी-एसटी आरक्षण को लेकर उत्तर प्रदेश की योगी सरकार अब अपने ही लोगों के निशाने पर है। हालिया लोकसभा चुनाव में सपा-कांग्रेस गठबंधन से पिछड़ने के बाद राज्य में भाजपा के सहयोगियों की नाराजगी सामने आई है। पहले केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल व अब निषाद पार्टी के मुखिया और यूपी में कैबिनेट मंत्री संजय निषाद ने ओबीसी रिजर्वेशन को लेकर योगी सरकार को घेरा है। दोनों ने योगी सरकार पर आरक्षण जैसे संवेदनशील मुद्दे को ठीक से हैंडल नहीं करने का आरोप लगाया है। गौरतलब है कि लोकसभा चुनाव में जिस तरह से विपक्ष ने संविधान और आरक्षण का मुद्दा उठाया, उसके आगे भाजपा की राम मंदिर, सांप्रदायिक भेदभाव, बुलडोजर या अपराधियों को ढेर करने वाली कोई रणनीति काम नहीं आई। भाजपा को अपनी इन्हीं उपलब्धियों पर नाज था, जबकि जनता को रोजी-रोटी की आस थी। भाजपा और योगी आदित्यनाथ जनता की इस नब्ज को अपने अहंकार के कारण पकड़ नहीं पा रहे। नतीजतन भाजपा के छोटे-छोटे सहयोगी दलों की भी अब जुबान खुल गई है।

(लेखक मुंबई विश्वविद्यालय, गरवारे संस्थान के हिंदी पत्रकारिता विभाग में समन्वयक हैं। देश के प्रमुख प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से जुड़े वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक विश्लेषक हैं।)

झांकी

अजय भट्टाचार्य

अनुप्रिया का चिट्ठी बम

लगता है दिल्लीशाही उत्तर प्रदेश में लोकसभा की हार को पचा नहीं पा रही है और सीधे-सीधे कोई एक्शन/प्रतिक्रिया से बचते हुए बाबाजी को घेरने की रणनीति पर लग गई है। केंद्रीय राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल के कंधे पर बंदूक रखकर बाबा पर पहला निशाना साधा गया है। अनुप्रिया ने उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार पर सवाल उठाते हुए योगी को एक पत्र लिखा है और उस पत्र में कहा है, प्रदेश सरकार की साक्षात्कार वाली नियुक्तियों में ओबीसी, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों को यह कहकर छांट दिया जाता है कि वे योग्य नहीं हैं और बाद में इन पदों को अनारक्षित घोषित कर दिया जाता है।' वैसे उत्तर प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था में यह कोई नई बात नहीं है। परचा लीक के बाद अगर सबसे ज्यादा चर्चा उत्तर प्रदेश में होती है तो यही कि फलाने विश्वविद्यालय या विद्यालय में कोई भी रिजर्व सीट उपयुक्त न मिलने यानी नॉट फाउंड सुटेबल कर दी गई यानी उस सीट के लिए आरक्षित वर्ग का कोई भी अभ्यर्थी मिला ही नहीं और बाद में उसे अनारक्षित करके सामान्य वर्ग में लाकर भर दिया जाता है। यह उच्च शिक्षा वाली सीटों में होने वाले खेल का फॉर्मूला अब नौकरियों में भी अजमाया जाने लगा है। कम से कम अनुप्रिया की चिट्ठी से तो यही निष्कर्ष निकलता है। जानकार कहते हैं कि साक्षात्कार वाली नियुक्तियों की अगर ढंग से जांच कराई जाए तो बहुत बड़ा घोटाला सामने आ सकता है। बहरहाल, २०१४ से अब तक अनुप्रिया पटेल राजग के साथ ही हैं और उन्होंने कभी भी इस तरह से प्रदेश सरकार पर सवाल नहीं उठाया है, उनका पहली बार इस तरह सवाल उठाना चौंकाता है। लखनऊ के दारुलसफा की कानाफूसियों पर भरोसा किया जाए तो भाजपा वही सीटें हारी है, जिनकी टिकटें वाराणसी आधारित जनसत्ता के एक पूर्व पत्रकार के जरिए बेचीं गई थीं। कहा जा रहा है बाबाजी ने इन उम्मीदवारों के प्रति नाराजगी भी जताई थी, मगर पार्टी अनुशासन के चलते बाबाजी चुप करा दिए गए। पूर्व पत्रकार छोटे सुल्तान का करीबी बताया जाता है। अनुप्रिया के चिट्ठी बम की ड्राफ्टिंग में पत्रकार का हाथ या पैर शामिल है कि नहीं, बाबाजी यही पता करने की कोशिश कर रहे हैं।

अपना दल (एस)

अनुप्रिया पटेल

27-06-24

-2-

इस सन्दर्भ में विनम्र अनुरोध है कि राज्य सरकार के अधीन सभी संस्थाओं द्वारा आयोजित सिर्फ साक्षात्कार आधारित नियुक्ति प्रक्रिया वाली प्रतियोगी परीक्षाओं में पिछड़े वर्ग और अनुसूचित जाति/जनजाति वर्ग हेतु आरक्षित पदों पर Not Found Suitable की प्रक्रिया बार-बार अपनाते हुए अंत में उन पदों को अनारक्षित घोषित करने की व्यवस्था पर तत्काल रोक लगाने हेतु प्रभावी कार्यवाही करके इन वर्गों से आने वाले अभ्यर्थियों में उत्पन्न हो रहे आक्रोश को रोकने का कष्ट करें।

यह भी अनुरोध है कि आवश्यक प्राविधान करते हुए सिर्फ साक्षात्कार आधारित नियुक्ति प्रक्रिया वाली प्रतियोगी परीक्षाओं में पिछड़े वर्ग और अनुसूचित जाति/जनजाति वर्ग हेतु आरक्षित पदों को सिर्फ इन्हीं वर्गों से आने वाले अभ्यर्थियों से भरा जाना अनिवार्य किया जाए चाहे इसके लिए जितनी भी बार नियुक्ति प्रक्रिया करनी पड़े।

सादर,

भवदीया

(अनुप्रिया पटेल)

प्रतिष्ठा में
श्री योगी आदित्यनाथ जी
मा0 मुख्यमंत्री
उत्तर प्रदेश सरकार
लखनऊ।

कांग्रेस बनाम बिकाऊ

हिमाचल प्रदेश की तीन विधानसभा सीटों देहरा, नालागढ़ और हमीरपुर में पर १० जुलाई को उपचुनाव होने वाले हैं। निर्दलीय विधायक होशियार सिंह ने भाजपा में शामिल होने के बाद देहरा सीट से इस्तीफा दिया था और अब भाजपा ने उन्हें ही उम्मीदवार बनाया है, जबकि मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की पत्नी कमलेश ठाकुर कांग्रेस प्रत्याशी के तौर पर चुनावी मैदान में हैं। क्षेत्र में यह चर्चा आम है कि निर्दलीय विधायक होशियार सिंह ने कमल खरीदा है और बिका हुआ कमल कभी नहीं खिलता। भाजपा के ईमानदार कार्यकर्ता भी बिकाऊ पूर्व विधायक होशियार सिंह को टिकट मिलने से खुश नहीं हैं। देहरा का उपचुनाव कांग्रेस और भाजपा के बीच नहीं, बल्कि कांग्रेस बनाम बिकाऊ विधायक हो चला है। १५ महीने पहले देहरा की जनता ने पांच साल के लिए जिसे विधायक चुनकर भेजा था, तब जनता ने वोट देते समय नहीं सोचा था कि सरकार कांग्रेस की बनेगी या भाजपा की। जनता ने आजाद विधायक चुनकर भेजा था। आजाद विधायक किसी भी सरकार से काम करवा सकते थे, लेकिन उन्होंने कांग्रेस सरकार बनने के बाद अपने काम को प्राथमिकता दी। जनता के कोई काम नहीं करवाए। आजाद विधायक १४ महीने में ही बिक गया। विधानसभा अध्यक्ष ने इस्तीफे का कारण पूछने के साथ बिकाऊ विधायक से कहा भी कि अगर आपके काम नहीं हो रहे थे तो भाजपा के साथ बैठ जाते। निर्दलीय विधायक यही कहते रहे कि इस्तीफा मंजूर कर लो। बिकाऊ विधायक अब इस्तीफा देकर भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ रहे हैं। गलती से जीत भी गए तो उनके काम कैसे होंगे, क्योंकि प्रदेश में साढ़े तीन साल तक कांग्रेस की पूर्ण बहुमत की सरकार है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं और देश की कई प्रतिष्ठित पत्र-पत्रिकाओं में इनके स्तंभ प्रकाशित होते हैं।)

काहें बिसरा गांव

पंकज तिवारी

गांव में सुखई और सबेरे की नींद

भिनसार होते ही मुरैला, गिलहरी, कौवा, कुक्कुर के साथ ही आदमियों की चहलकदमी भी चालू हो गई थी, जबकि झुरझुरी हवा तन और मन को अलसाई मुद्रा में झोंकने हेतु अमादा जान पड़ रही थी। खटिया बाहर लगाकर सोने वालों में रात भर मच्छर से कटवा चुकने के बाद भोर में बढ़िया नींद लेने वालों में से अधिकतर को तो मजबूरी में ही सही पर उठना पड़ गया था। सुखई को कब से काकी उठा रही थी भैंस लगाने के लिए पर वो हेंगर बने लगातार बात को टाले जा रहा था। रोज-रोज भैंस लगाना उसे भारी लगता था, जबकि काकी अंदर ही अंदर कलकला के रह जाती थी। सुखई के इसी करामात की वजह से कई-कई दिन तो भैंस कूद जाती और लगती ही नहीं थी। कई बार तो वो जान के कुदवा देता था कि हमें न लगाना पड़े पर ऐसा कभी नहीं हुआ, कोई विकल्प ही नहीं था। बेचारी पड़िया के लिए अलग से दूध का जुगाड़ करना पड़ता था। दुआर से लेकर सेंवार तक पूरा खेत ही खेत देखकर मन मगन हो अनंत की यात्रा पर निकल जाने को आतुर हो उठता था। केवला, कमला, चनरी, सुघरा सब इनारा के चबूतरा के पास बैठकर बासन मांज रही थीं। भोर की नींद किसको पसंद नहीं है इन सभी को भी थी, भोरे-भोरे बिस्तर छोड़कर उठना तो ये सब भी नहीं चाहती थीं पर लाज, शरम नाम की चीज भी थी तब, इसी वजह से उठ गई थीं। बासन मांजे जा रही थीं और बकर-बकर भी किए जा रही थीं, अपना पुराना किस्सा सुनाने में कोई मस्त है तो कोई सास, ननद और जेठानी की बुराई बताने में। केवला सबसे चालाक बनी बस सुनती थी सभी को और मजा लेती थी, जबकि चनरा को रोक पाना ही भारी होता था। किसी की भैंस दुबे के खेत में कूद गई थी, तो किसी को अइया के खेत में कीरा दउड़ा लिया था, कोई फुहरा के दिए गारी को ही बार-बार गाये जा रही थी तो कोई मटर के खेत में गायब

खुरपी की बात को ही नमक-मिर्च लगाकर परोस रही थी। इनरा घर के मेहरारुन खातिर चौपाल का बढ़िया अड्डा बन गया था। जामुन के छांह में सुबह से दोपहर और कब रात हो जाती थी किसी को पता ही नहीं चलता था। कका दूर घूर के पास बैठे सब कुछ देख रहे थे आधे घंटे के काम में घंटों लगाने वालों पर बरसना भी चाह रहे थे, पर परेशान थे कि मेरी तो कोई सुनेगा ही नहीं। चिल्लाकर बस अपना ही मुंह खराब करना होगा। पता है फिर भी बिना बोले उनसे भी नहीं रहा गया और चिल्ला ही दिए। 'का रे तोन्हन कबसे कबड़-कबड़ करथए, बसनवा मांजि के जल्दी देइ देते त कुछु कामउ आगे बढ़त, तोन्हनउ पता नाइ कहां से लियावथे एतना बात बकर-बकर करइ बिना।'

'चुप्पइ रह्य बुढ़ऊ बहुत बोल्य त जिनि, हम सब जवन करथई करइ दऽ, ओहर सोवत त हयेन सबेरेन से ओन्हइ त नाइ जगाइ पावत हय। आइ हय हमहिन सब के चेल्लाइ', सुखई की तरफ इशारा करते हुए चनरा बोले जा रही थी। 'कुल झार मगरइलइ पे उतारइ में सब के मजा आवथयऽ, भंइसि नाइ लागत बा ओहर नाइ देखात बा', बोलकर खूब जोर से हंस पड़ी चनरा।

कका को कुछ ऊंचा सुनाई पड़ता था इसीलिए का कहे...? का कहे...? कह के शांत हो गए, जबकि समझ तो रहे थे कि ई सब कुछ तो मजा ले रही हैं हमारा, पर क्या करें बुढ़ौती में बच्चों से इतना कौन भिड़े? कका अब वहीं नीम के नीचे दाना बीनती चिड़िया को देखने लगे और अपने पुराने दिनों में खो से गए जब अपने बबा के खटिया के नीचे नकली कीरा फेंक कर डराए थे और बबा कूद पड़े थे अपने खटिया से। गांव के ही चोंहर वैद्य को बुलाया गया था। पैर में बांस की फट्टी बांधकर महीनों रहना पड़ा था बबा को। आज कका को लग गया था कि हमें अपने बुजुर्गों का सम्मान करना ही चाहिए।

(लेखक बखार कला पत्रिका के संपादक एवं कवि, चित्रकार, कला समीक्षक हैं)

शब्दजाल

क्रमांक १२१

१		२	३	■	४	५			६	■	६अ
	■	७			■		■	■	८	९	
■	१०			■	११	■	१२		■		■
१३	■		■	१४		१५		■	१६		१७
१८	१९	■	२०		■		■	२१	■	२२	
२३				■	२४	■	२५			■	
	■	■	२६			२७			■	२८	■
२९	३०	३१	■	■	३२		■	३३			३४
■	३५		३६	३७	■		■		■	३८	
३९		■	४०		४१	■	४२	■	४३	■	
४४		■		■	४५			■		■	
	■	४६				■	४७				■

बाएं से दाएं

१. सिद्धारमैया इस राज्य के मुख्यमंत्री हैं।
४. अजय देवगन और तब्बू की एक फिल्म
७. पंकज, भाजपा का चुनाव चिन्ह
८. बसिन को पलटना है
१०. हल्दी, धनिया और मिर्ची का मिश्रण १२. मुनाफा
१४. एक सीध में
१६. तरंग, समुद्र में उठती है
१८. सांस की एक बीमारी
२०. जमने का भाव २२. घमंड
२३. विदेश, परदेस
२५. बेटी का पति
२६. देख कर अनदेखा करना
२९. बलपूर्वक शांत करना
३२. राजेश खन्ना की एक फिल्म
३३. घटना ३५. सुंघनी
३८. गफलत में पहेली का शब्द है
३९. महीना
४०. लिहाफ
४४. पूरा भिगा हुआ
४५. स्वामी
४६. पूर्वानुमान
४७. देशी रियासत

ऊपर से नीचे

१. ऋषि कपूर की एक फिल्म का नाम २. जहां पैसों की छपाई होती है ३. लक्ष्मी ५. न्यायाधीश
६. पशुओं का स्तन
६अ. दबदबा
९. चारपाई का वह भाग जिस तरफ सिर करके सोते हैं
११. मरने का भाव
१२. खेल तमाशा दिखाकर अपना जीवन यापन करनेवाली एक जाति
१३. झगड़ा, वार्तालाप १४. बराबर
१५. मार्ग, रास्ता १७. रात
१९. हार, २०. विनाश की ओर
२१. सत्ता का सामूहिक होने का स्वरूप २४. दरवाजे पर लटकाया गया कपड़ा २५. पिता के पिता
२७. बालि पुत्र
२८. जिसमें दाग न लगा हो
३०. मन को हरनेवाला ३१. नाड़ी
३४. लोहे का लंबा धारदार प्रसिद्ध हथियार ३६. वारण संबंधी
३७. छुट्टी ३९. शव का शोक
४१. धर्म विश्वास
४२. नौकरी करनेवाला
४३. मध्य रेलवे का एक स्टेशन

दोपहर का सामना
९३२४१७६७६९
सोमवार १ जुलाई २०२४ 11

आप भी जुड़िए

यदि आपको लगता है कि **दोपहर का सामना** की खबरें, आलेख व अन्य सामग्री आपके जीवन के लिए महत्वपूर्ण साबित हो रही हैं, इनका आप पर सकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है या ये सिस्टम की खामियां उजागर कर रही हैं तो आप अपनी प्रतिक्रिया हमारे व्हॉट्स ऐप नंबर पर लिखकर भेज सकते हैं। साथ ही आप अपने विचार, आलेख, रचनाएं व सुझाव भी हम तक भेज सकते हैं, ताकि हम उनके मूल्यांकन के बाद उन्हें उचित स्थान दे सकें। बतौर एक जागृत पाठक आप अपनी समस्याओं को भी **सिटीजन रिपोर्टर** और **संपादक के नाम पत्र** में छपने के लिए भेज सकते हैं।

आपके सहयोग की अपेक्षा के साथ
निवासी संपादक

९३२४१७६७६९
दोपहर का सामना
सद्गुरु दर्शन, नागू सयाजी वाड़ी, दैनिक सामना मार्ग, न्यू प्रभादेवी, मुंबई- ४०००२५

बच्चों का कोना

ऐसे खेलें- लोकप्रिय सूडोकू खेल बच्चे भी खेल सकें, इस लिहाज से यहां अंकों और आकृतियों वाले सरल सूडोकू बनाए गए हैं। इसमें बाएं से दाएं व ऊपर से नीचे १ से ४ या ६ तक के अंकों व विभिन्न आकृतियों को इस तरह जमाएं कि किसी भी पंक्ति एवं बॉक्स में कोई भी रिपीट न हो। हर पहेली का एक ही हल है।

नंबर सूडोकू क्र.१२१

3			1
1			
	1	2	3

सिमबोल सूडोकू क्र.१२१

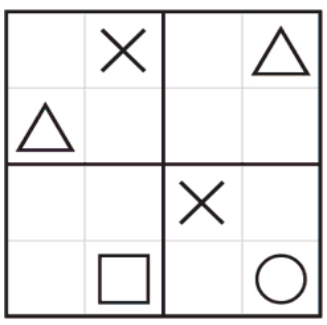

नंबर सूडोकू

1	2	4	3	5
3	5	1	4	2
5	4	3	2	1
2	3	5	1	4
4	1	2	5	3

उत्तर क्र. १२०

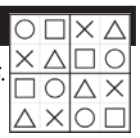

सिमबोल सूडोकू

4	3	47	48	45	44	
6				49		42
7	1	33	34	40	39	38
	8		31			37
10	15	16	30	28	27	26
11			20	29	25	
13		19				23

नंबर गेम क्र.१२१

ऐसे खेलें- नंबर गेम में कुछ रिक्त बॉक्स दिए गए हैं, शेष में नंबर लिखे हैं। पहेली के सबसे छोटे व सबसे बड़े नंबर को हाईलाइट किया गया है। आपको इन दोनों नंबरों के बीच के उन नंबरों को रिक्त बॉक्स में भरना है जो पहेली से नदारद हैं। इसका ख्याल रखें कि आप जो कोई नंबर लिखें उस नंबर के बॉक्स का कोई न हिस्सा या कोना लिखे हुए नंबर बॉक्स से सटा हो। बॉक्स करंट जारी रहे। आपकी पहेली सबसे छोटे नंबर से शुरू होकर सबसे बड़े नंबर पर खत्म होनी चाहिए। उदाहरण पहेली के हल में दर्शाया गया है।

उत्तर क्र. १२०

15	14	5	6	36	35	34
16	13	7	4	37	31	33
17	12	3	8	30	38	32
18	11	9	2	39	29	27
19	10	1	40	41	26	28
20	49	23	24	25	42	44
21	22	48	47	46	45	43

काकूरो गेम क्र.१२१

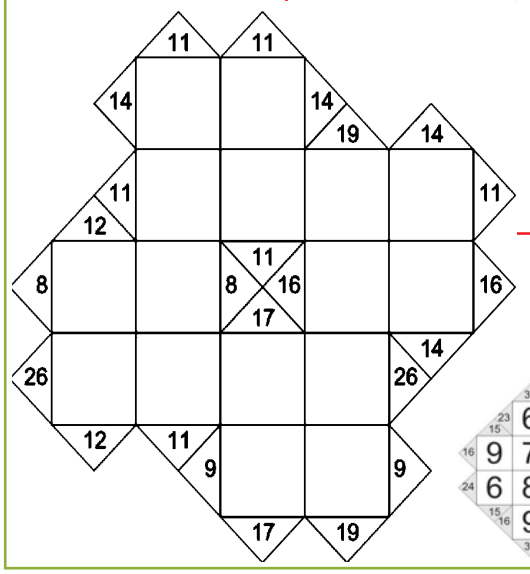

ऐसे खेलें- काकूरो संख्यात्मक खेल सूडोकू और वर्ग पहेली का परिष्कृत रूप है। इसमें सभी रिक्त स्थानों को १ से ९ अंकों से इस तरह भरना है, ताकि प्रत्येक खड़े या लंबवत जुड़े समूह में संख्याएं समान न हों और समूह की संख्याएं उस समूह के सामने के बॉक्स की जोड़ राशि बताएं। प्रत्येक समूह के सामने एक संख्या को बॉक्स में रखा गया है, जो उस समूह की सभी संख्याओं का कुल योग है।

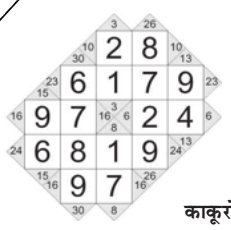

काकूरो उत्तर-१२०

सू-डो-कू क्र- १२१

		3			2	5		
		7		3	5			8
6		1			7		4	
	3		5	9	6			
4	7			1			3	
				7		8	1	5
	1		8			9		7
			4	6			5	3
3	6	2	7					

सूडोकू उत्तर .१२०

6	9	5	7	1	8	3	2	4
7	3	8	2	6	4	1	9	5
1	2	4	9	3	5	7	8	6
4	6	1	8	5	3	9	7	2
3	7	9	4	2	1	6	5	8
8	5	2	6	9	7	4	1	3
2	4	6	5	7	9	8	3	1
5	1	7	3	8	6	2	4	9
9	8	3	1	4	2	5	6	7

ऐसे खेलें- पहेली के बाएं से दाएं व ऊपर से नीचे दिए गए ३×३ बॉक्स में १ से ९ तक के नंबर इस तरह जमाएं कि कोई नंबर रिपीट न हो। साथ ही हरेक खड़ी व लंबवत पंक्ति के किसी भी बॉक्स में कोई भी नंबर रिपीट न हो। हर पहेली का एक ही हल है।

दैनिक पंचांग

पं.अतुल शास्त्री
ज्योतिषाचार्य

तिथि	दशमी
नक्षत	अश्विनी/भरणी
पक्ष	कृष्ण
करण	विष्टि भद्र
योग	सौभाग्य
वार	सोमवार

सूर्य-चंद्र संबंधी गणनाएं

सूर्योदय	०५:४५:३६
चंद्रोदय	०२:११:१७
चंद्र राशि	मीन
सूर्य राशि	मिथुन
चंद्रास्त	१४:५६:०३
सूर्यास्त	०७:१५:३६
ऋतु	ग्रीष्म

हिंदू मास एवं वर्ष

शक संवत्सर	१९४६
विक्रम संवत	२०८१
हिजरी सन्	१४४६
सूर्य	दक्षिणायण
दिशाशूल	पूर्व

शुभ-अशुभ समय

राहुकाल	०७:२७ - ०९:०९	
यम घंट	१०:५० - १२:३१	
अभिजीत	१२:०४ - १२:५८	
अमृतकाल	११:२३ - १२:३१	

दिन का चौघड़िया

अमृत	०५:४६ - ०७:२७	शुभ
काल	०७:२७ - ०९:०९	अशुभ
शुभ	०९:०९ - १०:५०	शुभ
रोग	१०:५० - १२:३१	अशुभ
उद्वेग	१२:३१ - १४:१२	अशुभ
चर	१४:१२ - १५:५३	शुभ
लाभ	१५:५३ - १७:३४	शुभ
अमृत	१७:३४ - १९:१६	शुभ

रात का चौघड़िया

चर	१९:१६ - २०:३४	शुभ
रोग	२०:३४ - २१:५३	अशुभ
काल	२१:५३ - २३:१२	अशुभ
लाभ	२३:१२ - ००:३१	शुभ
उद्वेग	००:३१ - ०१:५०	अशुभ
शुभ	०१:५०- ०३:०९	शुभ
अमृत	०३:०९ - ०४:२८	शुभ
चर	०४:२८- ०५:४६	शुभ

आपके सितारे

डॉ.बालकृष्ण मिश्र
ज्योतिषाचार्य

मेष: अधूरे कार्य पूर्ण होने का संजोग आ गया है। सारे अधूरे कार्य आप पूर्ण करें इससे आय के स्रोत में भी वृद्धि होगी। **वृष:** अतिथि के आवागमन से आपका दैनिक कार्य कुछ बाधित हो सकता है, लेकिन अतिथि का अनादर करना आपके लिए हानिकारक होगा। **मिथुन:** प्रत्येक कार्य को आप अच्छे ढंग से पूर्ण करेंगे। आपके कार्य की पूर्णता को देख कर के अनेक लोग आपका बखान भी करेंगे। **कर्क:** बड़े-बुजुर्गों के ही आशीर्वाद से हर कार्य आपका पूर्ण होगा। **सिंह:** क्रोध एवं लोभ का परित्याग करें। सारे अधूरे कार्य आपके पूर्ण होंगे। समय आपके अनुकूल हैं। **कन्या:** आपके जीवन में कुछ मानसिक ग्लानि भी हो सकती है। संयम से काम ले। **तुला:** किसी नए व्यक्ति से मुलाकात होना संभव है। उस व्यक्ति के सहयोग से आप नई योजना भी बना सकते हैं और योजना भी सफल होगी। **वृश्चिक:** ग्रहों की स्थिति आप के प्रति लाभकारी होगा, लेकिन बुजुर्गों से आशीर्वाद लेना न भूलें। **धनु:** शनि की साढ़ेसाती का प्रभाव है। प्रतिदिन हनुमान चालीसा का पाठ करें एवं हनुमान जी का दर्शन आपके लिए लाभकारी होगा। **मकर:** क्रोध एवं अन्याय का परित्याग करना आपके लिए लाभकारी होगा, क्योंकि आपकी राशि का स्वामी शनि है। शनि कभी भी अन्याय बर्दाश्त नहीं करते हैं। **कुंभ:** आर्थिक मामलों में विशेष सावधानी रखना आपके लिए आवश्यक है। **मीन:** प्रत्येक कार्य आप बड़े अच्छे ढंग से संपादित करेंगे। आय में भी वृद्धि होगी।

दोपहर का सामना
www.hindisaamana.com
epaper.hindisaamana.com
सोमवार १ जुलाई २०२४ 13

तड़का

कविता श्रीवास्तव

राहत देता ईवीएम

तमाम राजनीतिक चर्चाओं के बीच एक अच्छी खबर यह आई कि लोकसभा चुनाव में ईवीएम का उपयोग होने से लगभग दो लाख पेड़ों को बचाया जा सकता है। जाहिर सी बात है कि यदि बैलेट पेपर पर चुनाव होते तो भारी मात्रा में कागज का उपयोग होता और उतनी संख्या में पेड़ काटे जाते। चूंकि ईवीएम इलेक्ट्रॉनिक माध्यम है। उसके प्रयोग से डिजिटल वोटिंग हुई और उसी तरह गिनती भी हुई। इससे भारी मात्रा में कागज को बचाया जा सकता है। यह बात मन को शीतलता प्रदान करती है, क्योंकि ग्लोबल वॉर्मिंग ने सारी दुनिया की चिंता बढ़ाई है। इस साल भारत में भी लोगों ने गर्मी में कुछ ज्यादा ही तपिश महसूस की। हम जानते हैं कि पेड़ों की बेतहाशा कटाई से पर्यावरण को भारी नुकसान हो रहा है। ग्लोबल वॉर्मिंग के कारण धरती के ऊपर गर्मी से बचाने वाली ओजोन परत का भी क्षरण हो रहा है। हर तरफ कोशिश हो रही है कि वनभूमि को, हरियाली को, पेड़ों को बचाया जाए। तमाम विरोधों और बारंबार मांग के बावजूद सरकार ने बीते लोकसभा चुनाव में ईवीएम का इस्तेमाल किया। इस वजह से दो लाख पेड़ कटने से बच गए। यह बात देश के पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने इसे बड़ी उपलब्धि बताते हुए कहा कि भारत ने दो लाख पेड़ों को कटने से बचाया। उनकी बात सच है, क्योंकि बैलेट पेपर को तैयार करने के लिए निश्चित ही बड़ी संख्या में पेड़ों की बली चढ़ती। उन्हें बचाकर हमने सच में पर्यावरण के क्षेत्र में भी इसने अहम भूमिका निभाई है। दरअसल, ईवीएम से चुनाव कराने से पूरी दुनिया को यह मैसेज गया कि कैसे हम इस टेक्नोलॉजी का यूज करके पेड़ों को बचा सकते हैं। ध्यान रहे कि कागज बनाने के लिए लकड़ियां प्रदान करने वाली वन भूमि की कमी से ग्लोबल वॉर्मिंग बढ़ती है। पेड़ों के कटने से अन्य पौधे और जानवरों के आवास को नुकसान पहुंचता है। जैव विविधता भी नष्ट हो जाती है। इसी तरह कागज को चमकाने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली ब्लीचिंग प्रक्रिया क्लोरीन छोड़ती है, जो एक ऐसा विष है, जो पर्यावरण को विषाक्त करता है। लेकिन अब अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ढेर सारे काम डिजिटल हो रहे हैं। तमाम फाइलें और रिकॉर्ड्स भी डिजिटल हो रहे हैं। कागज के कम से कम प्रयोग पर जोर दिया जा रहा है। पर्यावरण की रक्षा को लेकर इस तरह की खबरें वाकई राहत देती हैं। ईवीएम से पर्यावरण को लाभ हुआ है तो यह भी बहुत बड़ी उपलब्धि है। हमें अपनी टेक्नोलॉजी अपने कामकाज में और आम जनजीवन में भी इसी तरह पर्यावरण को बचाने के लिए जो भी संभव उपाय हो उन पर ध्यान देना जरूरी है, ताकि किसी भी तरह ग्लोबल वॉर्मिंग को कम करने में हमारा साथ हो। अपने पर्यावरण को हम सुरक्षित रख पाएं ताकि मानव जीवन सुरक्षित रहे।

राजस्थान में आया पोपाबाई राज!

राजस्थान का रण

गजेंद्र भंडारी

भजनलाल सरकार पर लगातार कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा हमलावर हैं। डोटासरा ने बीजेपी को जमकर घेरा। उन्होंने भजनलाल सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि राजस्थान में तो पोपाबाई राज आ गया। यहां किसी मंत्री को नहीं पता कि क्या चल रहा है? डोटासरा ने सरकार पर युवाओं को नौकरी न देने पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि सरकार ने ७ महीने में खुद की निकाली भर्ती में ७ लोगों को नौकरी नहीं दी और सीएम खुद ही अपनी पीठ थपाथपा रहे हैं। भजनलाल सरकार को लेकर डोटासरा ने कहा कि सरकार में खींचतान बनी हुई है। यहां ६ महीने में खींचतान शुरू हो गई। डोटासरा ने कहा कि यहां कौन मंत्री रहेगा, कौन मुख्यमंत्री ढूंढ़ने में १० दिन लगा दिए थे, लेकिन अब काम नहीं कर पा रहे हैं। झुंझुनू में यमुना के पानी को लेकर सीएम ने आश्वासन दिया। इस पर डोटासरा ने कहा कि सीएम कह रहे हैं कि यमुना का पानी लाएंगे, कब ला देंगे, ला दीजिए, पता नहीं कब पर्ची बदल जाए और दिल्ली से फरमान आ जाए। डोटासरा ने तंज कसते हुए कहा कि जो करना है कर दीजिए, अगर पानी ऐसे नहीं आ रहा तो एक मटका भरकर ला दीजिए। डोटासरा ने कहा कि कुंभाराम परियोजना को आगे बढ़ाए बिना यमुना का पानी नहीं आएगा।

दिलावर ने मारी पलटी

आदिवासी समाज को लेकर शिक्षामंत्री मदन दिलावर के बयान के बाद सियासत कम नहीं हो रही है। रविवार को जयपुर में बांसवाड़ा सांसद राजकुमार रोत ने मदन के आवास पहुंचकर डीएनए के लिए ब्लड सैंपल देने का प्रयास किया। हालांकि, उन्होंने पुलिसकर्मियों की मदद से अपना ब्लड सैंपल सौंपा। इसी बीच पूरे मामले को लेकर शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने एक बार फिर आदिवासियों को लेकर बयान देते हुए कहा कि इस देश में रहने वाले सभी लोग आदिवासी हैं और आदिवासी सबसे श्रेष्ठ हैं। दिलावर ने कहा कि इस देश में रहने वाले सभी जाति के लोग आदिवासी रहे हैं, इस देश में अनादि काल से रहने वाले लोग आदिवासी हैं और मैं भी आदिवासी हूं। मदन दिलावर ने कहा कि इस देश में रहने वाले ब्राह्मण, राजपूत और सभी वर्ग आदिवासी रहे हैं और आदिवासी हमेशा से ही पूजनीय रहे हैं और देश में रहने वाले सभी आदिवासियों का हम सम्मान करते हैं। पहले शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने अपने एक बयान में कहा था कि जो आदिवासी खुद को हिंदू नहीं मानते उन्हें डीएनए टेस्ट करवा लेना चाहिए कि उनका बाप कौन है, जिसके बाद मामला काफी गरमा गया और आदिवासी पार्टी ने इस बयान पर आपत्ति जताते हुए मदन दिलावर से माफी मांगने को कहा। इसके बाद शनिवार को आदिवासी पार्टी की ओर से विरोध प्रदर्शन कर शिक्षा मंत्री से इस्तीफा की मांग रखी गई।

अपनों से ही परेशान

लोकसभा चुनाव के बाद एक बार फिर दौसा में सियासत का टेंपरेचर हाई हो गया है। कैबिनेट मंत्री किरोड़ी लाल मीणा के इस्तीफा देने वाले बयान पर राजनीति अभी थमी भी नहीं थी कि दौसा बीजेपी के पूर्व जिला अध्यक्ष अमर सिंह कसाना के बयान ने हलचल मचा दी है। कसाना ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट लिखकर विधानसभा उपचुनाव से पहले सियासत को गरमा दिया है। उन्होंने कहा है कि दौसा जिला भाजपा अध्यक्ष समेत पूरे संगठन को लोकसभा चुनाव में बीजेपी की हार को देखते हुए नैतिकता के आधार पर इस्तीफा दे देना चाहिए। इनको पद पर रहने का कोई अधिकार नहीं है। अगर इन्होंने समय रहते हुए इस्तीफा नहीं दिया तो आने वाले विधानसभा उपचुनाव में दौसा की सीट पर बीजेपी को भारी नुकसान होगा। कसाना ने पार्टी के शीर्ष पदाधिकारियों को अपील करते हुए लिखा कि मैं प्रदेश नेतृत्व और राष्ट्रीय नेतृत्व से आग्रह करना चाहता हूं कि भाजपा की दौसा में स्थिति बहुत खराब है इसलिए संगठन पर विशेष ध्यान दें। दौसा सीट पर बैरवा, गुर्जर या मीना को टिकट दिया तो भाजपा की जीत होगी अन्यथा जातीय समीकरणों के आधार पर भाजपा की हार लगभग तय है। दौसा सीट परिणाम में कांग्रेस के मुरारी लाल मीणा ने दौसा लोकसभा क्षेत्र से जीत दर्ज की और बीजेपी को करारी हार का सामना करना पड़ा। अब हार के बाद पूर्व जिला अध्यक्ष द्वारा सोशल मीडिया पर लिखी गई पोस्ट ने बीजेपी नेताओं में हलचल पैदा कर दी है।

मनमोहन सिंह

'माइक्रो चीटिंग' बेवफाई नहीं!

अपनी जिंदगी के ४० वसंत देख चुकी सीमा को जब जिम में वर्कआउट करते वक्त ३० साल के अमीत अहलावत ने हंसते हुए कहा, अरे आपको वर्कआउट करने की क्या जरूरत है? आप तो एकदम फिट हैं तो हल्की सी शरमा गई उसे उसका टोकना बुरा नहीं लगा। यह सिलसिला अलग-अलग जगह पर अलग-अलग तरीके से जारी रहा। शाम के वक्त जब मंजू अपनी महिला साथियों के साथ जॉगिंग पर जाती अमित से टकरा जाती।

लगभग महीना बीत गया। एक शाम जब सीमा जॉगिंग कर रही थी अमित ने उसे इशारों से रोकने को कहा और वह रुक भी गई। उसके दोस्त आगे निकल गए। अमित ने कहा, 'कहां इन लोगों के साथ अब जॉगिंग कर रही हैं? कहां ये और कहां आप! आपको देखकर तो मॉडल भी शरमा जाए।' सीमा ने जॉगिंग के लिए फिटिंग पहन रखी थी उस उसको समझ में आ रहा था कि अमित का इशारा किस तरफ था।

'तुम भी किसी मॉडल से कम नहीं हो

मॉडलिंग क्यों नहीं करते अमित?'

'बिल्कुल करूंगा तुम साथ रहो तो...'

'दोनों मिलकर करते हैं...' कहते हुए सीमा आगे बढ़ गई, क्योंकि उसके दोस्त उसे बुला रहे थे!

जब वो घर पहुंची तो उसका पति पवन आज जल्दी घर पहुंच चुका था, उसने चाय बनाने के लिए कहा। वो किचन में जा ही रही थी कि उसके फोन में एक मैसेज चमक उठा। यह अमित

का मैसेज था। वो चेंज करने अपने बेडरूम में पहुंची। उसने दरवाजा बंद किया और मैसेज चेक करने लगी। मैसेज में जॉगिंग करते हुए उसकी एक तस्वीर थी। तस्वीर की एंगल कुछ इस तरह थी कि वह खुद ही शरमा गई। तुरंत मैसेज आया।

'गुस्सा तो नहीं हो? क्या करुं... खुद को रोक नहीं पाया... यू आर सच ए स्वीट एंड....'

उसने तुरंत टेक्स्ट कर पूछा, 'स्वीट एंड व्हाट?'

उसका कोई जवाब नहीं आया। उसने फिर वही सवाल दोहराया, 'आय एम स्वीट एंड व्हाट?'

वहां से जवाब आया, 'सेक्सी'

साथ में आया एक इमोजी दिल का। सीमा ने भी दो दिल वाला इमोजी भेज दिया।

बाहर से पवन की आवाज आई, 'चाय का क्या हुआ...?'

उसने जवाब दिया, 'चेंज कर रही हूं इतनी भी क्या जल्दी है...?'

जबकि हमेशा वो पवन के आते खुद ही चाय बना कर उसे दे देती थी। आज उसे आने में भी देरी हुई थी फिर भी पवन को ही सुना रही थी। पवन को आश्चर्य हुआ, लेकिन रिएक्ट नहीं किया।

सीमा ने टेक्स्ट किया, 'चाय बना रही हूं उनके लिए... बाद में चैट करती हूं!'

'थोड़ा रुक जाओ'

'प्लीज समझो चाय जरूरी है, वरना नाराज हो जाएंगे '

'...और हमारी नाराजगी?'

'प्लीज गुस्सा मत करो'

'कैच यू डिनर के बाद'

'पक्का'

रात के १० बज गए थे, सीमा अमित के मैसेज का इंतजार कर रही थी। वो बार-बार मैसेज चेक कर रही थी। सीमा अपने पति के साथ ड्राइंग रूम में बैठकर टीवी देख रही थी। फिल्म सीमा के फेवरेट सलमान खान की थी, लेकिन आज उसका ध्यान फिल्म पर नहीं था। आखिरकार पवन ने पूछा ही लिया, 'क्या बात है आज तुम्हारा ध्यान सलमान खान पर नहीं, बल्कि तुम्हारे फोन पर है?'

सीमा ने कोई रिएक्ट नहीं किया। उसने फिर हंसते हुए पूछा, 'क्या सलमान ने शादी से मना कर दिया?' सीमा ने इस दफा भी कोई जवाब नहीं दिया। वो उठकर बेडरूम में चली गई। उसने अमित को मैसेज किया,

'कहां गायब हो गए कब से वेट कर रही हूं... फिक्र ही नहीं है!'

कुछ सेकेंड के बाद अमित का हंसता हुआ इमोजी आया।

'अब पता चला इंतजार क्या होता है? मैं तो रोज इंतजार करता रहता हूं तुम्हारे दीदार का'

'सॉरी किचन में ज्यादा टाइम लग गया। अब से तुम्हें कोई शिकायत नहीं होगी'

'पक्का'

'बिल्कुल पक्का'

और सीमा अपने पति पवन के साथ अपने फेवरेट हीरो सलमान खान की फिल्म छोड़कर अमित के साथ चैट में बिजी हो गई। फिल्म खत्म हो गई पवन बेडरूम में आ गया।

उसने तुरंत फोन बंद कर दिया। अमीत ने पूछा, 'तुम्हारी तबीयत ठीक नहीं है?'

'हल्का सा सिरदर्द है सो जाती हूं, ठंड सी लग रही है' कहते हुए सीमा ने ब्लैकेट ओढ़ लिया। पवन ने पूछा, 'एसी बंद कर दूं।' सीमा ने कोई जवाब नहीं दिया। नींद सीमा से कोसों दूर थी। उसका ध्यान उन मैसेज पर था जो लगातार उसके फोन पर आ रहे थे। आधा घंटा बीत गया। उसने ब्लैकेट हटाया। पवन सो गया था।

क्रमशः

दोपहर का सामना
९३२४१७६७६९
सोमवार १ जुलाई २०२४ १४

बारिश से बचने के लिए कार बनी घर!

उद्योगपति आनंद महिंद्रा ने अपने सोशल मीडिया पर एक लड़की का वीडियो शेयर किया है, जो बारिश से बचने के लिए अपनी गाड़ी को ही घर बना देती है। लड़की के इस कारनामे को देखकर उद्योगपति आनंद महिंद्रा भी शॉक्ड हो गए और उन्होंने खुद इस अपार्टमेंट को किराए पर लेने की मांग कर दी। ये वीडियो उन्होंने एक्स पर शेयर किया है। इस वीडियो में दिख रहा है कि एक लड़की आउटडोर कैंपिंग करती है। सबसे पहले लड़की एक टेंट लगाती है, जिसे वो अपनी गाड़ी से अटैच करती है। इसके बाद वो टेंट को अपने कमरे की तरह सजाती है। इसी के साथ वो टेंट में एक अलग से डाइनिंग एरिया भी बनाती है। गाड़ी के पास ही एक दूसरा टेंट लगाती है, जिसमें बाथरूम की सुविधा होती है। गौरतलब है कि लड़की ने अपनी गाड़ी को जिस तरह से एक घर में बदला है, ऐसे में उसके टैलेंट को देखकर सोशल मीडिया पर लोग लड़की की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। लोगों को कैंपिंग का ये अनोखा तरीका काफी पसंद आ रहा है।

राजस्थान में बिजली का 'कटआउट'

सब्र भी हुआ कटआउट!

ट्रक, ट्रैक्टर और बाइक से मोबाइल हो रहे चार्ज

राजस्थान में भजनलाल सरकार में नागरिकों की हालत खराब है। राज्य का जिला भीलवाड़ा में बिजली का 'कटआउट' ज्यादा होने से लोगों का सब्र 'कटआउट' हो गया है। बिना घोषणा के हो रहे बिजली कट से जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। लोग अपने मोबाइल फोन पर निर्भर हैं, लेकिन चार्जिंग के लिए उन्हें ट्रैक्टर, ट्रक और बाइक से जुगाड़ करना पड़ रहा है।

मिली जानकारी के अनुसार, भीलवाड़ा के लोग अब बिना बिजली के दिन गुजार रहे हैं। कई घंटों तक बिजली जाने से घरों में अंधेरा छा जाता है, पंखे और कूलर बंद हो जाते हैं और खाना बनाना भी मुश्किल हो जाता है। कनेक्टिविटी के लिए मोबाइल एकमात्र साधन है, लेकिन चार्ज करने की समस्या लोगों को परेशान कर रही है। स्थानीय लोग बिजली कंपनी की कार्रवाई से नाखुश हैं और उन्होंने बिजली कट को लेकर शिकायत की है। वे मांग कर रहे हैं कि बिजली कंपनी बिजली कट की समस्या का समाधान करे। नागरिकों का कहना है कि बिना बिजली के हम कितने लाचार हैं। सरकार और बिजली कंपनियों को बिजली सप्लाई में सुधार करने के लिए जरूरी कदम उठाने की जरूरत है। जिले में बिजली कट की समस्या का समाधान हो और लोगों को राहत मिले, इसके लिए सरकार और बिजली कंपनी को ठोस कदम उठाने की जरूरत है।

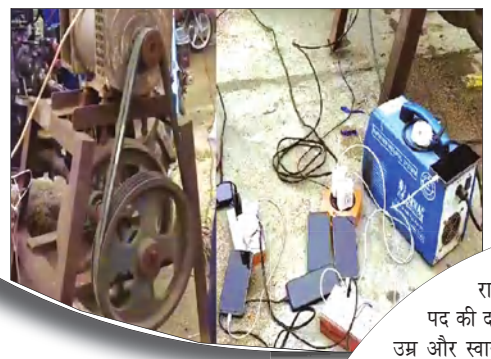

डेटिंग ऐप के इश्क में लगा झटका

डेटिंग ऐप के जरिए इश्क की तलाश में जुटे एक युवक को जोरदार झटका लगा है। दिल्ली में रहने वाले युवक को एक हजार रुपए के खाने का बिल एक लाख रुपए चुकाना पड़ा है। दरअसल, दिल्ली में एक डेटिंग ऐप के माध्यम से लोगों को लूटने वाला गैंग सक्रिय है। इस गैंग की जानकारी दिल्ली पुलिस को तब चली, जब २४ जून को एक शिकायतकर्ता जो यूपीएससी की तैयारी कर रहा होता है, वो दिल्ली के शकरपुर थाने में पहुंचता और बताता है कि उसकी दोस्ती डेटिंग ऐप पर एक २४ साल की लड़की से हुई थी, जिसने अपना नाम वर्षा बताया था। उस लड़की ने शिकायतकर्ता को विकास मार्ग के एक रेस्तरां में बुलाया, जहां पर उसे बंधक बनाकर सवा लाख रुपए का बिल वसूला गया है। पीड़ित की शिकायत पर दिल्ली पुलिस ने ठगी और आपराधिक षड्यंत्र की साजिश के तहत एफआईआर दर्ज की और जांच में जुट गई। पुलिस ने इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। फिलहाल, पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इस गैंग ने कितने और लोगों को अपनी ठगी का शिकार बनाया है।

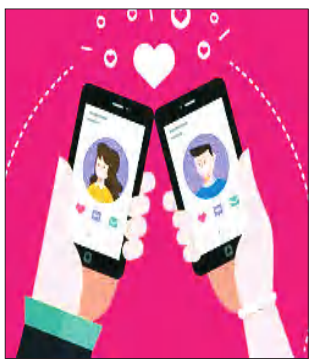

छोटी गाड़ी भी बीएमडब्ल्यू लगती है

इंटरनेट पर वायरल कुछ वीडियोज दिल को छू जाते हैं। हाल ही में एक वीडियो वायरल हुआ, जिसे देखकर यूजर्स का कहना है कि जब मेहनत खुद की हो तो चेहरे पर ऐसी ही खुशी झलकती है। दरअसल, इस वीडियो में एक शख्स नई ऑटो के साथ सेल्फी ले रहा है। ये ऑटो उसने ही खरीदा है। ऐसे में इसकी मेहनत की खुशी इसके चेहरे पर साफ झलक रही है। शख्स नए ऑटो के आगे बैठकर मोबाइल से सेल्फी ले रहा है। लोगों का कहना है कि मेहनत सबकी रंग लाती है और मेहनत की खुशी की बात ही अलग होती है। एक यूजर ने लिखा है कि मेहनत करके हर सपने को पूरा किया जा सकता है। वहीं एक अन्य यूजर ने लिखा है कि जब मेहनत खुद की हो तब छोटी गाड़ी भी बीएमडब्ल्यू लगती है। बता दें इस वीडियो पर अब तक ६.७४ लाख से अधिक व्यूज आ चुके हैं और इसे ४१ हजार से अधिक लोगों ने लाइक भी किया है।

४ बजे के बाद काम नहीं कर पाते बाइडेन

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन की राष्ट्रपति पद की दावेदारी पर खतरा मंडराने लगा है। उनकी उम्र और स्वास्थ्य के चलते सवाल खड़े हो रहे हैं कि क्या वो राष्ट्रपति के तौर पर अगला कार्यकाल पूरा करने में सक्षम होंगे? इसी बीच एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि जो बाइडेन ६ घंटे से ज्यादा काम करने में सक्षम नहीं हैं। वो शाम के ४ बजे के बाद काम नहीं कर पाते। रिपोर्ट में व्हाइट हाउस के ही एक कर्मचारी ने खुलासा किया है कि ८१ साल के जो बाइडेन को विदेश यात्राओं या फिर लंबे समय तक काम करने के बाद बहुत थकान हो जाती है और उन्हें बोलने में भी दिक्कत होने लगती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि व्हाइट हाउस को ध्यान रखना पड़ता है कि निश्चित समय में ही उनकी मीटिंग रखी जाए, जिससे वे ठीक से बात कर सकें।

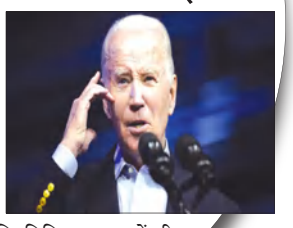

कनाडा में नंगी परेड

कनाडा में टोरंटो प्राइड परेड २०२४ विवादों में घिर गई है। इस परेड में कई वयस्क प्रतिभागियों ने नग्न होकर मार्च किया और सार्वजनिक रूप से यौन व्यवहार में शामिल हुए। परेड की वीडियो ऑनलाइन सामने आने के बाद इंटरनेट यूजर्स में गुस्से की लहर दौड़ गई है। वीडियो देखकर कई सोशल मीडिया यूजर्स ने सवाल उठाया कि क्या आप अपने बच्चों को इस मार्च में ले जाएंगे? बता दें कि परंपरागत रूप से प्राइड परेड में परिवार और बच्चे भी शामिल होते हैं। ऐसे में कई लोगों ने कहा कि सार्वजनिक जगह पर इस तरह का यौन प्रदर्शन अनुचित है। कई लोगों ने इस घटना पर नाराजगी व्यक्त की है। उनका कहना है कि इस तरह का स्पष्ट यौन सामग्री एक परिवार के अनुकूल कार्यक्रम के लिए अनुपयुक्त है।

श्राद्ध की चल रही थी तैयारी युवक गर्लफ्रेंड के साथ पकड़ाया!

बिहार के वैशाली में ऐसा मामला सामने आया है, जिसे सुनकर पुलिस से लेकर परिजन भी हैरान हैं। जिले के गंगा ब्रिज थाना क्षेत्र में पिछले सप्ताह जिस युवक का शव मिलने के बाद परिजनों ने थाना के बाहर हंगामा किया और उसका अंतिम संस्कार कर श्राद्ध कर्म की तैयारी कर रहे थे, वो युवक अपनी प्रेमिका के साथ जिंदा बरामद हुआ है। दोनों को जिंदा देख परिवार के लोग हैरान रह गए। मिली जानकारी के अनुसार, बीते १८ जून को २१ वर्षीय युवक अचानक लापता हो गया। इसके तीन दिन बाद २१ जून को किसी ने सूचना दी कि सन्नी की हत्या कर शव को जलाकर समस्तीपुर जिले के मोहनपुर थाना क्षेत्र में फेंक दिया गया है। परिजनों ने थाना पहुंचकर शव की शिनाख्त भी की, जिसके बाद परिजनों ने बेटे की हत्या की एफआईआर दर्ज कराई और आरोप लड़की के घर वालों पर लगाया। युवक की मौत के बाद २१ जून को हाजीपुर कोनहारा घाट पर उसका दाह संस्कार कर दिया था। उसी दौरान हाजीपुर से लगभग डेढ़ सौ किलोमीटर दूर बक्सर में युवक अपनी गर्लफ्रेंड से शादी करने के बाद जिंदगी की नई शुरुआत करने जा रहा था। युवक की तलाश में जुटी पुलिस को सूचना मिली उसके बाद दोनों को पकड़ लिया। फिलहाल, पुलिस सारे तथ्यों के आधार पर मामले की तहकीकात करने में जुटी है।

लैंड रोवर कार को पेड़ से बांधा

लंदन में लैंड रोवर गाड़ियों के मालिक अपनी गाड़ी की हिफाजत करने के लिए एक्स्ट्रा प्रिकॉशन ले रहे हैं। दरअसल, लंदन में लैंड रोवर गाड़ियों की चोरी बढ़ी है, जिससे लोग गाड़ी की सुरक्षा को लेकर काफी परेशान हैं। हाल ही में एक फोटो वायरल हुई, जिसमें एक लैंड रोवर गाड़ी के मालिक ने अपनी कार को पेड़ से जंजीर के जरिए बांध दिया। ये देखकर शायद आपको भारतीय घरों की याद आ जाए, जहां लोग अपनी गाय-भैंस को जंजीर से यूं ही पेड़ से बांधकर रखते हैं। वायरल फोटो में दिख रहा है कि इंडस्ट्रीयल चेन को दो बार पेड़ से लपेटकर गाड़ी में बांधा गया है। मिली जानकारी के अनुसार पिछले महीने जैगुआर लैंड रोवर ने पुलिस को भरोसा दिलाया था कि वो गाड़ियों की खोई हुई गरिमा को लौटाने के लिए और चोरी रोकने के लिए १० करोड़ रुपयों से ज्यादा खर्च करेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक लेक्सस आरएक्स नाम की कार २०२३ में सबसे ज्यादा चोरी की जाने वाली कार थी।

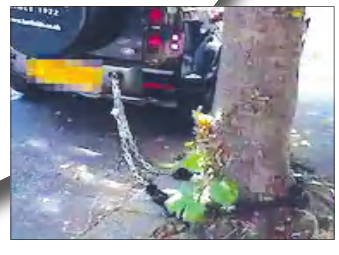

दोपहर का सामना
www.hindisaamana.com
epaper.hindisaamana.com
सोमवार १ जुलाई २०२४ १५

संपादक के नाम पत्र

नारकीय दशा में है कल्याण

कब बनेगा स्मार्ट सिटी?

केंद्र सरकार द्वारा कई शहरों को स्मार्ट सिटी स्तर का बनाया जा रहा है, जिसमें कल्याण शहर भी शामिल है। परंतु शहर को देखकर यह नहीं लगता है कि यह शहर स्मार्ट सिटी श्रेणी में बनने की कतार में है। स्टेशन परिसर की नारकीय दशा है। स्टेशन के समीप ही शहर का मुख्य अस्पताल

रुक्मिणी बाई, सत्र न्यायालय, डॉक्टर बाबा साहेब आंबेडकर उद्यान है। नागरिक संरक्षण दल, पुलिस विभाग, मुख्य सब्जी मार्केट, बस स्टैंड, वन विभाग के कार्यालय भी हैं, लेकिन सभी की स्थिति दयनीय है। कल्याण शहर स्मार्ट सिटी कब बनेगी, इसका कल्याणकरों को आज भी इंतजार है। डॉक्टर बाबा साहेब आंबेडकर उद्यान के समीप एक नाला है जो अधूरा बना है। वहां से इतनी बदबू उठती है कि वहां लोगों का खड़ा रहना कठिन हो जाता है। आश्चर्यजनक बात तो यह है कि गटर के ऊपर ही खाद्य पदार्थ सामग्री बेची जाती हैं। कल्याण-पश्चिम में पानी के जलजमाव के कारण केंद्र सरकार की स्मार्ट योजना मजाक बन कर रह गई है।

- विनोद मोरे, कल्याण

मनपा की उपेक्षा का शिकार बना उद्यान!

सामना संवाददाता / मुंबई

मनपा के वॉर्ड क्रमांक १८६ में स्थित धारावी का एन. शिवराज उद्यान इन दिनों मनपा की उपेक्षा का शिकार बना हुआ है, यहां आलम यह है कि इस उद्यान में हरियाली के नाम पर तो कुछ है ही नहीं। साथ ही कचरे व गंदगी के चलते यह उद्यान चलने लायक भी नहीं रह गया है। यहां खुलेआम नशेड़ी नशा करते दिखाई दे रहे हैं, जिसकी वजह से अब यहां लोगों की आवाजाही भी नहीं होती। धारावी के संत कक्कैया मार्ग पर संत कक्कैया मनपा स्कूल के बगल में स्थानीय रहिवासियों के घूमने-फिरने तथा बच्चों को खेलने के लिए इस उद्यान को बनाया गया था, पर मौजूदा समय में स्थिति इतनी दयनीय हो चुकी है कि यहां घूमना-फिरना तो दूर रहिवासी बैठ

भी नहीं सकते। गंदगी और कीचड़ से भरे इस मैदान में बच्चे खेलने को मजबूर हैं। पता चला है कि इसके पुनर्निर्माण को लेकर दो बार कोशिशें की गईं पर इसका पुनर्निर्माण हो नहीं पाया। मनपा अधिकारियों तथा स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने इसके पुनर्निर्माण में जमकर लूट की और मरम्मत कर फिर उसे उसके हाल पर छोड़ दिया गया। स्थानीय निवासी मनपा प्रशासन के प्रति आक्रोशित हैं। अब यहां पर होनेवाली सभाएं भी स्थानीय लोगों के लिए परेशानी का सबब बनती जा रही हैं, यहां पर सभाओं के होने की वजह से यहां रहनेवालों को आने-जाने में काफी दिक्कतें होती हैं। बता दें कि यह उद्यान आस-पास के हजारों बच्चों, बूढ़ों के लिए एकमात्र ऐसी खुली जगह है, जहां पर खुली सांस ली जा सकती है। इस मैदान के पुनर्निर्माण की मांग स्थानीय निवासी कर रहे हैं।

चेंबूर रेलवे स्टेशन के शेड से पानी का रिसाव!

सामना संवाददाता / मुंबई

मुंबई में मानसून पूर्व किए गए बड़े-बड़े दावे धाराशायी हो चुके हैं। सड़कों पर जमा होने वाले पानी से लोग परेशान तो हैं ही, साथ ही अब रेलवे स्टेशन पर भी लोग टपकते पानी से भीगने को मजबूर हैं। तेज बरसात के दौरान चेंबूर रेलवे स्टेशन की छत लीक होने लगी, जिसकी वजह से कई यात्री भीग गए, तो कई यात्रियों को प्लेटफॉर्म पर ही छाता खोलने के लिए मजबूर होना पड़ा। चेंबूर रेलवे स्टेशन को

महत्वपूर्ण रेलवे स्टेशन के रूप में जाना जाता है। इस क्षेत्र में मेट्रो, मोनो, सांताक्रूज-कुर्ला लिंक रोड, ईस्ट एक्सप्रेसवे द्वारा जल्दी पहुंचा जा सकता है। यही वजह है कि चेंबूर क्षेत्र की जनसंख्या तेजी से बढ़ रही है। फिलहाल, चेंबूर स्टेशन कुर्ला, गोवंडी, मानखुर्द स्टेशन की छत से पानी टपक रहा है। चेंबूर रेलवे स्टेशन के खंभों और छतों में भी दरारें पड़ गई हैं और कुछ जगहों पर जंग लग गई है इसलिए बारिश का पानी सीधे प्लेटफार्म पर गिरता है। हर साल मानसून के सीजन की शुरुआत में रेलवे स्टेशन के रखरखाव के लिए रेलवे लाखों रुपए खर्च करता है, लेकिन पिछले कुछ दिनों से हो रही बारिश के कारण रेलवे प्रशासन की लापरवाही सामने आई है।

डंक - कमलेश पांडेय 'तरुण'

विश्व विजेता भारत!

पांव जमा अंगद सदृश, एक छोर पर विराट।
अक्षर दूजे छोर से, दिए बखूबी साथ।।
दिए बखूबी साथ, बड़ा 'स्कोर' बनाए।
अर्शदीप, बुमराह, पांड्या ने कहर बरपाए।।
'तरुण' अफ्रीकन खूब लड़े, पर पार न पाए।
चाहकर भी तमगा, 'चोकर्स' का हटा न पाए।।

सिटीजन रिपोर्टर में अपनी समस्याओं को भेजने के लिए हमारे संवाददाता संदीप पांडेय से ७०८१७५०१७१ पर संपर्क करें।

मेहनतकश

सगीर अंसारी

गरीबी से निकल जगा रहे शिक्षा की अलख

कहते हैं शिक्षा किसी की मोहताज नहीं होती। शिक्षा के बल पर इंसान फर्श से अर्श तक पहुंच जाता है। इसी कड़ी में डॉक्टर सत्तार खान ने भी गरीबी झेलते हुए शिक्षा ग्रहण की और आज उच्च मुकाम तक पहुंच गए हैं। वे जब छोटे थे तब अपनी मां के साथ वर्ष १९७४ में मुंबई आए। यहां आने के बाद वे कुर्ला इलाके में अपने मामा के घर पर रहकर चौथी कक्षा से पढ़ाई शुरू की। बाद में चेंबूर के मुक्तानंद हाई स्कूल से दसवीं की परीक्षा देने के बाद वे यशवंत राव चव्हाण मुक्त विद्यापीठ से बीए तक की शिक्षा प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने दिल्ली यूनिवर्सिटी से एमए किया। इसी तरह वर्ष २०१८ में एलएलबी भी पूरा किया। इसके बाद उन्होंने कांग्रेस पार्टी में प्रवेश किया। डॉ. सत्तार खान के अनुसार, उन्होंने सबसे पहले तत्कालीन विधायक व महाराष्ट्र राज्य के शिक्षा मंत्री प्रो. जावेद खान के साथ कार्यकर्ता के रूप में काम शुरू किया। इसी

दौरान सत्तार खान की शादी हुई और वे चार बच्चों के पिता बने, जिनमें दो पुत्र और दो पुत्री हैं। डॉक्टर सत्तार खान ने उन्हें भी उच्च शिक्षा दिलाई। अपने बच्चों की परवरिश के साथ-साथ डॉ. सत्तार खान ने समाज में अनेक बच्चों की शिक्षा के लिए भी काम किया, जिनमें से कुछ इंजीनियर तो कुछ एडवोकेट बनकर कार्य कर रहे हैं। सामाजिक कार्यों के दम पर डॉ. सत्तार खान को साल २०१८ में कॉमनवेल्थ यूनिवर्सिटी से डॉक्टरेट (पीएचडी) की उपाधि मिली। शिक्षा व सामाजिक कार्यों में रुचि रखनेवाले डॉ. सत्तार खान को दिल्ली स्थित वर्ल्ड ह्यूमन राइट यूनिवर्सिटी की तरफ से वर्ष २०२२ में दोबारा पीएचडी से नवाजा गया। एडवोकेट के तौर पर अदालत में प्रैक्टिस करनेवाले डॉक्टर सत्तार खान ने कांग्रेस पार्टी के रोजगार एवं स्वयंरोजगार सेल के मुंबई महासचिव पद पर रहकर अनेक बेरोजगार युवाओं को रोजगार दिलवाया। उनके इस कार्य में मुंबई कांग्रेस कमेटी अध्यक्षा प्रो. वर्षा गायकवाड का भी काफी सहयोग मिला, साथ ही पार्टी में रहकर उन्होंने स्थानीय रहिवासियों की समस्याओं को लेकर अधिकारियों व नेताओं के सामने आवाज बुलंद की। लोगों की चाहे छोटी समस्या हो या बड़ी, वे कभी भी सहायता करने से पीछे नहीं हटे। लोगों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर उनके हक की लड़ाई लड़ी। कई शैक्षणिक संस्थानों से जुड़े हुए डॉ. सत्तार खान ने शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए कई सामाजिक संस्थाओं के साथ जुड़कर अपने काम को अंजाम दे रहे हैं। गोवंडी और चेंबूर रेलवे स्टेशन के बीच में रेलवे लाइन पार करने के दौरान कई विद्यार्थियों और नागरिकों की जान चली जाती थी, इस जगह पर पादचारी पुल के निर्माण को लेकर उन्होंने ७ वर्षों तक संघर्ष किया। आखिरकार, वहां पुल बनवाकर ही दम लिया।

(यदि आप भी मेहनतकश हैं और अपने जीवन के संघर्ष को एक उपलब्धि मानते हैं तो हमें लिख भेजें या व्हाट्सऐप करें।)

पाठकों की पाती

मेडिकल छात्रों के आगे झुकी घाती सरकार

'दोपहर का सामना' में छपी खबर 'मेडिकल छात्रों के आगे झुकी घाती सरकार', जिसे पढ़कर यह साफ पता चलता है कि आज की सरकार से अपना हक पाने के लिए विरोध करना पड़ता है। बिना विरोध के सरकार की आंखें नहीं खुलती हैं। स्टूडेंट्स के भविष्य के साथ सरकार खिलवाड़ करने में भी कोई कमी नहीं छोड़ रही है। मेडिकल छात्रों की परीक्षा के बीच अगर एक भी दिन का गैप नहीं रहेगा तो उन्हें रिवीजन करने का भी मौका नहीं मिलेगा, साथ ही लगातार परीक्षा से उन पर प्रेशर बढ़ सकता है। इसलिए परीक्षा के बीच गैप जरूरी है और यही बात सरकार और शिक्षा विभाग को नहीं समझ आई थी, जिसके विरोध के बाद अब सरकार और शिक्षा विभाग को समझ आ गया है कि परीक्षा के बीच गैप होना बेहद जरूरी है। सरकार को इन छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखना चाहिए।

-कमलेश सावंत, परेल

मेडिकल छात्रों के आगे झुकी 'घाती' सरकार!
■ हर पेपर के बीच एक दिन छुट्टी देने को तैयार
■ महाराष्ट्र हेल्थ साइंस यूनिवर्सिटी को लेना पड़ा फैसला

'मनपा व ठेकेदार की लापरवाही से बुझा घर का इकलौता चिराग'

'दोपहर का सामना' में छपी खबर 'मनपा व ठेकेदार की लापरवाही से बुझा घर का इकलौता चिराग' पहली बात तो यह कि आज मनपा काम नहीं करना चाहती है और दिखावे के लिए अगर काम करती भी है तो उसे भी आधा-अधूरा में छोड़ देती है। आज इसी कारण एक घर का चिराग बुझ गया। इसका जिम्मेदार कौन है? जिस घर का चिराग बुझ गया आज उनके दिल पर क्या गुजर रही है। सरकार भी भली-भांति इस बात को जानती है, लेकिन इसके बावजूद भी सरकार अपनी जिम्मेदारी से मुंह फेर रही है।

-कमला सिंह, दादर

मनपा व ठेकेदार की लापरवाही से
बुझा घर का इकलौता चिराग

किस्सों का सबक

डॉ. दीनदयाल मुरारका

लगन एवं ईमानदारी

अमेरिका के प्रेसिडेंट अब्राहम लिंकन बचपन में बहुत गरीब थे। उन्हें अपने जीवन में औपचारिक शिक्षा प्राप्त नहीं हो सकी। वे हमेशा दूसरों से किताब मांगकर खुद ही पढ़ते थे। अब्राहम लिंकन बचपन में चाय की दुकान पर काम करते थे। एक दिन एक महिला ने उनसे पाव भर चाय मांगी। लिंकन ने जल्दी-जल्दी चाय तौलकर उसे दे दी। रात में जब लिंकन महिला के घर पहुंचकर उन्होंने दरवाजा खटखटाया। महिला ने दरवाजा खोला। लिंकन ने कहा, क्षमा कीजिए, गलती से मैंने आपको आधा पाव ही चाय दी है। बाकी चाय ले लीजिए। महिला आश्चर्यचकित रह गई। उसने लिंकन को शाबाशी दी और कहा कि बेटा तू आगे चलकर जरूर एक महान आदमी बनेगा। उस महिला की भविष्यवाणी सच साबित हुई। वे अमेरिका के १६वें प्रेसिडेंट बने। १८६१ से १८६५ तक वे संयुक्त राष्ट्र अमेरिका के राष्ट्रपति रहे। उन्होंने अपनी मेहनत और लगन से यह साबित कर दिया था कि एक गरीब व्यक्ति भी देश का सर्वोच्च पद प्राप्त कर सकता है।

हिसाब-किताब करने बैठे तो उन्हें पता चला कि उन्होंने महिला को आधा पाव चाय ही दी थी। यह सोचते ही वह घबरा गए। उन्होंने पहले सोचा कि अगले दिन वह महिला जब आएगी तो उसे बची हुई चाय दे देंगे।

मगर फिर खयाल आया कि अगर वह नहीं आई तो? संभव है, वह फिर इधर कदम ही न रखे। लिंकन उसका घर जानते थे। वे तत्काल लालटेन लेकर निकल पड़े। उसका घर वहां से तीन किलोमीटर दूर था।

दोपहर का सामना
९३२४१७६७६९
सोमवार १ जुलाई २०२४ १६

गुंडागर्दी से शो रद्द

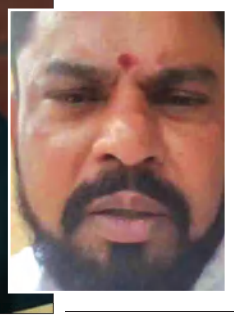

कॉमेडी मनोरंजन की एक अलग विद्या है। यह गुदगुदाती है। हंसाती है। अब अगर वहां भी हिंसा की घुसपैठ हो जाए तो फिर फिल्मी भाषा में यही कहा जा सकता है कि हंसना मना है और डरना जरूरी है। अब हैदराबाद में एक कॉमेडी शो होनेवाला था, पर मार-पिटाई की ऐसी धमकी मिली कि शो को रद्द करना पड़ा। असल में कॉमेडियन डैनियल फर्नांडिस का शनिवार को हैदराबाद में शो था। उन्होंने जैन समुदाय पर एक कथित मजाकिया वीडियो बनाया था, जिसे देखकर भाजपा विधायक टी. राजा आगबबूला हो उठे और उन्हें पीटने की धमकी दे डाली। इसके बाद फर्नांडिस ने वीडियो हटा दिया और माफी भी मांग ली, फिर भी धमकियां मिलनी बंद नहीं हुईं। इस गुंडागर्दी से थककर फर्नांडिस ने शो को रद्द करना ही बेहतर समझा।

बैड न्यूज जुड़वां बच्चों के दो बाप!

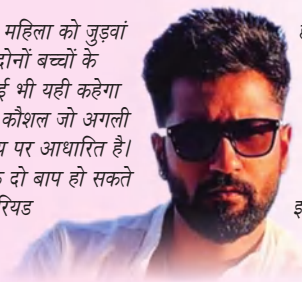

क्या ऐसा संभव है कि किसी महिला को जुड़वां बच्चे पैदा हों और उन दोनों बच्चों के बाप अलग-अलग यानी दो हों? कोई भी यही कहेगा कि ऐसा संभव नहीं है। अब विक्की कौशल जो अगली फिल्म करने जा रहे हैं वह इसी विषय पर आधारित है। और जवाब है कि हां जुड़वां बच्चों के दो बाप हो सकते हैं। असल में एक ही ओव्यूलेशन पीरियड के दौरान जब महिला अलग-अलग लोगों से यौन संबंध स्थापित करती है तो उसके चलते उनके स्पर्म सेल्स से दो अंडे फर्टिलाइज हो जाते हैं और उसे 'हेट्रोपेटरनल सुपरफेकंडेशन' कहते हैं। यह एक दुर्लभ घटना है जिससे जुड़वां बच्चों का जन्म होता है पर उनके पिता अलग-अलग होते हैं। विक्की कौशल की फिल्म 'बैड न्यूज' इसी विषय पर आधारित है। अब देखना है कि विक्की इस विषय के साथ किस तरह न्याय कर पाते हैं।

बाल-बाल बचे बोमन

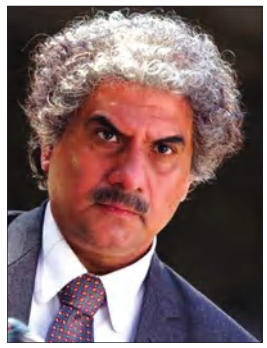

कभी-कभार जल्दबाजी खतरनाक हो सकती है। उसका परिणाम हास्यास्पद हो सकता है और लोग जमकर मजाक उड़ा सकते हैं। मामला टी२० वर्ल्ड कप के फाइनल का है। १६ वें ओवर तक खेल अफ्रीकी झोली में जा चुका था। खासकर छक्कों की बरसात के बाद। ऐसे में अभिनेता बोमन ईरानी द. अफ्रीका की जीत का संदेश लिखने जा रहे थे, तभी पासा पलटा और पांड्या ने छक्केबाज को चलता कर दिया। यह देखकर बोमन ठमक गए। बाद में बोमन ने लिखा, 'दक्षिण अफ्रीका के लिए मुबारकबाद पोस्ट लिखने जा रहा था, फिर यह खेल हुआ। भारत की अविश्वसनीय जीत।' उन्होंने आगे लिखा, 'इसे ही तो फाइनल कहते हैं, अच्छा खेले बॉयज।' अब जरा सोचिए, अगर जल्दबाजी में बोमन ने वो मुबारकबाद लिखकर पोस्ट कर दिया होता तो क्या होता?

पाकिस्तानी के 'पल्लू' में फैंस को नहीं आया रास

बॉलीवुड एक्ट्रेस माधुरी दीक्षित के देश-विदेश में करोड़ों दीवाने हैं। पर आजकल कुछ ऐसा हुआ है कि फैंस कुछ नाराजगी दिखा रहे हैं और सोशल मीडिया पर उन्हें जमकर ट्रोल कर रहे हैं। मामला अमेरिका में होने वाले एक कार्यक्रम का है। इसके पोस्टर पर पाकिस्तानी इवेंट मैनेजर रेहान सिद्दीकी का नाम देखा जा रहा है। हालांकि, इस बारे में अभी तक माधुरी की ओर से कोई भी ऑफिशियली बयान नहीं आया है। पाकिस्तानी प्रमोटर का सहयोग करने के चलते उन्हें निशाने पर लिया गया है। यही वजह है कि एक्ट्रेस के हिंदुस्थानी फैंस भी उनसे नाराज हो रहे हैं। इतना ही नहीं, भारत सरकार ने भी रेहान को ब्लैक लिस्ट कर रखा है। यह शो ह्यूस्टन, टेक्सास में आगामी स्वतंत्रता दिवस के ठीक एक दिन बाद होने वाला है। अब हो सकता है कि माधुरी को इसका पता नहीं हो और एकाध दिन में उनकी प्रतिक्रिया सामने आ जाए।

कॉकपिट में कॉमेडियन खतरे में यात्रियों की जान

अगर आप विमान यात्रा कर रहे हों तो पता कर लीजिएगा कि विमान कौन उड़ा रहा है? कहीं कपिल शर्मा तो नहीं! ये मजाक नहीं है बल्कि हाल ही में खुद कपिल ने विमान उड़ाने की तस्वीरें शेयर की हैं। इस वीडियो को देख लोगों के होश उड़ गए हैं। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि कपिल शर्मा को-पायलट की सीट पर बैठे हैं। पहले वह वीडियो की तरफ देखते हैं फिर हंसते हुए विमान उड़ाने की तैयारी करते हैं। कपिल ऊंची उड़ान भरते हुए खूबसूरत वादियों की झलकियां दिखाते नजर आ रहे हैं और फिर वह लैंड करने की कोशिश करते हैं। अब कपिल ने विमान चलाना कब सीखा, इसकी कोई जानकारी तो हमारे पास नहीं हैं, अगर आपको पता चले तो जरा हमें भी बताइएगा।

जेल तक गूंजी थप्पड़ की आवाज

फिल्ममेकर अनुराग कश्यप अपने मन में कुछ भी छिपाते नहीं हैं। जो भी रहता है उसे बाहर निकाल देते हैं। मगर इस चक्कर में कभी-कभार उन्हें मुसीबत भी मोल लेनी पड़ जाती है, मगर उन्हें इसकी परवाह नहीं। ऐसी ही एक घटना में एक शख्स को थप्पड़ मार दिया तो उसकी गूंज जेल तक सुनाई पड़ी। अनुराग को जेल में रात गुजारनी पड़ी। हाल ही में एक इंटरव्यू में उन्होंने इस बात का खुलासा किया। अनुराग ने कहा, 'गलत आदमी को थप्पड़ मार दिया था। जिसे थप्पड़ नहीं मारना चाहिए था उसे मार दिया था।' फिर उन्होंने कहा, 'जिस आदमी ने मुझे जेल में डलवाया उसी ने मेरी जिंदगी बदल दी।'